



विश्व के सरी

सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल मन्नीत कौर ने भारत की झोली में डाला एक और... @ विचार फिल्मी दुनिया के साउंड रिकॉर्डिस्ट दिनेश चतुर्वेदी... @ व्यापार गिरावट के बाद बाजार में लौटी तेजी, सेंसेक्स 315 अंक...

मुसलाधार बारिश से छत्तीसगढ़ हुआ पानी-पानी

राजधानी में निरंतर बारिश से आम लोग घर में हुए कैद, गणपति विसर्जन में भी बाधा

विश्व केसरी ■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। दक्षिण बस्तर सहित छत्तीसगढ़ में पिछले 48 घंटे से जारी मुसलाधार बारिश के कारण आम जन-जीवन पर व्यापक असर पड़ा है। प्रदेश के प्रमुख नदी और नाले उफान पर पहुंच गए हैं, जिसे देखते हुए जिला दण्डाधिकारी ने आम लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। वहीं जलभराव वाले जगहों पर राहत के काम शासन-प्रशासन की टीम कर रही है।

बता दें कि बस्तर संभाग में पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही मुसलाधार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह ठप कर दिया है। बारिश से सबसे ज्यादा असर सड़क यातायात पर पड़ा है। जगदलपुर से ओडिशा के उमरकोट को जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग और भारतमाला प्रोजेक्ट का प्रमुख मार्ग पूरी तरह बंद हो गया है, जिससे बस्तर का ओडिशा से संपर्क टूट गया है। उधर नेशनल हाईवे- 63 के बीजापुर घाट पर विशाल पेड़ गिर गया है, जिसके चलते तेलंगाना और महाराष्ट्र से सड़क संपर्क ठप हो गया है। दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई हैं।

ओडिशा और आंध्रप्रदेश के समुद्री तटों पर आए चक्रवाती तूफान का व्यापक असर बस्तर संभाग में भी देखने को मिल रहा है। पूरे संभाग में तीन दिन से झमाझम बरसात हो रही है और बेहद तेज हवाएं चल रही हैं। सुकमा, दत्तेवाड़ा और बीजापुर जिलों में बारिश का सबसे ज्यादा असर देखने को मिला है। बस्तर जिले में भी बारिश जमकर कहर बरपा रही है। बस्तर, सुकमा, दत्तेवाड़ा और बीजापुर जिलों के सारे नदी नाले उफान



पर आ गए हैं। बाढ़ के कारण कई रास्ते बंद हो चुके हैं। मिली जानकारी के अनुसार बस्तर जिले में बकावंड क्षेत्र में धनपुर डैम के पास और बगिया नाला के पास पुलिया के ऊपर से करीब से 4 फीट पानी त बह रहा है। पानी का बहाव इतना तेज है कि बड़े वाहन भी पार नहीं हो पा रहे हैं। यही सड़क जगदलपुर से बकावंड, धनपुर होते हुए ओडिशा के उमरकोट को जोड़ती है और आगे जाकर नेशनल हाईवे और भारतमाला कॉरिडोर से कनेक्ट होती है। बाढ़ के कारण सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं। ट्रक, बस, छोटे वाहन, बाइक सवार सभी फंसे हुए हैं। कई यात्री रात से सड़क पर ही फंसे हैं। उन्हें खाने-पीने की भी परेशानी हो रही है।

कई गांवों का संपर्क टूटा लगातार बारिश से क्षेत्र के सभी नदी-नाले उफान पर आ गए हैं। बकावंड ब्लॉक की कई आंतरिक सड़कों पर भी पानी भर गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। कई गांव टापू बन गए हैं। खेतों में पानी भरने से किसानों की फसल को भी नुकसान होने की आशंका है। करपावड़ पुलिस ने लोगों से अपील की है कि जब तक पानी का स्तर कम नहीं होता, तब तक इस मार्ग पर यात्रा न करें और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। प्रशासन ने लोगों से नदी-नालों के पास न जाने की भी अपील की है। स्थानीय लोगों ने बताया कि हर साल बारिश में इसी जगह पर पानी भर जाता है, लेकिन इस बार 3 दिन की लगातार बारिश के कारण स्थिति ज्यादा खराब हो गई है। लोगों ने मांग की है कि धनपुर और बगिया के पास के पुलिया को ऊंचा बनाया जाए, ताकि हर साल की इस समस्या से निजात मिल सके।

बीजापुर घाट पर गिरा पेड़ उधर बीजापुर जिले में महादेव घाटी के आगे सागीन पेड़ गिरने से नेशनल हाईवे-63 पर आवागमन ठप हो गया है। तेलंगाना, महाराष्ट्र राज्य व भोपालपटनम क्षेत्र के लोग फंसे हुए हैं। नेशनल हाईवे 63 में एक सागीन का पेड़ गिरने से सड़क जाम हुआ है। दोनों ओर बड़े वाहनों और बसों की कतार लग गई है। शुक्रवार 11 बजे से यात्रियों की बड़ी परेशानी हो रही है। पुलिस व जिला प्रशासन के अमला सड़क बहाल के प्रयास में लगे हैं।

खैरगुड़ा के खालेपारा में जलभराव 13 परिवारों के 69 सदस्य फंसे

बस्तर तहसील में लगातार हो रही मुसलाधार बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया है। ग्राम पंचायत कुंडगुड़ा मधोता-2 के खैरगुड़ा खालेपारा में बारिश का पानी घरों में घुसने से 13 परिवारों के 69 सदस्य प्रभावित हुए हैं। कई परिवारों को रातभर घरों से पानी निकालना पड़ा। घरों में रखा धान और घरेलू सामान भीग गया। लगातार बारिश के बीच परिवारों के सामने सुरक्षित स्थान पर रहने की चुनौती खड़ी हो गई है। ग्रामीणों के अनुसार खैरगुड़ा खालेपारा में सड़क के दोनों ओर नाली नहीं होने से बारिश के पानी की निकासी नहीं हो पाई। पानी सड़क और आसपास के हिस्सों में जमा होकर घरों की ओर पहुंच गया। कुछ घरों में पानी बाहर से आने के साथ जमीन के अंदर से भी निकलने की बात ग्रामीणों ने बताई है। इससे जलभराव की स्थिति और गंभीर हो गई। हालात की जानकारी मिलने के बाद बस्तर एसडीएम गगन शर्मा के मार्गदर्शन में बस्तर तहसीलदार जॉली जेम्स, नायब तहसीलदार फूलबली भूआर्य और नरेंद्र पैकरा तथा सरपंच ईश्वर मंडावी खैरगुड़ा पहुंचे। अधिकारियों ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर घरों में भरे पानी और स्थिति का जायजा लिया।

भैंसगांव में भी बिगड़े हालात - भारी बारिश को देखते हुए बस्तर तहसील के अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में भी प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है। तहसीलदार जॉली जेम्स लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रही हैं। उन्होंने बताया कि भैंसगांव के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को आवश्यक सावधानी बरतने और सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। भैंसगांव में स्थिति को देखते हुए सरपंच ने भी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं, ताकि जलस्तर बढ़ने या किसी आपात स्थिति में प्रभावित परिवारों को तत्काल सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा सके।



विधायक किरण देव ने महापौर संजय पांडे, कलेक्टर से फोन पर की बात

बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तूफान अर्नेब से बस्तर में हो रहे लगातार बारिश के कारण बस्तर जिले में बाढ़ की स्थिति निर्मित हो गई है। जिसपर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव ने महापौर संजय पांडे, बस्तर कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं संबंधित अधिकारियों से फोन से चर्चा कर बाढ़ग्रस्त इलाकों एवं शहर के जल भराव वाले क्षेत्रों के हालात के संबंध में जानकारी लेकर प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सांसद महेश कश्यप ने जिला कलेक्टरों से की बात

बस्तर लोकसभा क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश को देखते हुए बस्तर सांसद महेश कश्यप ने लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बस्तर, बीजापुर, दत्तेवाड़ा, नायगणपुर, सुकमा एवं कोंडगांव जिलों के कलेक्टरों से दूरभाष पर चर्चा कर बारिश एवं बाढ़ की स्थिति की जानकारी ली।

एशियन गेम्स: कबड्डी में पुरुष-महिला टीम का दबदबा बरकरार, फाइनल पहुंचे

एजेंसी ■ टोकाई

भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने शुक्रवार को टोकाई सिटीजन जिम्नैजियम में सेमीफाइनल में थाईलैंड को 66-28 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

आठ बार की विजेता और डिफेंडिंग चैंपियन भारतीय टीम पुरुषों की स्पर्धा के नौवें फाइनल में पहुंच गई है और अपने 2023 के टाइटल को बचाने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में दोनों हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए थाईलैंड को 66-28 से हरा दिया।

भारत ने पहले हाफ में 37 पॉइंट्स लिए, जबकि थाईलैंड सिर्फ 18 पॉइंट्स ही बना पाया। दूसरा हाफ भी भारतीय टीम के लिए अच्छा रहा, क्योंकि उसने 29 पॉइंट्स लिए, जबकि थाईलैंड ने 10 पॉइंट्स लिए। भारतीय टीम ने पहले हाफ में 21 आउट लिए, जबकि उसने थाईलैंड के डिफेंस में भी गरीब गेम बनाकर 12 बोनस पॉइंट्स लिए और दो ऑल आउट किए। उसके अपोनेट्स ने पहले हाफ के शुरुआती हिस्से में उसे कड़ी टक्कर दी और 13 आउट, तीन बोनस पॉइंट्स हासिल करने में



भारतीय महिला कबड्डी टीम ने नेपाल को हराकर फाइनल में जगह बनाई

नागोया। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने सेमीफाइनल में नेपाल को 48-24 से हराकर एशियन गेम्स 2026 के महिला कबड्डी फाइनल में जगह बना ली है। इवेंट में जोरदार प्रदर्शन कर रही भारतीय टीम ने इस मैच की शुरुआत भी धमाकेदार अंदाज में की और पहले पांच मिनट में ही असरदार रेंड से पॉइंट्स जमा करके 9-5 की लीड ले ली। नेपाल ने भारतीय रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाया, जिसमें इंडियन रेंडर सोनाली पर एक सुपर टैकल भी शामिल था, जिससे वह लाइन तक नहीं पहुंच पाई। इसके बावजूद, इंडिया ने 15-10 की पांच पॉइंट्स की मामूली लीड बनाए रखी।

नियंत्रण रेखा के समीप सैन्य तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे सेनाध्यक्ष



एजेंसी ■ नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था और सेना की तैयारियों का जायजा लेने के लिए सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने चिनार कोर के अग्रिम इलाकों का दौरा किया है। उन्होंने नियंत्रण रेखा और अंदरूनी इलाकों में सुरक्षा की स्थिति की समीक्षा की और सैनिकों से बातचीत भी की। सेनाध्यक्ष ने तंगंधार में 'ऑपरेशन दृष्टि 2026' का भी जायजा लिया है। सेनाध्यक्ष का यह दौरा 'जय से विजय' की उस भावना को सामने लाता है, जिसमें अभियानगत सतर्कता के साथ हर योद्धा के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया है। उत्तरी कमान के तहत आने वाली चिनार कोर के क्षेत्रों में पहुंचे सेनाध्यक्ष को स्थानीय कमांडों ने मौजूदा सुरक्षा माहौल से अवगत कराया। यहां सेना प्रमुख

को अभियानगत तैयारियों और क्षमताओं को विकसित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्हें नियंत्रण रेखा पर मजबूत सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के उपायों और अंदरूनी इलाकों में आतंकवाद विरोधी अभियानों की तैयारियों के बारे में भी बताया गया। अभियान क्षेत्रों में सैनिकों से बातचीत के दौरान सेनाध्यक्ष ने सभी सैन्य कर्मियों की उच्च स्तर की सतर्कता की सराहना की। उन्होंने भारतीय सेना को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने वाले पांच बिंदुओं के मार्गदर्शक ढांचे 'विजय' पर जोर दिया। इसका उद्देश्य भारतीय सेना को ऐसी भविष्य के लिए तैयार सेना में बदलना है, जो कम समय में सभी प्रकार के अभियानों के लिए प्रतिक्रिया देने में सक्षम हो।

डीजे पिकअप और धान से भरे ट्रक की जोरदार भिड़ंत, 6 की मौत

हादसे में पिकअप के उड़े परखच्चे, घायलों को अस्पताल भेजा गया

विश्व केसरी ■

चारामा/मरकटोलाघाट (संदीप मेथ्राम)। शुक्रवार को चारामा से लगे मरकटोला घाट में नेशनल हाईवे-30 पर एक दर्दनाक सड़क हादसे ने इलाके को दहला दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार डीजे से भरी पिकअप वाहन की धान से लदे ट्रक से जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और मौके पर चीख-पुकार मच गई।

बताया जा रहा है कि पिकअप वाहन कवर्धा की है बताई जा रही है। हादसे में पिकअप में सवार लोगों के हताहत होने की सूचना सामने आई है। स्थानीय स्तर पर 5 लोगों की मौत और 5 लोगों के घायल होने की बात कही जा रही है, हालांकि मृतकों और घायलों की अंतिम संख्या की आधिकारिक पुष्टि अभी पुलिस एवं प्रशासन की ओर से होना बाकी है। वहीं, प्रकाशित स्थानीय रिपोर्टों में 4 मौतों और 5 से



अधिक घायलों की प्रारंभिक सूचना दी गई है।

बारिश और घाट का खतरनाक मोड़ बना चुनौती - घटना के दौरान क्षेत्र में भारी बारिश होने की भी जानकारी सामने आई है। मरकटोला घाट में बारिश और सड़क की परिस्थितियों के बीच हुए इस भीषण हादसे ने एक बार फिर इस मार्ग की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर के बाद घटनास्थल का मंजर बेहद दर्दनाक था।

पुलिस मौके पर, राहत-बचाव कार्य जारी - हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके

पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजे जाने की जानकारी है। घटनास्थल पर पुलिस द्वारा यातायात व्यवस्था संभालने और दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

बताया जा रहा है कि हादसे में शामिल ट्रक का वाहन क्रमांक CG 04 QY 5947 है। मृतकों एवं घायलों की पहचान तथा दुर्घटना की पूरी परिस्थितियां पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएंगी। मरकटोला घाट का यह हादसा एक बार फिर बता गया कि बारिश के दौरान घाटी मार्ग पर अतिरिक्त सतर्कता और सुरक्षित यातायात व्यवस्था कितनी जरूरी है।



सीजी एमएससी में नियमों का खुलेआम उल्लंघन सरकारी वाहनों के भुगतान में वित्तीय अनियमितता, जांच की मांग

विशेष संवाददाता ■ रायपुर

सीजी एमएससी कार्यालय में कथित कमीशनखोरी, लंबे समय से पदस्थ कर्मचारियों और सरकारी वाहनों के भुगतान को लेकर सवाल उठ रहे हैं। वहीं सीधे तौर पर सीजी एमएससी की कार्यप्रणाली पर, अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं। इस संबंध में शासन के समक्ष शिकायत पेश की गई है और उच्च स्तरीय जांच की मांग की जा रही है।

बता दें कि शिकायत में वाहन प्रभारी एवं प्रशासनिक शाखा से जुड़े अधिकारियों पर आरोप लगाया गया है कि सरकारी वाहनों के वास्तविक

उपयोग से अधिक दूरी दर्शाते हुए लॉगबुक प्रस्तुत की जाती है और इसके आधार पर प्रत्येक वाहन के लिए कथित रूप से 2 से 2.5 लाख रुपये तक का मासिक भुगतान किया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने संबंधित ई-फाइलों, भुगतान अभिलेखों, वाहन लॉगबुक और वाहनों के स्पीडोमीटर रिकॉर्ड का मिलान कराने की मांग की है।

शिकायतकर्ता का कहना है कि इन दस्तावेजों का तकनीकी एवं वित्तीय परीक्षण कराया जाए तो वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है। साथ ही पिछले वर्षों में किए गए वाहन भुगतानों का भी विशेष

ऑडिट कराने की मांग की गई है।

सरकारी वाहन के निजी उपयोग की भी शिकायत - शिकायत में शासकीय वाहन क्रमांक CG04PQ6545 के 11 सितंबर 2026 को कथित निजी एवं पारिवारिक उपयोग के लिए रायपुर से बिलासपुर तथा अन्य स्थानों तक ले जाए जाने का उल्लेख किया गया है। शिकायतकर्ता ने इस संबंध में वाहन के FASTAG रिकॉर्ड, GPS लोकेशन तथा लॉगबुक की जांच कराने की मांग की है। शिकायतकर्ता का कहना है कि यदि सरकारी वाहन का निजी उपयोग हुआ है और उसका खर्च भी

शासकीय मद से वहन किया गया है तो संबंधित जिम्मेदार व्यक्ति से नियमानुसार वसूली की जानी चाहिए।

शिकायत वापस लेने के दबाव का भी आरोप - शिकायतकर्ता के अनुसार मामले को मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076 पर उठाए जाने के बाद अपर कलेक्टर हेमंत मत्स्यपाल द्वारा फोन कर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाए जाने तथा पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में शिकायत निरस्त किए जाने की बात कही गई। इन आरोपों की भी स्वतंत्र रूप से जांच की मांग की गई है।

शासन में शिकायत

नमस्कार, मुझे सीजीएमएससी, सेक्टर-26, नया रायपुर में सरकारी वाहनों के कथित दुरुपयोग और वाहन व्यय में वित्तीय अनियमितताओं के संबंध में शिकायत दर्ज करानी है।

मेरी शिकायत है कि कुछ सरकारी वाहनों का शासन के निर्धारित वित्तीय एवं उपयोग संबंधी नियमों के विपरीत कथित रूप से व्यक्तिगत उपयोग तथा अन्य अनाधिकृत कार्यों में इस्तेमाल किया जा रहा है।

समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर मुख्यमंत्री ने किया नमन

विश्व केसरी■

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में एकात्म मानववाद के प्रणेता और प्रखर राष्ट्रचिंतक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अपने विचारों और सिद्धांतों के माध्यम से राष्ट्र के समग्र विकास की ऐसी दृष्टि प्रस्तुत की, जिसके केंद्र में समाज का अंतिम व्यक्ति है। उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, जनकल्याण और समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल



उपाध्याय का मानना था कि विकास की सार्थकता तभी है, जब उसका लाभ समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। उनका ‘अंत्योदय’ का सिद्धांत गरीबों, वंचितों और जरूरतमंदों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती को ‘अंत्योदय दिवस’ के रूप में मनाना उनके विचारों के अनुरूप समाज के अंतिम व्यक्ति

के कल्याण और उसके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के संकल्प को अभिव्यक्त करता है। एकात्म मानववाद और अंत्योदय का उनका दर्शन आज भी राष्ट्र निर्माण और जनकल्याण की दिशा में प्रेरणास्रोत है। मुख्यमंत्री श्री

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। पंडित दीनदयाल को आत्मसात करते हुए राज्य उपाध्याय के विचार, आदर्श और सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के राष्ट्रसेवा का भाव सदैव देश और समाज को प्रेरित करता रहेगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने दी पुष्पांजलि

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वां जयंती पर उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का सम्पूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, संगठन निष्ठा और विचारधारा के प्रति समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है। एकात्म मानववाद और अन्त्योदय के उनके मंत्र ने हमें सिखाया कि विकास का लाभ समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए और इसी सिद्धांत पर भाजपा की डबल इंजन सरकार छत्तीसगढ़ और देश में जनकल्याण के लिए कार्य कर रही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने राजनीति को केवल सत्ता प्राप्ति का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा का माध्यम माना। उनका त्याग, सादगी और वैचारिक स्पष्टता हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

एचएनएलयू और छत्तीसगढ़ पुलिस ने ‘डिफेंडिंग द डिजिटल फ्रंटियर’ का किया आयोजन

विश्व केसरी■

रायपुर। साइबर साईंस के प्रति जन-जागरूकता को मजबूत करने और डिजिटल सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, खोसाईडिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, नवा रायपुर के ‘सेंटर फॉर इंटरनेट एविएशन एंड आर्टिस्टिक उभरते उद्यम’ (सीआईजीएआई) ने छत्तीसगढ़ पुलिस के सहयोग से 24 सितंबर 2026 को ‘डिफेंडिंग द डिजिटल फ्रंटियर – ए साइबर आइडिया अवैयरनेस प्राइमर’ कार्यक्रम का आयोजन किया। यह पहल छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा चलाये जा रहे राज्य सहभागी ‘साइबर जागृति अभियान’ का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों,



राष्ट्रमंडल (फिकल्टी) और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने वृद्धि-चढ़ाकर भाग लिया। इस दौरान साइबर अपराध के तेजी से बढ़ते स्वरूप, ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, महिलाओं और कलाकारों से जुड़े साइबर सुरक्षा पोर्टल और डिजिटल युग में उभरते

कहा कि आम लोगों को आम लोगों के माध्यम से फर्जी कॉल के जरिए अवसर जिम्मेदार ठहराया जाता है।

यादव ने बच्चों से आग्रह किया कि वे ऐसी ही किसी भी अन्य संचार व्यवस्था या कॉल पर फोडबैक न दें। उन्होंने छात्रों से ‘डिजिटल स्टेडिम एम्बेसडर’ की मांग की, ताकि वे अपने परिवार, दोस्तों और स्थानीय समुदायों तक साइबर सुरक्षा का संदेश प्रभावी ढंग से प्रदान कर सकें।

एचएनएलयू के फादर प्रो. (डॉ.) वी.सी. आइसलैंडन ने कहा कि साइबर सुरक्षा अब केवल तकनीक का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह डिजिटल युग में जिम्मेदार नागरिकता (जिम्मेदार नागरिकता) का अनिवार्य हिस्सा है।

कार्यक्रम को प्रदर्शित करते हुए मुख्य अतिथि, कनेक्शन विधि एवं संयुक्त कार्य मंत्री (छत्तीसगढ़ शासन) गजेन्द्र यादव ने साइबर चिप्स के लाइट पैन्टर्स (मोडस अरैंडो) पर प्रकाश डाला। उन्होंने

राज्यपाल डेका 28 सितंबर को नवनिर्मित सुभाषचंद्र बोस बायोटेक्नोलॉजी इन्व्यूबेशन सेंटर का लोकार्पण करेंगे

विश्व केसरी■

रायपुर । छत्तीसगढ़ में जैव-प्रौद्योगिकी अनुसंधान, नवाचार, स्टार्टअप विकास और युवा उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में छत्तीसगढ़ बायोटेक प्रमोशन सोसाइटी (एचएचए) द्वारा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के सहयोग से स्थापित ‘सुभाष चंद्र बोस बायोटेक्नोलॉजी इनक्यूबेशन सेंटर’ के अत्याधुनिक केंद्र का उद्घाटन 28 सितंबर 2026 को राज्यपाल रामेन डेका द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और कृषि मंत्री रामविचार नेताम भी मौजूद रहेंगे। इसके साथ ही 28-30 सितंबर



2026 तक कृषि मंडपम, रायपुर में ‘छत्तीसगढ़ यूथ इनोवेशन एंड एंटरप्रेनोरशिप कॉन्क्लेव 2026’ का आयोजन होगा।

इनक्यूबेशन सेंटर - अत्याधुनिक बायोटेक्नोलॉजी सुविधाओं से सुसज्जित केंद्र दो एकड़ क्षेत्र में विकसित यह

युवा कैट के विशाल स्वास्थ्य शिविर में व्यापारी सहित संगठनों एवं पदाधिकारियों को मिला लाभ - अमर पारवानी

विश्व केसरी■

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) के युवा प्रदेश अध्यक्ष कांति पटेल, युवा प्रदेश महामंत्री रमनदीप सिंह एवं युवा प्रदेश कोषाध्यक्ष भरत भूषण गुप्ता ने बताया कि ने संयुक्त



स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई। एवं सिटी ब्लड बैंक द्वारा रक्तदान शिविर लगाया गया।

कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी ने बताया कि कैट सी.जी. चैप्टर के प्रदेश कार्यालय में स्वस्थ व्यापारी – स्वस्थ व्यापार के तहत विशाल स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न हुआ। युवा कैट एवं मेडिशियर हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें शहर के प्रतिष्ठित मेडिशियर हॉस्पिटल के प्रसिद्ध डॉक्टरों ने जिसमें डॉ. सुक्रिसाणु रूख मेडिसिन, धरू हेमेटोलॉजी, हिमेटोलॉजी एण्ड ब्लड कैंसर विशेषज्ञ, डॉ. मीनल गोयल रूख (पीडियाट्रिक्स) नवजात एवं शिशु

रूप से बताया कि युवा कैट का मेगा हेल्थ कैम्प 24 सितंबर 2026 को प्रातः 11:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक छड़ख कार्यक्रम, हीरा आर्केड, पंडरी के सामने, रायपुर में आयोजित किया गया। कैम्प में विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श एवं आवश्यक

आधुनिक जीवन में अध्यात्म का महत्व पर व्याख्यान

केटीयू में दीक्षारंभ का तृतीय सत्र

विश्व केसरी■

रायपुर। कृशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ के तृतीय सत्र में ‘आधुनिक जीवन में अध्यात्म’ विषय पर स्वामी श्री कालिदास जी महाराज ने विशेष व्याख्यान दिया।

विश्वविद्यालय के कुलपति मनोज दयाल ने अध्यक्षीय उद्बोधन में नव-प्रवेशित विद्यार्थियों को आधुनिक जीवन में उच्च संस्कारों, नैतिक मूल्यों और शिक्षा के साथ अध्यात्म को जोड़ने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे महामण्डलेश्वर स्वामी श्री कालिदास जी महाराज ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि जीव परमात्मा का एक अंश है। ‘लिंगिंग गाँड’ माता-पिता हैं, और जो अपने माता-पिता को पहचान लेता है, वह परमात्मा को पहचान लेता है। उन्होंने विद्यार्थियों को मातृ-पितृ सेवा, सत्कार और सम्मान सीखने का संदेश दिया।

स्वामी जी ने कहा कि अतिथि का आदर-सत्कार और आचार्य का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। सुख के क्षण क्षणिक होते हैं, जबकि दुख के समय माता-पिता और भाई-बहनों की याद नहीं है। ईश्वर का नाम स्मरण करते हुए कर्म करने से ही जीवन में सफलता मिलती है। उन्होंने ज्ञान और शिक्षा के महत्व



को समझाते हुए कहा कि ज्ञान बांटने से बढ़ता है। ज्ञान और शिक्षा को सत्कर्म तथा सद्भावना के साथ बांटना चाहिए। अपने कर्म का अभिमान करने से व्यक्ति का पतन हो जाता है, इसलिए हमेशा विनम्र रहकर जीना चाहिए। समुद्र की तरह जानी होने पर भी झुकना और अपने कर्मों को मजबूत रखना चाहिए। विद्यार्थियों के जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए स्वामी श्री कालिदास जी ने कहा कि धर्म और मानवता में से यदि देश को बचाना है, तो यह याद रखना चाहिए कि यदि मानवता नहीं रहेगी, तो धर्म भी सुरक्षित नहीं रहेगा। दान हमेशा सुभाष को देखकर ही करना चाहिए, कुप्ता को नहीं। गुप्त दान से बड़ा कोई दान नहीं है। उन्होंने अपने संबोधन में आयुर्वेद के महत्व पर भी प्रकाश डाला और कहा कि दया और करुणा ही सच्चे मनुष्य की पहचान है।



कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ड - 1)
...: संतोषी नगर, खमनगढ़ पानी टोली, रायपुर.
Email ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्रं /.....35722.... / न. पा. नि. /
जोन क्रं 1/2026 रायपुर, दिनांक 25-09-2026

इशतिहार

नामंतरण प्र.क्र. 35722

वाई का नाम - 18- बालगंगाधर तिलक वाई
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 18 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR110C00322 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती SUNIL KUMAR MEGHWANI पिता/पति श्री/श्रीमती LATE. CHUHAD-MAL MEGHWANI के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 1. SEEMA BADHAI 2. SURESH KUMAR BADHAI पिता / पति श्री/श्रीमती 1. W/O SURESH KUMAR BADHAI 2. S/O LATE LINGU BHAI BADHAI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानामा, राजस्वी विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ड - 1)
...: संतोषी नगर, खमनगढ़ पानी टोली, रायपुर.
Email ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्रं /.....35718.... / न. पा. नि. /
जोन क्रं 1/2026 रायपुर, दिनांक 25-09-2026

इशतिहार

नामंतरण प्र.क्र. 35718

वाई का नाम - 4- यतीवतनलाल वाई
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 4 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR104J00270 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती 1. GANESH DHIRUW 2. HEMANT DHIRUW 3. SANAT RAM पिता/पति श्री/श्रीमती TIJU-RAM DHIRUW के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती SANDHYA SHARMA पिता / पति श्री/श्रीमती W/O PANKAJ SHARMA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानामा, राजस्वी विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ड - 1)
...: संतोषी नगर, खमनगढ़ पानी टोली, रायपुर.
Email ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्रं /.....35724.... / न. पा. नि. /
जोन क्रं 1/2026 रायपुर, दिनांक 25-09-2026

इशतिहार

नामंतरण प्र.क्र. 35724

वाई का नाम - 4- यतीवतनलाल वाई
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 4 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR104A00547 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती SHANTI DEVI MANDHANI ASHOK KUMAR पिता / पति श्री/श्रीमती VIRUMAL के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 1. NIKKI THAKUR 2. SUDHIR THAKUR पिता / पति श्री/श्रीमती 1. W/O SUDHIR THAKUR 2. S/O ASHOK THAKUR ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानामा, राजस्वी विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ड - 9)
...: पुलिस बस्त के पास, टुले कोलेनी, सोरा, रायपुर.
Email ID - rmczone9@gmail.com
पत्र क्रं /.....35669.... / न. पा. नि. /
जोन क्रं 9/2026 रायपुर, दिनांक 25-09-2026

इशतिहार

नामंतरण प्र.क्र. 35669

वाई का नाम - 11 डॉ. भीमराव अम्बेडकर वाई
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR227P00112 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती MRS. KIRAN VERMA पिता / पति श्री/श्रीमती TANK RAM VERMA के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती इंदु साहू पिता/पति श्री/श्रीमती नरोत्तम लाल साहू ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानामा, राजस्वी विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ड - 9)
...: पुलिस बस्त के पास, टुले कोलेनी, सोरा, रायपुर.
Email ID - rmczone9@gmail.com
पत्र क्रं /.....35572.... / न. पा. नि. /
जोन क्रं 9/2026 रायपुर, दिनांक 25-09-2026

इशतिहार

नामंतरण प्र.क्र. 35572

वाई का नाम - 11 डॉ. भीमराव अम्बेडकर वाई
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR227T00079 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती YUVRAJ DUBEY पिता/पति श्री श्रीमती LT. YASHWANT DUBEY के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती सुमन सिंह पिता / पति श्री श्रीमती अभिमन्यू सिंह ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानामा, राजस्वी विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ड - 9)
...: पुलिस बस्त के पास, टुले कोलेनी, सोरा, रायपुर.
Email ID - rmczone9@gmail.com
पत्र क्रं /.....35609.... / न. पा. नि. /
जोन क्रं 9/2026 रायपुर, दिनांक 25-09-2026

इशतिहार

नामंतरण प्र.क्र. 35609

वाई का नाम - 10 रानी लक्ष्मीबाई वाई
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 10 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR227S00250 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती SMT. KALPANA RATHI पिता / पति श्री श्रीमती RAJESH RATHI के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती ब्रह्म कुंवर पटेल पिता/पति श्री श्रीमती आग्नेय पटेल ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानामा, राजस्वी विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीत प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ड - 9)
...: पुलिस बस्त के पास, टुले कोलेनी, सोरा, रायपुर.
Email ID - rmczone9@gmail.com
पत्र क्रं /.....35668.... / न. पा. नि. /
जोन क्रं 9/2026 रायपुर, दिनांक 25-09-2026

इशतिहार

नामंतरण प्र.क्र. 35668

वाई का नाम - 11 डॉ. भीमराव अम्बेडकर वाई
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR227B0118A 1.NIKUNJ JAIN S/O PUROSATTAM JAIN 2.ANTIMA JAIN जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती NIKUNJ JAIN पिता / पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती सुभाशा गिरौन खिहोकी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानामा, राजस्वी विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीत प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन ड - 9)
...: पुलिस बस्त के पास, टुले कोलेनी, सोरा, रायपुर.
Email ID - rmczone3@gmail.com
पत्र क्रं /.....35730.... / न. पा. नि. /
जोन क्रं 3/2026 रायपुर, दिनांक 25-09-2026

इशतिहार

नामंतरण प्र.क्र. 35730

वाई का नाम - 29 गुरु गोविंद सिंह वाई
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 29 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR334E00291 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती JAMAMANI BAHORIYA पिता / पति श्री/श्रीमती GANESH BAHORIYA के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती एम डी मारकर पिता/पति श्री/श्रीमती पिता अद्वुल गफ्फर ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानामा, राजस्वी विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि परचात प्राप्त दावा / आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे

श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

एसडीएम ने की आम लोगों से सावधानी बरतने की अपील, यात्री वाहनों से भी सतर्कता की गुजारिश



अन्य प्रमुख जलाशयों में जलस्तर तेजी से बढ़ा है। अधीक्षण अभियंता जल संसाधन संभाग कृष्णा बर्मन ने बताया कि 25 सितंबर 2026 की स्थिति के अनुसार जिले के सिकासार जलाशय में कुल भंडारण क्षमता 198.82 मिलियन घन मीटर के मुकाबले 179.28 मिलियन घन मीटर पानी संग्रहित है। जलाशय का वर्तमान जलस्तर 1330.00 फीट दर्ज किया गया है, जो 89.32 प्रतिशत जलभराव के बराबर है। जल की बढ़ती आवक को देखते हुए सिकासार जलाशय के 12 गेट खोले गए हैं और प्रत्येक गेट 3 फीट तक खोला गया है। जलाशय से वर्तमान जलभराव 20,000 क्यूसेक पानी जलभराव के लिए छोड़ा जा रहा है, जबकि जलाशय में 34,000 क्यूसेक पानी की आवक दर्ज की गई है।

लगतार बारिश के चलते ग्रामीण क्षेत्रों से स्कूल पहुंचने वाले विद्यार्थियों और शिक्षकों को कई स्थानों पर आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। संबलपुर-दुर्गकोंदल मार्ग पर चमेला नदी सहित कई नदी-नालों में जलस्तर बढ़ने से स्थिति और

जब्त, 100 नग साल चिरान बरामद

ब्रामद हुई, जिसे वन विभाग ने विधिवत जब्त कर लिया।

100 नग साल चिरान

ब्रामद- कारवाई के दौरान कुल 100 नग साल चिरान, जिसकी मात्रा 1.806 घनमीटर है, जब्त की गई। वन संपदा की सुरक्षा को लेकर विभाग द्वारा बरती जा रही सतर्कता के बीच हुई इस कारवाई को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

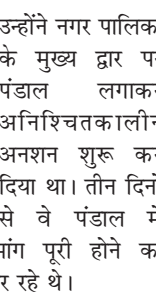
इसके साथ ही सभापति
बलराज पटेल, भोलेशंकर
जायसवाल, रजनी लहरे, गरिम
ध्रुव, चित्तरेखा ध्रुव, एल्डरमै

सक्ती पुलिस की 'बड़ी' कार्रवाई पर बड़े सवाल

छपाकर अग्रसेन चौक क्यों दिखाया? क्या धर्मशाला प्रबंधन को बचाने की कोशिश है या रिकॉर्ड में जगह बदलने की पुरानी आदत? पुलिस कहती है 20 जुआरियों में, 72,22,000 नगद और 19 मोबाइल मिले, जिनकी कीमत पुलिस ने खुद 5 लाख रुपए आंकी है। यानी एक मोबाइल की औसत कीमत 226 हजार। पुलिस आमतौर पर मोबाइल की कीमत 5-10 हजार ही लिखती है, फिर इस बार इतनी मेहरबानी क्यों? और जिन लोगों को पकड़ा गया उनकी संख्या और रौनक देखकर लगता है कि ये तो देन कुछ और ही था। 2 लाख जसी दिखाकर बाकी कहानी नहीं डाला गया?

सबसे बड़ा झोल - फोटो जब भी जुआ पकड़ती है, मालताश, पैसे और सभी आरोपों साथ सामूहिक फोटो जारी व 20 लोगों की 20 फोटो पासपोर्ट साइज फोटो जारी व

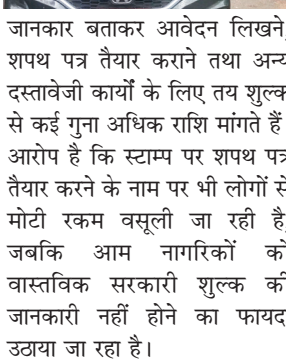
बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)।
नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत
वार्ड क्रमांक ११ में अतिक्रमण
हटाने की मांग को लेकर नगर
पालिका के मुख्य द्वार पर
पिछले तीन दिनों से अनशन
पर बैठे भाजपा समर्थित पार्षद
एन सी भागीरथ राजकुमार खाँडे
ने गुरुवार को अनशन समाप्त
कर दिया। नगर पालिका
अध्यक्ष विजय सिन्हा और
सीएसओ नरेश वर्मा ने उन्हें
जूस पिलाकर अनशन समाप्त
कराया। इस दौरान अध्यक्ष ने
वार्ड में व्याप्त अतिक्रमण की
जांच कर जल्द कार्रवाई करने
को आवासजन दिया।



राजकुमार खांडे ने वार्ड	बैठकर
क्रमांक 1 स्थित शीतला मंदिर	इंतजार
मार्ग सहित अन्य स्थानों से	आवाग
अतिरिक्त हटाने की मांग को	आरोप
लेकर नगर पालिका और	कहना
जिला प्रशासन को करीब ढाई	हिस्सों
माह पहले आवेदन दिया था।	सार्वजन
उनका कहना था कि आवेदन	अतिरिक्त
देने के बावजूद अतिरिक्त	है। इस
मार्ग को लेकर ठोस कार्रवाई	आवाग
नहीं की जा रही है। इसके बाद	

बलरामपुर (आफताब आलम)

बलरामपुर तहसील कार्यालय में व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि तहसील परिसर में दस्तावेज लेखक (डीड राइटर) का निर्धारण शुल्क बोर्ड तब प्रदर्शित नहीं किया गया है, जबकि अनाधिकृत लोग खुलेआम बैठकर आवेदन, शायथ पत्र और अन्य दस्तावेज तैयार करने के नाम पर मनमानी रकम वसूल रहे हैं। दूर-दराज से आने वाले भोले-भाले ग्रामीण इस कथित अव्यवस्था और दलाली का सबसे अधिक शिकार बन रहे हैं।



संयम, तप, त्याग, आर्किचन्य और ब्रह्मचर्य जैसे धर्मगुणों को आत्मसात करने का प्रयास करता है।

10 उपवास की साधना में जुटे श्रद्धालु - दशलक्षण पर्व के दौरान नवपापा में कई श्रद्धालु लगातार 10 उपवास की कठिनाई साधना कर रहे हैं। इनमें कामिनी चैधरी, संगीता सिंघवं, मोनिका गंगवाल, दीपाती जैन, निफिता जैन, आरोही जैन, दीक्षा पंजाबी, संस्कार गंगवाल, आंचल जैन, अभिनव आशीष जैन सहित अनेक शामिल हैं। इसके अलावा मीरा शर्मा और सुजीत जैन द्वारा भी 10 उपवास की जा रही है। सीमा शर्मा और सुजीत जैन द्वारा भी 10 उपवास कर रही हैं। वहीं सौरभ जैन दो एकासन के बजाय छठवें उपवास की साधना में बंधे हैं।

<p>पड़िया, न तथा श्रद्धालु सुजोत उपवास प्रकाश फागाली आज श्रद्धा</p>	<p>पंकज जैन द्वारा सोलहकरण का एकासन तथा पर्वपूषण का उपवास किया जा रहा है समाज के अन्य श्रद्धालु भी एकासन, उपवास और विभिन्न प्रकार की तप साधना के माध्यम से पूर्व को आध्यात्मिक रूप से सार्थक बनाने में जुटे हैं। तप शरीर को नहीं, मन की इच्छाओं को साधने का माध्यम जैन धर्म में तपस्या का उद्देश्य केवल</p>
---	---

शरीर को कष्ट देना नहीं माना गया है। तप का वास्तविक उद्देश्य मन की चंचलता, इच्छाओं और आसक्ति पर नियंत्रण प्राप्त कर आत्मा की शुद्धि की दिशा में आगे बढ़ना है। भोजन का त्याग तप का बाहरी स्वरूप है, जबकि भीतर से क्रोध, मान, माया और लोभ जैसी कषायों को कम करना तप की वास्तविक साधना मानी जाती है।

बसना (अशोक प्रधान) ।
ग्रामीण कृषि साख
सहकारी समिति
चिमरेकेल (गढ़फुलझर)
में किसानों की वार्षिक
आमसभा का आयोजन
किया गया । कार्यक्रम के
मुख्य अतिथि जिला



भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए सहकारित्व के माध्यम से किसानों को अधिक सशक्त बनाने तथा शासन की योजनाओं का लाभ पाने किसानों तक पहुंचाने पर जोर दिया। मुख्य अतिथि निरंजन सिन्हा ने किसानों के संघोर्धित करते हुए सहकारी समितियों के किसानों की आर्थिक मजबूती का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। उन्होंने समिति के गतिविधियों, किसानों की आवश्यकताओं और कृषि क्षेत्र के विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा करते हुए सहकारिता व्यवस्था को और मजबूत बनाने की बात कही।

संपादकीय

श्राद्ध की थाली और वृद्ध आखों की खामोशी



वीरेंद्र हीरालाल पथरिया

भोजन नहीं करा सके, उनकी सेवा नहीं कर सके, उन्हें समय नहीं दे सके, उनके अकेलेपन को नहीं समझ सके, उनके जाने के बाद उनके नाम पर इतने बड़े भोज का क्या अर्थ है?

जिस मां ने बचपन में हमारी थाली में अपनी पसंद का निवाला भी रख दिया, क्या उसे बुढ़ापे में अपनी थाली के लिए संतान का इंतजार करना चाहिए? जिस पिता ने अपनी जरूरतें रोककर बच्चों की जरूरतें पूरी कीं, क्या वृद्धावस्था में उन्हें अपने ही घर में बोझ समझा जाना चाहिए? यह सवाल किसी एक परिवार का नहीं, पूरे समाज का है।

हमारे आसपास कितने वृद्ध ऐसे हैं जो आज भी काम करने को मजबूर हैं। कोई सड़क किनारे सामान बेच रहा है, कोई दुकान के बाहर बैठा है, कोई मजदूरी कर रहा है, कोई हाथ फैलाकर मदद मांग रहा है। कोई वृद्धाश्रम में जीवन की आखिरी शामें काट रहा है। आखिर ये लोग कौन हैं? क्या ये किसी दूसरे ग्रह से आए हैं? इनमें भी किसी की मां होगी, किसी का पिता होगा, किसी का वह बुजुर्ग होगा जिसने कभी अपने बच्चों को गोद में खिलाया होगा।

फिर सवाल उठता है कि हम अपने पितरों से प्रेम करते हैं तो जीवित बुजुर्गों के प्रति हमारी संवेदना इतनी कमजोर क्यों हो गई?

श्राद्ध में बनाए गए पकवान अगर किसी जरूरतमंद बुजुर्ग की थाली तक पहुंच जाएं तो शायद उस भोजन का अर्थ और बड़ा ही जाए। पितरों के नाम पर किया गया दान यदि किसी अकेली मां की दवा खरीद दे, किसी वृद्ध पिता के लिए गर्म कपड़ा बन जाए या किसी बेसहारा बुजुर्ग के चेहरे पर मुस्कान ला दे, तो शायद श्राद्ध का उद्देश्य ज्यादा सार्थक हो। पितृ पक्ष हमें केवल मृत पूर्वजों को याद करने के लिए नहीं, बल्कि यह सोचने के लिए भी आया है कि हमारे आसपास कितने जीवित पितर अपनी संतान के इंतजार में बैठे हैं।

हम अक्सर कहते हैं कि माता-पिता भगवान का रूप हैं। लेकिन भगवान की पूजा के लिए हम मंदिर खोजते हैं और माता-पिता की सेवा के लिए हमारे पास समय नहीं होता। उनके साथ बैठने के लिए दस मिनट नहीं, लेकिन उनके निधन के बाद उनके नाम पर घंटों के भोज और आयोजन के लिए समय मिल जाता है।

यह कैसी श्रद्धा है? अगर माता-पिता के जीवित रहते उनके लिए एक गिलास पानी देने में हमें परेशानी होती है और उनके मरने के बाद उनके नाम पर दर्जनों पकवान बनते हैं, तो हमें अपने कर्मकांड से ज्यादा अपने अंतर्गत का श्राद्ध करने की जरूरत है, उस संवेदनहीनता का श्राद्ध, जिसने हमें अपने ही बुजुर्गों से दूर कर दिया।

पितुों को हमारे दिखावे की आवश्यकता नहीं है। उन्हें हमारी श्रद्धा चाहिए, लेकिन श्रद्धा का सबसे सुंदर रूप कर्म है।

जीते जी मां-बाप की थाली में प्रेम से परोसी गई एक रोटी, उनके लिए बनाए गए हजार पकवानों से बड़ी हो सकती है। उनके अकेलेपन में दिया गया एक घंटा, मृत्यु के बाद किए गए बड़े-बड़े आयोजनों से अधिक मूल्यवान हो सकता है।

इस श्राद्ध पक्ष में जब हम अपने पितुों के लिए भोजन बनाएं तो एक बार अपने घर के उस बुजुर्ग की ओर भी देख लें, जो चुपचाप हमारी ओर देख रहा है। पूछ लें, 'बाबा, खाना खाया?' 'मां, आपको कुछ चाहिए?' शायद यही वह श्राद्ध है जिसकी हमारे समाज को सबसे ज्यादा जरूरत है। क्योंकि पितुों को प्रसन्न करने का सबसे सच्चा रास्ता उनके नाम पर पकवान बनाना नहीं, बल्कि उनके दिए संस्कारों को जीवित रखना है।

और सबसे बड़ा पितृ तर्पण शायद यही है, जिस मां-बाप ने हमें जीते जी खिलाया, उन्हें हम जीते जी भरपेट खिला सकें; जिन्होंने हमें संभाला, बुढ़ापे में हम उन्हें संभाल सकें; और जिनके आशीर्वाद से हमारा घर बना, उस घर में उनके लिए हमारा की जगह हमेशा बनी रहे।

मृत्यु के बाद किया गया श्राद्ध परंपरा हो सकता है, लेकिन जीते जी की गई सेवा ही सच्ची श्रद्धांजलि है।



कविता

औरत

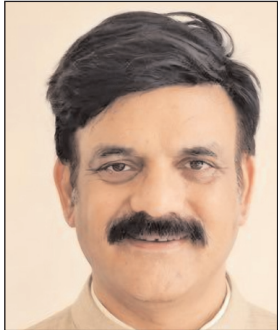


राजकुमार जैन राजन

जब –जब भी समय को मुट्ठी में बांधने की कौशिश की समय उतना ही तेजी से फिसलता रहा रेत की तरह उदासी की शैतान परछाइयां यादों के पद चिन्ह बनकर मन मस्तिष्क पर धमकती है फड़फड़ाती जीवन के पिंजरे में सामाजिक मानदंडों के खोल चढ़ाए अभिशप्त परम्पराओं निःशक्त संवेदनाओं के बंधनों में छटपटा रही मैं एक औरत हूँ

हमारा परिचय यही हमारी गति यही मन का एक दरवाजा खुलता है तो दूसरा बन्द होता है इतिहास निर्लज्ज है कि वह औरत को 'ताड़न की अधिकारी' लिखता है जबकि पा लिया हमने आज

सारा आकाश अपने दुःख के बोझ हमने उतार फेंके शिकवे कितने भी हो हर पल मनुज को जन्म दिया हमने स्त्रीत्व के ऋण से कभी पर न पा सकोगे अन्यथा हमारे होने का अर्थ ही मिट जाएगा और सृष्टि चक्र एक पल में रुक जाएगा !?



पंकज शुक्ल

मुंबई की सड़क पर चपल पहने एक बुजुर्ग अपनी धुन में चले जा रहे थे। सामने से एक बड़ी गाड़ी निकली, कुछ आगे जाकर रुकी और फिर पीछे आई। शीशा नीचे हुआ तो भीतर निर्माता साजिद नाडियाडवाला बैठे थे। उन्होंने आवाज लगाई, 'कहां जा रहे हो दहू?' बुजुर्ग ने अपने उसी सहज अंदाज में कहा, 'बस, ऐसे ही जा रहा था।' साजिद ने कार का दरवाजा खुलवाया, उन्हें गाड़ी में बैठाया और अपने दफ्तर ले गए। वहां आराम से बैठकर पूछा कि आजकल क्या चल रहा है, क्या काम कर रहे हैं, कोई परेशानी तो नहीं है। हिंदी फिल्म उद्योग में दशकों गुज़ार चुके उस बुजुर्ग को यह छोटी-सी घटना इसलिए याद रह गई क्योंकि उनके अपने अनुभव में किसी पुराने आदमी को जीते-जी रोककर उसका हाल पूछ लेना अब असाधारण बात होती जा रही थी।

ये थे साउंड रिकॉर्डिस्ट दिनेश चतुर्वेदी। इंडस्ट्री में लोग उन्हें 'दहू' कहते थे। वरिष्ठ पत्रकार मिथिलेश बताते हैं कि उन्होंने फ़िल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट में प्रशिक्षण लिया था और तकनीकी दक्षता के साथ ही उनमें लिखने की भी क्षमता थी। वह दीनानाथ शास्त्री द्वारा प्रकाशित एक फ़िल्म पत्रिका में लोकप्रिय कॉलम लिखा करते थे। 'दहू' के नहीं रहने की खबर आई तो मुझे वीडियो जर्नलिस्ट पवन कुमार का किया उनका वह अंतिम इंटरव्यू याद आया, जिसमें साजिद नाडियाडवाला का यह क्रिस्मा सुनाते-सुनाते वह अचानक हिंदी सिनेमा की उस बीमारी पर पहुंच जाते हैं जिसकी टीस उनके भीतर बहुत गहरी थी। दहू का

फ़िल्मोग्राफ़ी में नहीं मिलेगी। पूजा भट्ट

अशोक वाजपेयी : कविता, सत्ता और सांस्कृतिक वर्चस्व के कटघरे में



गोलेन्द पटेल

अशोक वाजपेयी का प्रश्न केवल एक कवि के प्रश्न के रूप में नहीं देखा जा सकता। वे कवि होने के साथ-साथ प्रशासन, कला-संस्कृति, संस्थाओं और साहित्यिक आयोजनों की दुनिया से गहरे जुड़े रहे हैं। इसलिए उनके सार्वजनिक वक्तव्य, सांस्कृतिक मंचों पर उनकी उपस्थिति और साहित्यिक प्रतिष्ठान में उनकी भूमिका स्वाभाविक रूप से आलोचना के विषय बनती है। यहीं मुद्दा यह नहीं कि अशोक वाजपेयी अच्छे कवि हैं या बुरे; मुद्दा यह है कि क्या साहित्यिक प्रतिष्ठा किसी लेखक को सामाजिक आलोचना से ऊपर उठा देती है? निश्चित ही नहीं। किसी कवि की काव्य-प्रतिभा का सम्मान करते हुए भी उसके सामाजिक दृष्टिकोण, सार्वजनिक वक्तव्यों और संस्थागत भूमिका पर

सवाल उठाए जा सकते हैं। बल्कि जो व्यक्ति स्तर्य सार्वजनिक बुद्धिजीवी की भूमिका में उपस्थित हो, उससे जवाबदेही की अपेक्षा और अधिक होती है। इसी संदर्भ में फेसबुक पर कृष्ण कल्पित की टिप्पणी बेहद तीखी है। वे अशोक वाजपेयी और अन्य साहित्यकारों के 'अवसरवादी' कहते हुए लिखते हैं, 'ये सब लिबरल कहलाते हैं लेकिन हैं अवसरवादी। अचूक अवसरवादी!' उनका आरोप है कि एक ऐसे आयोजन में साहित्यकार उपस्थित थे जहाँ, उनके अनुसार, सावरकर और गोडसे का महिमामंडन किया जा रहा था और उपस्थित साहित्यकारों ने उसका प्रतिवाद नहीं किया। कवि कृष्ण कल्पित की भाषा भले ही आक्रामक हो, लेकिन उसके भीतर एक गंभीर नैतिक प्रश्न छिपा है; साहित्यकार की वैचारिक प्रतिबद्धता की परीक्षा उसके लेखन से बाहर उसके सार्वजनिक आचरण में भी होती है या नहीं? यदि कोई लेखक लोकतांत्रिक, उदार और मानवीय मूल्यों का प्रतिनिधि होने का दावा करता है, तो यह पूछना असंगत नहीं कि वह किन मंचों पर जाता है, किन सांस्कृतिक शक्तियों के साथ खड़ा होता है और किन परिस्थितियों में मौन रहता है। हाँ,

कृष्ण कल्पित द्वारा लगाए गए भ्रष्टाचार अथवा अन्य गंभीर व्यक्तिगत आरोपों को प्रमाण (साहित्यिक सीबीआई जाँच) के अभाव में तथ्य मान लेना उचित नहीं होगा।

कवि कँवल भारती का आरोप है, 'अशोक वाजपेयी की नज़र में ब्राह्मण होना ही आजकल साहित्यकार होने की सबसे बड़ी योग्यता है।' यह व्यक्तिगत आरोप है और इसे प्रमाणीत तथ्य के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता। लेकिन इस कथन के पीछे छिपे संरचनात्मक प्रश्न को टाला भी नहीं जा सकता; क्या हिंदी साहित्य का प्रतिष्ठान वास्तव में जाति-निरपेक्ष है? यदि इन संस्थाओं में सामाजिक प्रतिनिधित्व असंतुलित हो, तो 'प्रतिभा' की चर्चा को सामाजिक संरचना से काटकर देखना अधूरा होगा।

प्रश्न तब पैदा होता है जब जन्म से प्राप्त सामाजिक-सांस्कृतिक पूँजी को प्राकृतिक श्रेष्ठता समझा जाए या किसी सामाजिक पदानुक्रम को साहित्यिक योग्यता का अदृश्य प्रमाण बना दिया जाए। यहीं आचोलक डॉ. कमलेश वर्मा की टिप्पणी महत्वपूर्ण हो जाती है। वे अशोक वाजपेयी की विद्वता को स्वीकार करते हुए लिखते हैं,

‘अशोक वाजपेयी विद्वान् हैं। उनके कला कौशल होने पर कभी किसी को संदेह नहीं रहा है।' लेकिन उसी के साथ वे कथित ‘भड़भूजा’ के संबंधी वक्तव्य को उनकी साख़ को कमजोर करने वाला बताते हैं। वे आगे कहते हैं ‘कवि यदि अपनी जाति के अभिमान और दूसरे की जाति के अपमान को हास्य का आधार बनाया जाए, तो ज्ञान ‘आत्मघाती’ हो जाता है। यहाँ आलोचना का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत सामने आता है; विद्वता नैतिक प्रतिरक्षा-कवच नहीं है। युवा आलोचक डॉ. मोतीलाल की टिप्पणी नैतिक प्रश्न को और तीखा करती है। वे लिखते हैं, ‘निम्न कौटिक के विचार महान आत्माओं के हृदय में पैदा नहीं होते हैं।

वे क्षुद्र हृदय में ही पैदा होते हैं। कवि कितना भी बड़ा हो, उसके शब्दों की सामाजिक परिणति पर प्रश्न उठेंगे। रचनाकार कितना भी प्रतिष्ठित हो, उसके सार्वजनिक वक्तव्यों की आलोचना होगी। साहित्यिक उपलब्धियाँ किसी मनुष्य को आलोचनातीत नहीं बनातीं और यहीं युवा कवि मोहन मुक्त की टिप्पणी इस पूरे विवाद को कविता से उठाकर श्रम, वर्ग और अर्थव्यवस्था के प्रश्न तक पहुँचा देती है।

फ़िल्मी दुनिया के साउंड रिकॉर्डिस्ट दिनेश चतुर्वेदी बहुत याद आओगे 'दहू'

पैदा हुई तो उन्होंने उन्हें अपनी गोद में खिलाया था। फिर पूजा बड़ी हुई, आलिया की पीढ़ी आई और भट्ट परिवार से उनका अपनापन बना रहा। बरसों बाद कभी कुछ दिनों तक दहू दिखाई न दें तो सुबह महेश भट्ट का फ़ोन आ जाता, 'भैया, मर गए क्या? कहां हो तुम?' दिनेश इस सवाल को शिकायत नहीं, प्यार की मिसाल की तरह सुनाते हैं। उनके लिए किसी पुराने साथी को यह याद रहना कि आप जीवित हैं, स्वस्थ हैं या नहीं, क्या कर रहे हैं, यही रिश्ते की असली परीक्षा थी।

शायद वही कारण था

कि कादर ख़ान की चर्चा के दौरान वह सबसे अधिक आहत इस बात से दिखाई देते हैं कि बीमारी के दिनों में लोग उनसे मिलना कम करते गए थे। दिनेश कहते



बहुत याद आओगे 'दहू'!

(साउंड रिकॉर्डिस्ट दिनेश चतुर्वेदी की स्मृति में)

हैं कि कादर उनसे कहा करते थे, 'क्या करें दहू, अब लोग भूल गए।' उनके मुताबिक कादर ख़ान की महानता केवल यह नहीं थी कि वह बड़े अभिनेता और संवाद लेखक थे। वह ऐसे लोगों को पकड़कर काम सौंप देते जिन्हें रोजगार की जरूरत हो। दहू इसी क्रम में दिनेश अनवर नाम के एक सहयोगी का उदाहरण देते हैं। उनका कहना था कि कादर ख़ान चाँहें तो सारा काम खुद कर सकते थे, लेकिन वह काम बाँटते थे ताकि किसी और का घर भी चले।

मोहम्मद अजीज को भी वह 'मुन्ना' कहकर याद करते हैं। यादों पर जोर खलते हुए वह उनसे जुड़ा एक क्रिस्मा भी इस इंटरव्यू में बताते हैं। एक भोजपुरी

फ़िल्म के दौरान उन्होंने उषा खन्ना से कहा था कि एक लड़का बहुत अच्छा गाता है और उसे मौका मिलना चाहिए। फिर महबूब स्टूडियो में मोहम्मद अजीज ने उनके साथ एक गाना रिकॉर्ड किया। वह कहते हैं कि अजीज बड़े गायक बन जाने के बाद भी इतने सहज थे कि कोई साधारण व्यक्ति कह दे कि बच्चे का जन्मदिन है और बच्चा आपको सुनना चाहता है, तो वह सोचते नहीं थे कि में बड़ा सितारा हूँ, वहां पहुंच जाते थे।

चतुर्वेदी उस दौर के तकनीशियन थे जब साउंड रिकॉर्डिंग के लिए भारी मशीनें, नागरा रिकॉर्डर, अलग माइक्रोफ़ोन व्यवस्था, स्टूडियो अनुशासन और हर टेक से पहले घंटों की तैयारी तकनीकी काम का हिस्सा होती थी।

वह साफ़ कहते हैं कि उन्हें विज्ञान या नई तकनीक से शिकायत नहीं है। उनकी शिकायत यह थी कि जब उपकरण छोटे और आसान होते गए तो तकनीशियन की सामाजिक प्रतिष्ठा भी क्यों छोटी होती गई? पुराने दिनों को याद करते हुए वह कहते हैं कि के. के. महाजन जैसे वरिष्ठ तकनीशियन सामने हों तो युवा लोग सम्मान से खड़े रहते थे। लेकिन, बाद में मशीन आसान हुई तो तकनीकी अनुभव की कीमत भी कम हो गई। उनके शब्दों में भाव था, 'चीजें एवड़ास हो गईं, लेकिन आदमी का दिल भी तो एवड़ास होना चाहिए।

और यहीं साउंड रिकॉर्डिस्ट दिनेश चतुर्वेदी से कहानी ट्रेड यूनियन नेता दिनेश चतुर्वेदी की तरफ़ मुड़ती है। वह बताते हैं कि नी साल तक फ़ेडरेशन ऑफ़ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज़ के महासचिव रहे। साल 2008 में फ़िल्म और टेलीविजन उद्योग के एक लाख से अधिक कर्मियों ने बकाया भुगतान, निर्धारित मजदूरी न मिलने और गैर-सदस्यों को कम पैसे पर काम देने के विरोध में ऐतिहासिक असहयोग आंदोलन किया तो दिनेश चतुर्वेदी फ़ेडरेशन के महासचिव के रूप में उसके प्रमुख चेहरों में थे। उस लड़ाई में केवल वेतन नहीं था। अगस्त 2008 में स्वतंत्रता दिवस की अनिवार्य छुट्टी पर भी फ़ेडरेशन ने स्टूडियो में जाकर शूटिंग रुकवाई। 2009 में सालाना वेतन वृद्धि लागू करने के लिए निर्माताओं को फिर याद दिलाया गया। 2011 में शूटिंग के दौरान मजदूरों पर हमले हुए तो दिनेश चतुर्वेदी उस प्रतिनिधिमंडल में थे जो महाराष्ट्र सरकार और पुलिस अधिकारियों से सुरक्षा की मांग करने पहुंचा। सेट पर दुर्घटना में मजदूर की मृत्यु पर मिलने वाले मुआवजे को एक लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख करने की मांग भी उन्होंने सार्वजनिक रूप से उठाई।

चतुर्वेदी जी को याद करते हुए मुझे उनकी कही एक बात सबसे अधिक मार्मिक लगती है। वह कहते हैं कि फ़िल्म उद्योग की आख़िरी सीढ़ी तक कोई तभी पहुंचता है जब उससे पहले पहली और दूसरी सीढ़ी मौजूद हों। 'पहली सीढ़ी, दूसरी सीढ़ी नहीं होगी तो आख़िरी सीढ़ी कहां से आएगी?' स्टार वह आख़िरी चमकदार पायदान हो सकता है जिसे दुनिया देखती है, लेकिन उससे पहले स्पॉट बाँय है, लाइटमैन है, सेटिंग वाला मजदूर है, रिकॉर्डिस्ट है, सहायक है, मेकअप आर्टिस्ट है, ड्राइवर है। पूरी इमारत उन लोगों के कंधों पर खड़ी होती है जिनके नाम पर कैमरा या किसी पत्रकार की कोलम शायद ही कभी टिकती है। इसी सच के कारण उन्होंने 'बसेया' नाम से एक पहल शुरू करने की बात भी बताई। उनका कहना था कि करीब 2007 में यह कोशिश शुरू हुई और जरूरतमंद फ़िल्म कर्मियों के बीच भोजन के लाभभग दो सौ पैकेट तक बांटे जाते थे। वह एक ऐसे पुराने गायक का उदाहरण देते हैं जिसका मशहूर गीत कभी पूरे देश में बजते थे, लेकिन जीवन के अंतिम हिस्से में घर चलाना कठिन हो गया। दिनेश को इससे गहरा दुख था कि जिस व्यक्ति की आवाज़ पर लाखों लोगों ने तालियां बजाई, उसके घर में राशन है या नहीं, यह पूछने वाला कोई नहीं बचा।

दिलचस्प यह है कि इस कटु अनुभव के बावजूद दिनेश चतुर्वेदी पूरी इंडस्ट्री को कटघरे में खड़ा नहीं करते। वह उन लोगों को नाम लेकर याद करते हैं जो पुराने लोगों की ख़बर लेते थे। धीरज कुमार का फ़ोन, महेश भट्ट की चुहल, साजिद नाडियाडवाला की सड़क पर रोकी

लागू कराने के लिए निर्माताओं को फिर याद दिलाया गया। 2011 में शूटिंग के दौरान मजदूरों पर हमले हुए तो दिनेश चतुर्वेदी उस प्रतिनिधिमंडल में थे जो महाराष्ट्र सरकार और पुलिस अधिकारियों से सुरक्षा की मांग करने पहुंचा। सेट पर दुर्घटना में मजदूर की मृत्यु पर मिलने वाले मुआवजे को एक लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख करने की मांग भी उन्होंने सार्वजनिक रूप से उठाई।

चतुर्वेदी जी को याद करते हुए मुझे उनकी कही एक बात सबसे अधिक मार्मिक लगती है। वह कहते हैं कि फ़िल्म उद्योग की आख़िरी सीढ़ी तक कोई तभी पहुंचता है जब उससे पहले पहली और दूसरी सीढ़ी मौजूद हों। 'पहली सीढ़ी,

दूसरी सीढ़ी नहीं होगी तो आख़िरी सीढ़ी कहां से आएगी?' स्टार वह आख़िरी चमकदार पायदान हो सकता है जिसे दुनिया देखती है, लेकिन उससे पहले स्पॉट बाँय है, लाइटमैन है, सेटिंग वाला मजदूर है, रिकॉर्डिस्ट है, सहायक है, मेकअप आर्टिस्ट है, ड्राइवर है। पूरी इमारत उन लोगों के कंधों पर खड़ी होती है जिनके नाम पर कैमरा या किसी पत्रकार की कोलम शायद ही कभी टिकती है। इसी सच के कारण उन्होंने 'बसेया' नाम से एक पहल शुरू करने की बात भी बताई। उनका कहना था कि करीब 2007 में यह कोशिश शुरू हुई और जरूरतमंद फ़िल्म कर्मियों के बीच भोजन के लाभभग दो सौ पैकेट तक बांटे जाते थे। वह एक ऐसे पुराने गायक का उदाहरण देते हैं जिसका मशहूर गीत कभी पूरे देश में बजते थे, लेकिन जीवन के अंतिम हिस्से में घर चलाना कठिन हो गया। दिनेश को इससे गहरा दुख था कि जिस व्यक्ति की आवाज़ पर लाखों लोगों ने तालियां बजाई, उसके घर में राशन है या नहीं, यह पूछने वाला कोई नहीं बचा।

दिलचस्प यह है कि इस कटु अनुभव के बावजूद दिनेश चतुर्वेदी पूरी इंडस्ट्री को कटघरे में खड़ा नहीं करते। वह उन लोगों को नाम लेकर याद करते हैं जो पुराने लोगों की ख़बर लेते थे। धीरज कुमार का फ़ोन, महेश भट्ट की चुहल, साजिद नाडियाडवाला की सड़क पर रोकी

लागू कराने के लिए निर्माताओं को फिर याद दिलाया गया। 2011 में शूटिंग के दौरान मजदूरों पर हमले हुए तो दिनेश चतुर्वेदी उस प्रतिनिधिमंडल में थे जो महाराष्ट्र सरकार और पुलिस अधिकारियों से सुरक्षा की मांग करने पहुंचा। सेट पर दुर्घटना में मजदूर की मृत्यु पर मिलने वाले मुआवजे को एक लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख करने की मांग भी उन्होंने सार्वजनिक रूप से उठाई।

चतुर्वेदी जी को याद करते हुए मुझे उनकी कही एक बात सबसे अधिक मार्मिक लगती है। वह कहते हैं कि फ़िल्म उद्योग की आख़िरी सीढ़ी तक कोई तभी पहुंचता है जब उससे पहले पहली और दूसरी सीढ़ी मौजूद हों। 'पहली सीढ़ी,

बोध कथा

सच्ची मेहनत का फल



एक गाँव में रामू नाम का एक किसान रहता था। वह बहुत मेहनती था, लेकिन उसका पड़ोसी मोहन हमेशा शॉर्टकट अपनाने की सोचता था। एक दिन दोनों ने अपने खेतों में बीज बोए। रामू रोज़ समय पर पानी देता, खेत की देखभाल करता और धैर्य रखता। दूसरी ओर, मोहन बिना मेहनत किए अच्छे परिणाम की उम्मीद करता रहा।

कुछ महीनों बाद रामू के खेत में हरी-भरी फसल लहलहाने लगी, जबकि मोहन के खेत में बहुत कम

उपज हुई। यह देखकर मोहन को अपनी गलती का एहसास हुआ। उसने रामू से पूछा, ‘तुम्हारी सफलता का रहस्य क्या है?’ रामू मुस्कुराकर बोला, ‘मेहनत, धैर्य और ईमानदारी ही सफलता की असली कुंजी हैं। उस दिन के बाद मोहन ने भी मेहनत करना शुरू कर दिया और धीरे-धीरे वह भी सफल किसान बन गया।

शिक्षा: जीवन में सफलता पाने के लिए मेहनत, धैर्य और लगन आवश्यक हैं।

व्यंग्य केसरी

मित्र का मित्र, दोस्त दुश्मन!



विप्रम

मित्र का मित्र जरूरी नहीं कि वह भी मित्र जैसा मित्र हो घ तब उसे पहली नज़र में कैसे मान लें- मित्र घ पहले से बना मित्र तो अकेला ही कई मित्रों के बराबर हुआ करता है घ तब मित्र के मित्र को मित्र बन लेने से क्या लाता है घ हानि भी हो सकती है घ भले ही लाभ-हानि देख कर मित्र नहीं

बनते घ फिर देखा-देखी में बना मित्र तो आगे चल कर कुछ बने न बने पर वह दोस्त दुश्मन मतलब पैट दुश्मन जरूर बन कर रह जाता है घ जिसे ज्ञानी दोस्त का नाम दे दिया जाए तो गलत नहीं घ यह वह मित्र हो सकता है जो पहले से बने हुए मित्र को दिल से उतरवा भी सकता है घ कहा जाता है कि मित्र बनाए नहीं जाते बल्कि बन जाते हैं घ बने हुए मित्र ही निभाते हैं मैत्री घ निभाने में रतीभर भी स्वार्थ नहीं देखते घ

देखा जाए तो मित्र के मित्र की कहीं कोई अपनी जमीन नहीं होती घ न कहीं कोई छत होती है न कोई धरातल घ कहेें तो टोटली बेसलैश घ निराधार होता है घ वैसे भी किसी की मारफ़्त बना या बन गया मित्र आगे भी सहारे की दरकारों में रहेगा घ इस लिए कभी –कभी ख़्याल आता है, साले का साला जब पटसाला हो सकता है तो मित्र का मित्र पटमित्र क्यों नहीं? घ तब एक कहावत खुलके सामने आ जाती है कि पटसाले के बचाव में तो उसकी बहन खड़ी दिख जाती है घ पर इस पटमित्र की वकालत को कौन आएगा ? मित्र के मित्र को पुचकारने वाले तो बहुत मिल जाएंगे घ पर उसे मित्र बनाकर अपने गले लगाने वाले बहुत कम घ इन बहुत कम लोगों में देखना होगा कि इनकी नज़रें किस तरफ़ हैं घ सब्ज बागों पर या एक दूसरे की जेबों पर घ मित्र का मित्र किस प्रश्न उठेंगे। रचनाकार कितना भी प्रतिष्ठित हो, उसके सार्वजनिक वक्तव्यों की आलोचना होगी। साहित्यिक उपलब्धियाँ किसी मनुष्य को आलोचनातीत नहीं बनातीं और यहीं युवा कवि मोहन मुक्त की टिप्पणी इस पूरे विवाद को कविता से उठाकर श्रम, वर्ग और अर्थव्यवस्था के प्रश्न तक पहुँचा देती है।

चेष्टा में जरूरत से ज्यादा पेश आने की कोशिश करता है घ बने हुए मित्र से और आगे दिखने लगता है घ तब बिल्कुल सही लगता है कि मैत्री में सैंध लग गई है.

राजनीति में एक कहावत चला करती है कि दुश्मन के दुश्मन को मित्र बना लीजिए घ दुश्मन नंबर एक वैसे ही मात खा जाएगा घ ठीक इसी तर्ज अगर कोई मित्र तीन-पांच करता दिखता हो तो उसके मित्र को आधी- अधूरी बातें बता कर देखें घ वह खुद से कुछ और जोड़ कर बात का बर्तगड़ अवश्य बना दिया करता है या आपको कुछ सुझा रहा है तो समझ सकते हैं वह आपका मित्र नहीं है, बल्कि ज्ञानी मित्र है घ गर्त की ओर ले जाना चाहता है घ मित्रों में देखा जाए तो एक-आध बार दोस्त दुश्मन तो चल जाया करते हैं पर जानी दुश्मन कदापि नहीं ।

इतिहास

26 सितंबर : इतिहास में आज

1907 – न्यूजीलैंड ने ब्रिटिश साम्राज्य के भीतर डोमिनियन का दर्जा प्राप्त किया। 1९50 – संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने इंडोनेशिया के पक्ष में एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया।

1960 – अमेरिका में पहली बार राष्ट्रपति पद की बहस टेलीविजन पर प्रसारित हुई, जिसमें जॉन एफ. केनेडी और रिचर्ड निक्सन आमने-सामने थे।

1९73 – भारत में प्रसिद्ध अभिनेता और फिल्म निर्देशक देव आनंद को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

1९83 – सोवियत संघ के अधिकारी स्टानिस्लाव पेत्रोव ने परमाणु हमले की गलत चेतावनी को वास्तविक हमला मानने से रोककर संभावित संकट टाला।

1990 – भारत के प्रसिद्ध क्रिकेटर ई. ए. एस. प्रसन्ना को क्रिकेट में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

19 साल बादबांग्लादेशी नागरिक पकड़ा गया

सीपत एनटीपीसी में करता था लिफ्ट मेंटेनेंस का काम

विश्व केसरी■
बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। अवैध रूप से भारत में निवासरत संदिग्ध व्यक्तियों की पतासाजी के दौरान बिलासपुर पुलिस की विशेष टास्क फोर्स ने एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी पिछले करीब 19 वर्षों से बिलासपुर में रह रहा था और सीपत स्थित एनटीपीसी में लिफ्ट मेंटेनेंस का काम करता था। उसके पास भारतीय पासपोर्ट, आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस सहित कई दस्तावेज बरामद हुए हैं। पुलिस का दावा है कि पूछताछ में आरोपी ने इन दस्तावेजों को गलत तरीके से बनवाने की बात स्वीकार की है। पुलिस के मुताबिक करीब 20 दिन पहले सिरगिट्टी थाना क्षेत्र से संदिग्ध व्यक्तियों को पूछताछ के बाद रायपुर स्थित होलिंग्स सेंटर भेजा गया था। इसी दौरान एक व्यक्ति वहां से निकल गया था। उसकी तलाश लगातार की जा रही थी। एसटीएफ निरीक्षक संजय शिंदे को सूचना मिली कि उक्त व्यक्ति सरकंडा क्षेत्र में छिपकर रह रहा है। सूचना के आधार पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एसटीएफ टीम ने उसके संभावित ठिकानों पर निगरानी शुरू की। 24 सितंबर 2026 को तड़के करीब 5 बजे सुर्वा विहार कॉलोनी स्थित किराये के मकान में दबिश देकर संदिग्ध को हिरासत में



लिया गया। इससे पहले उसके बंगालीपारा गली नंबर-3, सरकंडा में रहने की जानकारी भी पुलिस को मिली थी।
पूछताछ में सामने आई बांग्लादेश की पहचान
 पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अतीक हुसैन (42), पिता स्वर्गीय मोहम्मद हुसैन बताया। उसने अपना मूल पता ग्राम नाईखोने, थाना अरैहजार, जिला नारायणगंज, ढाका, बांग्लादेश बताया है। पुलिस के मुताबिक अतीक ने बताया कि वह वर्ष 2005 में बांग्लादेश से भारत आया था। वर्ष 2005 से 2007 तक तमिलनाडु में रहने के बाद वह वर्ष 2007 में बिलासपुर पहुंचा। इसके बाद वह एनटीपीसी सीपत में BECO LIFTS PRIVATE LIMITED के माध्यम से लिफ्ट मेंटेनेंस का काम कर रहा था।

पासपोर्ट, आधार और वोटर आईडी समेत कई दस्तावेज बरामद – पुलिस टीम ने आरोपी के किराये के मकान की तलाशी लेकर उसके दस्तावेजों की जांच की। इस दौरान भारतीय पासपोर्ट, आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र और कक्षा की अंकसूची समेत कई दस्तावेज बरामद किए गए। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने इन दस्तावेजों को गलत तरीके से बनवाए जाने की बात स्वीकार की है। इनका कागजात में उसने अपना नाम भी छद्म रूप से बदलकर रखा हुआ था, हालांकि दस्तावेजों की वैधानिकता, उनके निर्माण की प्रक्रिया और इसमें किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका की जांच की जा रही है।

अब डिपोंटेशन की प्रक्रिया शुरू – बिलासपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बांग्लादेश डिपोंटेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रक्रिया पूरी होने तक उसे रायपुर स्थित होलिंग्स सेंटर भेजा जा रहा है। पुलिस के अनुसार भारत में स्थित संबंधित बांग्लादेशी दूतावास को भी मामले की सूचना दी जाएगी। यह कार्रवाई एसएसपी रजनेश सिंह के मार्गदर्शन तथा स्क्वड की नोडल अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रश्मीत कौर चावला के नेतृत्व में की गई। टीम में निरीक्षक संजय शिंदे, जिला विशेष शाखा के उप निरीक्षक नरेंद्र सिंह, आरक्षक कमल साहू और आरक्षक अभिषेक यादव शामिल रहे।
संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने पुलिस की अपील– बिलासपुर पुलिस ने अवैध रूप से निवासरत व्यक्तियों और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी पुलिस तक पहुंचाने के लिए टोल-फ्री नंबर 1800-233-1905 जारी किया है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी व्यक्ति की पहचान, निवास अथवा दस्तावेजों को लेकर संदेह होने या किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें। पुलिस के अनुसार अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने और बिना वैध दस्तावेजों के निवास करनेवाले व्यक्तियों की पतासाजी का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

नपा की अपील, तालाब में न करें प्रतिमा विसर्जन

विश्व केसरी■
चांपा (नीरज शर्मा)। गणेश विसर्जन को देखते हुए नगर पालिका द्वारा सभी गणेश समितियों से तालाबों में प्रतिमा विसर्जन न करने की अपील की लोग माखौल उड़ा रहे हैं। जलकुंभी से अटे नगर के सबसे बड़े रामबांधा तालाब में पानी तक दिखाई नहीं दे रहा है मुंह धोने की जगह नहीं है ऐसे में गणेश की कल्पना करना हकीकत से परे हैं।
 पालिका अध्यक्ष ने कहा हैं कि तालाबों के पानी का उपयोग आम जनता द्वारा निस्तारी के लिए किया जाता है, केमिकल युक्त मूर्तियों से पानी प्रदूषित होगा। लेकिन इस अपील के साथ ही शहर में नपा प्रशासन की



कार्यप्रणाली पर प्रश्न खड़े हो रहा है कि एक तरफ प्रशासन तालाब प्रदूषण से बचाने की चिंता दिखा रहा है, वहीं दूसरी तरफ चांपा के सबसे प्रमुख और ऐतिहासिक रामबांधा तालाब की दुर्दशा पर आंखें मूंदे बैठा है।
जलकुंभी ने छीना निस्तारी का अधिकार– रामबांधा तालाब की वर्तमान स्थिति अत्यंत दयनीय है। पूरा तालाब जलकुंभी की मोटी

चादर से ढका हुआ है। हालात इतने खराब हैं कि स्थानीय लोगों को नहाना तो दूर, सुबह मुँह धोने के लिए भी पानी नहीं मिल पा रहा है। वर्षों से इस तालाब पर निर्भर रहने वाले लोग आज पानी के लिए तरस रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि जब तालाब पहले से ही जलकुंभी के कारण अनुपयोगी हो चुका है, तब ऐसी अपील जख्मों पर नमक छिड़कने जैसी है।

नगर बंद का दिखा व्यापक असर मेडिकल सेवाओं को छोड़ दुकानें रहीं बंद

विश्व केसरी■
शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। नगर की ज्वलंत समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर व्यापारी संघ द्वारा 25 सितंबर को किए गए नगर बंद का व्यापक असर देखने को मिला। मेडिकल सेवाओं को छोड़कर नगर की सभी दुकानें दिनभर बंद रहीं। बाजार बंद रहने से सामान्य दिनों की तुलना में व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित रहीं और मुख्य बाजार में सन्नाटा पसरा रहा।
 व्यापारी संघ ने नगर की बदहाल सड़कों, जगह-जगह गड्ढों, नालियों की नियमित सफाई नहीं होने, धूल की समस्या तथा पेयजल व्यवस्था सहित विभिन्न समस्याओं को लेकर नगर पंचायत एवं प्रशासन के समक्ष आवेदन सौंपा था।

नगर के पुराने व्यापारी साव स्टोर, जो वर्तमान में जीत चश्मा घर के नाम से संचालित है, के संचालक ने नगर बंद का लाभ उठाते हुए अपनी दुकान की साफ-सफाई शुरू कर दी। इसी दौरान कुछ ग्राहक चश्मा और टोपी खरीदने के लिए दुकान पर पहुंच गए। ग्राहकों की मांग पर दुकान संचालक ने स्पष्ट किया कि ‘आज नगर बंद है। मैंने दुकान केवल साफ-सफाई के लिए खोली है। अगर आपको सामान खरीदना है तो कल आकर खरीद लीजिए’ इसके बाद ग्राहक वापस लौट गए। नगर बंद के दौरान यह प्रसंग स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा।

सीएमओ यशवंत देवांगन निलंबित

विश्व केसरी■
भटगांव। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के नगर पंचायत बिलाईगढ़ में ‘मिशन क्लीन सिटी’ और ‘जय मां समलाई स्व-सहायता समूह’ की स्वच्छता दीर्घियों के लंबे संघर्ष की आखिरकार जीत हुई है। महिलाओं के कड़े विरोध और 29 सितंबर को एसडीएम कार्यालय के ‘महाधिवेष’ की चेतावनी के बाद, शासन ने दायीं प्रभारी सीएमओ यशवंत कुमार देवांगन को 25 सितंबर 2026 को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।
 इस पूरे विवाद की शुरुआत सीएमओ पर लगे गंभीर आरोपों से हुई थी। 10 सितंबर 2026 को सौंपी गई एसडीएम की जांच रिपोर्ट में यह सिद्ध हो गया था कि सीएमओ देवांगन ने स्वच्छता दीर्घियों के साथ अश्लील हरकतें कीं, द्विअर्थी बातें कीं और उनका यौन उत्पीड़न किया। इसके



अलावा, ‘व्मेन फार ट्री’ योजना और अन्य कार्यों का भुगतान भी जानबूझकर रोका गया। जब महिलाओं ने शिकायत की, तो बदले की भावना से सीएमओ ने शासकीय दस्तावेजों में गंभीर कूटरचना (फर्जीवाड़ा) की। 14 अगस्त को परिचय की बैठक में ‘पचरी निर्माण’ के लिए सर्वसम्मति से पास हुए एंजंडा क्रमांक 21 को 7 सितंबर को बंद करमे में बदलकर महिलाओं को नौकरी से निकालने का फर्जी प्रस्ताव बना दिया गया।

अवैध शराब कारोबारी पर कार्रवाई

विश्व केसरी■
सक्ती (ईश्वर लोधी)।कलेक्टर के निर्देश पर और जिला आबकारी अधिकारी के मार्गदर्शन में कार्यालय कलेक्टर और जिला कार्यालय में प्राप्त शिकायत पर को आबकारी वृत्त मालखरोदा के ग्राम अण्डा थाना मालखरोदा में एक छद्म क्रेता के माध्यम से मदिरा खरीदी की पुष्टि होने पर परमानंद लहरे के ठेले के पास मय स्टाफ पहुंचे ,ठेले में उसका पुत्र लव कुमार लहरे उम्र 20वर्ष उपस्थित मिला छद्म क्रेता द्वारा लव कुमार लहरे द्वारा ही मदिरा बिक्री करना बताया तत्पश्चात उसके ठेले की विधिवत जांच में एक सफेद रंग की झोले में 10 नग देशी प्लेन मदिरा,04 नग देशी मसाला मदिरा व एक नग पाउच महुआ मदिरा कुल मात्रा – 2.62 लीटर जस कर धारा 34(1)ख के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया । उपरोक्त कार्रवाई मंडल प्रभारी आशीष उपपल सर के नेतृत्व में वृत्त मालखरोदा प्रभारी कोमल प्रसाद सिसार, आर मुरलीधर नायक, श्रवण द्विवेदी ,आबकारी स्टाफ कमलेश , भारती यादव एवं नगर सैनिक का सराहनीय योगदान रहा ।

रासेयो स्थापना दिवस पर स्वयंसेवकों ने दिया राष्ट्र निर्माण का संदेश

विश्व केसरी■
अकलतरा (नीरज शर्मा)। श्री ऋषभ विद्योदय महाविद्यालय एवं श्री ऋषभ औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बनाहलिक के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का स्थापना दिवस उत्साह एवं सेवा भावना के साथ मनाया गया।
 कार्यक्रम अधिकारियों अरविंद कुमार मिरी एवं दुर्गा टंडन के नेतृत्व में गोष्ठ्याम पकरियाझूल में एक दिवसीय शिविर आयोजित कर स्वच्छता अभियान चलाया गया।एनएसएस स्वयंसेवकों ने गांव की गलियों, चौक-चौराहों, चबूतरों, सामुदायिक भवन तथा हैंडपंप-बोर के आसपास सफाई कर श्रमदान किया। इस दौरान ‘शिक्षा से ही होगा देश का



विकास’, ‘नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो’ और ‘हम सबने यह ठाना है, राष्ट्र को स्वच्छ बनाया है’ जैसे नारों के माध्यम से ग्रामीणों को स्वच्छता एवं नशामुक्ति के प्रति जागरूक किया गया।स्वयंसेवकों के सेवा कार्य से प्रभावित होकर सरपंच, पंचगण, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, युवा एवं ग्रामोपजन भी अभियान में सहभागी बने। ग्रामीणों ने कहा कि विद्यार्थियों का यह प्रयास केवल सफाई अभियान नहीं, बल्कि गांव के प्रति उनके अपनत्व

और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचायक है। ग्राम पंचायत एवं ग्रामिणों ने महाविद्यालय परिवार और स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त किया।‘कबाड़ से जुगाड़’ में दिखी रचनात्मकता स्थापना दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में ‘कबाड़ से जुगाड़’ कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। छात्र-छात्राओं ने अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी एवं आकर्षक सामग्री तैयार कर अपनी सृजनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

ए कनेक्शन और खराब मीटर वालों को प्राथमिकता -शहर में कुल 1.55 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं, जिनमें से अब तक करीब 1.07 लाख मीटर लगाए जा चुके हैं। फिलहाल वास्तविक उपभोक्ताओं के पुराने मीटर बदलने की रफ्तार धीमी कर नए बिजली कनेक्शन लेने वाले तथा खराब मीटर वाले उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जा रही है।

1.55 लाख में अब तक 1.07 लाख मीटर लगे– शहर के कई इलाकों में स्मार्ट मीटर लगाने पहुंच रही जीनस कंपनी की टीमों को उपभोक्ताओं के विरोध को सामना करना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद

विश्व केसरी■
बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिल बढ़ने की शिकायतों और उपभोक्ताओं के बढ़ते विरोध के बीच बिजली विभाग ने स्मार्ट मीटर लगाने की कार्ययोजना में बदलाव किया है।

ए कनेक्शन और खराब मीटर वालों को प्राथमिकता -शहर में कुल 1.55 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं, जिनमें से अब तक करीब 1.07 लाख मीटर लगाए जा चुके हैं। फिलहाल वास्तविक उपभोक्ताओं के पुराने मीटर बदलने की रफ्तार धीमी कर नए बिजली कनेक्शन लेने वाले तथा खराब मीटर वाले उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जा रही है।
47 मीटरों की लैब में जांच, सभी सही मिले –स्मार्ट मीटर की सटीकता को लेकर उठ रहे सवालों के बीच विभाग ने अलग-अलग क्षेत्रों में चेक मीटर भी लगाए हैं। इनके माध्यम से स्मार्ट मीटर और चेक मीटर की रीडिंग का मिलान किया जा रहा है। जिन उपभोक्ताओं को अपने मीटर की रीडिंग पर संदेह है, उन्हें मीटर लैब में जांच कराने की सुविधा भी दी जा रही है।विभाग के अनुसार पिछले महीने 47 उपभोक्ताओं ने मीटर की जांच कराई। जांच में सभी 47 मीटर सही पाए गए। विभाग का कहना है कि जांच प्रक्रिया का उद्देश्य उपभोक्ताओं की शंकाओं का तकनीकी रूप से समाधान करना है।
बिल जारी होते ही रोज पहुंच रहे 50 से ज्यादा शिकायतकर्ता – स्मार्ट मीटर को लेकर सबसे ज्यादा शिकायतें बिजली बिल बढ़ने की हैं। प्रत्येक महीने बिल जारी होने के बाद बिजली विभाग के कार्यालयों में बड़ी संख्या में उपभोक्ता अधिक बिल आने की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं। विभाग के अनुसार रोजाना 50 से अधिक उपभोक्ता इस तरह की शिकायत लेकर पहुंचते हैं। विभागीय अधिकारियों द्वारा उपभोक्ताओं को वास्तविक खपत के आधार पर बिल तैयार होने की जानकारी दी जा रही है। हालांकि, बिल बढ़ने की शिकायतों को लेकर उपभोक्ताओं में असंतोष अब भी बना हुआ है।

झीरम कांड में बचाव पक्ष ने हाईकोर्ट में की अपील

विश्व केसरी■
जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। झीरम घाटी मामले में एनआईए कोर्ट की ओर से 10 दोषियों को सुनाई गई मृत्युदंड की सजा को बचाव पक्ष ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। दोषियों की और से अधिवक्ता ने अपील दायर की है। अब हाई कोर्ट द्वारा नोटिस जारी करने की प्रतीक्षा की जा रही है।
 बचाव पक्ष के वकील अरविंद चौधरी ने बताया कि दोषियों के परिजनों से चर्चा के बाद अपील की अर्जी दायर की की गई। झीरम घाटी हायाकांड मामले में करीब 13 साल बाद अदालत ने सजा का ऐलान किया था। जिसमें विशेष न्यायाधीश



निर्धारण के लिए 16 सितंबर को तारीख तय की गई थी। बुधवार को अदालत ने सभी दोषियों को फांसी की सजा सुनाई। मामले में बचाव पक्ष में हाई कोर्ट में अपील कर ट्रायल कोर्ट द्वारा दिए गए मृत्युदंड के फैसले को चुनौती दी है।
इन 10 आरोपियों को मिली मृत्युदंड की सजा – इस मामले में दोषी ठहराए गए आरोपियों में प्रमिला मोडियम, सुमित्रा पुनेम, मुक्का मांडवी, मड़कामी देवा, कोसा कवासी, आयत मरकाम, बंजामी सेना, चैतू लेकाम, जोगा मड़कामी और सहादेव नागा शामिल हैं। सभी आरोपी वर्तमान में केंद्रीय जेल में बंद हैं।

महापौर संजय पांडे की पहल पर कलेक्टर ने बनाई उच्च स्तरीय समिति

दलपत सागर को जलकुंभी मुक्त करने 49.95 लाख, पारदर्शी व्यय हेतु निगरानी समिति गठित

विश्व केसरी■
जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। शहर की पहचान और ऐतिहासिक जलस्रोत दलपत सागर को जलकुंभी मुक्त करने के अभियान को अब निगरानी और जवाबदेही का मजबूत तंत्र मिल गया है। दलपत सागर की सफाई एवं जलकुंभी निष्कासन के लिए सीएसआर मद से उपलब्ध 49.95 लाख की राशि से होने वाले कार्यों की सतत निगरानी के लिए महापौर और महापौर परिषद की मांग पर जिला प्रशासन ने निगरानी समिति का गठन किया है। निगरानी व्यवस्था के गठन की पहल महापौर संजय पांडे ने की थी। महापौर ने कलेक्टर आकाश छिकारा से मुलाकात कर

दलपत सागर की स्वच्छता एवं जलकुंभी निष्कासन कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए एक निगरानी समिति गठित करने की सिफारिश की थी। इसके बाद जिला प्रशासन ने विभिन्न विभागों, जनप्रतिनिधियों, पर्यावरण विशेषज्ञों, मीडिया और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए समिति का गठन किया है।

यह निगरानी समिति समय-समय पर दलपत सागर पहुंचकर सफाई कार्यों की प्रगति, जलकुंभी निष्कासन, गुणवत्ता और कार्य की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण करेगी। समिति का उद्देश्य कार्यों का सतत

सफाई संग पारदर्शिता भी जरूरी: पांडे
 महापौर संजय पांडे ने समिति के सदस्यों का स्वागत करते और उन्हें शुभकामनाएं देते हुए जिला प्रशासन का आभार माना है। महापौर ने समिति में जनभागीदारी, जनप्रतिनिधि, पर्यावरणविद, गणमान्य नागरिक, कांग्रेस एवं निर्दलीय पार्षद , प्रशासन एवं एनएमडीसी के अधिकारी शामिल होकर संतुलित समिति बनने पर कहा कि दलपत सागर केवल नगर निगम की संपत्ति नहीं, बल्कि पूरे शहर की पहचान और धरोहर है। इसे जलकुंभी मुक्त करना सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि दलपत सागर को पूरी तरह जलकुंभी मुक्त कर स्वच्छ और सुंदर स्वरूप देना हमारा लक्ष्य है।

कुबेर देवांगन, पार्षद पारुल बोथरा, एनएमडीसी एजीएम विनोद पांडे, मीडिया प्रतिनिधि मनोप गुप्ता, इंदावती बचाओ अभियान, दलपत सागर बचाओ समिति के प्रतिनिधि किशोर पारख, पर्यावरण विशेषज्ञ एवं उद्यानिकी कॉलेज के डीन जीपी नाग, नगर निगम आयुक्त तथा बस्तर चैंबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष श्याम सोमानी को शामिल किया गया है।



अनुश्रवण, पारदर्शी क्रियान्वयन और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। जिला प्रशासन द्वारा गठित समिति में अपर कलेक्टर, डीएसपी चंद्रहास सिन्हा, नगर निगम आयुक्त द्वारा नामित प्रतिनिधि, स्वच्छता समिति अध्यक्ष लक्ष्मण झा, पार्षद राकेश मौर्य, पार्षद

गिरावट के बाद बाजार में लौटी तेजी, सेंसेक्स 315 अंक चढ़ा

विश्व केसरी■
मुंबई। पिछले दिन की बड़ी गिरावट के बाद हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान प्रमुख बेंचमार्क निफ्टी और सेंसेक्स में 0.43 प्रतिशत तक की तेजी देखने को मिली।

पश्चिम एशिया में लगातार हमलों के बावजूद अमेरिका-ईरान युद्धविराम की उम्मीदों के बीच तेल की कीमतों में गिरावट के चलते प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक दिन के उच्च स्तर पर बंद हुए।

सेंसेक्स 315.20 अंक यानी 0.43 प्रतिशत बढ़कर 73,895.74 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी 50 77.40 अंक यानी 0.34 प्रतिशत चढ़कर 23,140.50 पर पहुंच गया।

दिन के कारोबार में सेंसेक्स अपने पिछले बंद 73,580.54 से मामूली 54.61 अंक गिरकर 73,525.92 पर खुला और दिन के सत्र में इसने 387.51 अंक यानी 0.52 प्रतिशत की तेजी के साथ 73,968.05 का उच्चतम स्तर छुआ।



वहीं, निफ्टी अपने पिछले बंद 73,968.05 से 28 अंक यानी 0.12 प्रतिशत गिरकर 23,035 पर खुला और इंट्रा-डे ट्रेडिंग में इसने 99.60 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,162.70 का उच्चतम स्तर

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी और निफ्टी ऑटो में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई, जबकि निफ्टी सीमेंट, निफ्टी मीडिया, निफ्टी आईटी और निफ्टी फार्मा में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी50 में एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, एचसीएल टेक, पावरग्रिड, टाइटन और इंडिगो के शेयर टॉप गेनर्स की लिस्ट में शामिल रहे, जबकि मैक्स हेल्थ, टीएमपीवी, इंफोसिस, ओएनजीसी और ट्रेड के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली।

एक मार्केट एक्सपर्ट के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और बॉन्ड यील्ड के ऊंचे स्तर पर बने रहने के कारण बाजार में रिकवरी सीमित रही। महंगाई, विदेशी फंड की निकासी और उभरते बाजारों (ईएम) की करेंसी पर दबाव की चिंताएं बनी रहीं। हालांति गिरावट के बाद चुनिंदा शेयरों में खरीदारी से बाजार का रुख सकारात्मक बना रहा, हालांकि बढ़त एक सीमित दायरे तक ही सीमित रही।

एसबीआई का बड़ा कदम, बैंक हड़ताल अवधि में 28 से 30 सितंबर तक नहीं लगेगा एटीएम लेनदेन पर शुल्क

विश्व केसरी■
मुंबई। बैंक कर्मचारियों की हड़ताल को ध्यान में रखते हुए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने 28-30 सितंबर तक की अवधि में सभी एटीएम लेनदेन को नि:शुल्क कर दिया है। बैंक ने यह कदम ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उठाया है, जिससे हड़ताल की अवधि में लेनदेन करने में कोई परेशानी न हो।

एसबीआई की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर की गई पोस्ट में बताया गया कि प्रस्तावित हड़ताल के दौरान भी आपकी बैंकिंग जरूरतों के लिए एसबीआई की सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

पोस्ट में बताया कि बैंकिंग सेवाओं को सुविधाजनक बनाने के लिए एसबीआई प्रतिबद्ध है। इसके तहत 28 से 30 सितंबर, 2026 तक एटीएम शुल्क माफ रहेगा।



ग्राहकों द्वारा किसी भी बैंक के एटीएम के माध्यम से लेनदेन करने पर कोई शुल्क नहीं लेगा।

बैंक ने आगे कहा कि हड़ताल के चलते ग्राहकों की सुविधाओं के लिए सभी ब्रांच रविवार को भी खुली रहेंगी।

गए बयान में कहा गया कि यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने 28 से 30 सितंबर, 2026 तक तीन दिन की देशव्यापी बैंक हड़ताल बुलाई है। यह हड़ताल 26 और 27 सितंबर की वीकेंड की छुट्टियों के ठीक बाद हो रही है, इसलिए सरकार ने नागरिकों की बैंकिंग जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पहले से ही जरूरी कदम उठाए हैं।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि आम लोगों की बैंकिंग से जुड़ी जरूरी जरूरतें लंबे समय तक प्रभावित न हों, सभी पब्लिक सेक्टर बैंक और रीजनल रूरल बैंक रविवार, 27 सितंबर 2026 को सामान्य रूप से काम करेंगे।

बयान में आगे कहा गया कि भारतीय रिजर्व बैंक ने सभी बैंक शाखाओं, कार्यालयों, एटीएम-लिंग शाखाओं और करेंसी चेस्ट को 27 सितंबर को पूरी तरह से चालू रखने की मंजूरी दे दी है।

98 प्रतिशत अर्थशास्त्रियों ने अर्थव्यवस्था में बेहतर वृद्धि की जताई उम्मीद

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। भारत की विकास संभावनाएं वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) के ताजा आउटलुक में शामिल सभी क्षेत्रों में अब भी सबसे मजबूत बनी हुई हैं। सर्वेक्षण में शामिल मुख्य अर्थशास्त्रियों में से 98 प्रतिशत ने अगले 12 महीनों में भारत की अर्थव्यवस्था में मध्यम या उससे बेहतर वृद्धि की उम्मीद जताई है। इनमें 74 प्रतिशत ने भारत में मजबूत या बहुत मजबूत वृद्धि की संभावना जताई है, जबकि मई में यह आंकड़ा 52 प्रतिशत था।

डब्ल्यूईएफ ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान अगस्त में बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया गया था, जो घरेलू मांग में लगातार बनी मजबूती को दर्शाता है। डब्ल्यूईएफ की रिपोर्ट के अनुसार, 'मजबूत घरेलू मांग से विकास को समर्थन मिलने की उम्मीद है, हालांकि ऊंची ऊर्जा कीमतें अब भी विकास के परिदृश्य



पर दबाव डाल रही हैं।' मई के बाद से महंगाई को लेकर उम्मीदों में नरमी आई है। अगले 12 महीनों में 55 प्रतिशत मुख्य अर्थशास्त्रियों को मध्यम महंगाई और 45 प्रतिशत को ऊंची महंगाई की उम्मीद है। मई में 61 प्रतिशत अर्थशास्त्रियों ने ऊंची या बहुत ऊंची महंगाई की आशंका जताई थी।

अगस्त में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई सालाना आधार पर बढ़कर

तटस्थ रखा गया था। राजकोषीय नीति में भी व्यापक रूप से स्थिरता बने रहने की उम्मीद है। 72 प्रतिशत अर्थशास्त्रियों ने इसमें कोई बदलाव नहीं होने की संभावना जताई, जबकि 22 प्रतिशत ने नीति में ढील की उम्मीद की। आउटलुक में कहा गया, 'मजबूत आर्थिक वृद्धि और निर्धारित सीमा के भीतर बनी महंगाई, नीतिगत स्थिरता को लेकर सर्वेक्षण में जताई गई उम्मीदों के अनुरूप है।' हालांकि, शेयर बाजार का प्रदर्शन उतना मजबूत नहीं रहा है। इस साल की शुरुआत से 19 अगस्त तक निफ्टी 50 में 7.9 प्रतिशत की गिरावट आई है। बेरोजगारी को लेकर 70 प्रतिशत मुख्य अर्थशास्त्रियों को अगले 12 महीनों में कोई बदलाव नहीं होने की उम्मीद है। वहीं, 17 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बेरोजगारी बढ़ने और 13 प्रतिशत ने इसके घटने की संभावना जताई है।

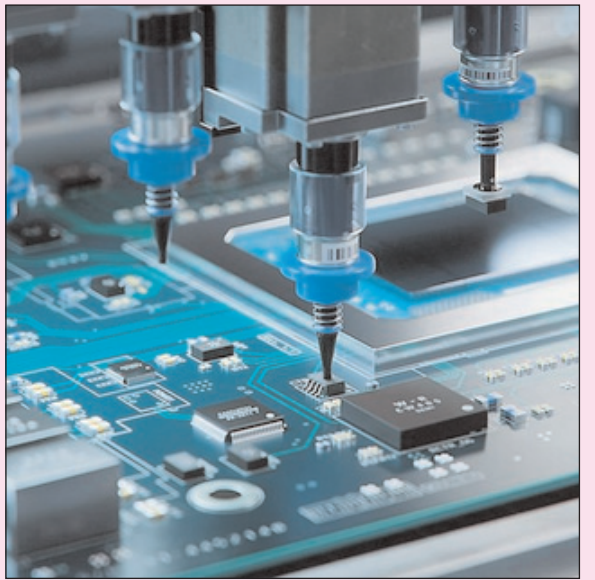
‘मेक इन इंडिया’ के 12 वर्ष : इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन सात गुना और मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग 32 गुना बढ़ी

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। देश में बड़े स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए लाई गई 'मेक इन इंडिया' स्कीम को शुक्रवार को 12 वर्ष पूरे हो गए हैं। इस योजना को 25 सितंबर, 2014 को लॉन्च किया गया था। इसका उद्देश्य देश को मैन्युफैक्चरिंग, डिजाइन और इन्वोवेशन में ग्लोबल बनाना है।

इस योजना के आने के बाद से देश के कई सेक्टर में बड़ा बदलाव आया है। इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में उत्पादन कई गुना बढ़ गया है। वहीं, ऑटोमोबाइल और कैपिटल गुड्स जैसे क्षेत्रों में उत्पादन में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है।

देश का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन 2014-15 के 1.9 लाख करोड़ रुपए के मुकाबले सात गुना बढ़कर 13.11 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इसमें मोबाइल फोन उत्पादन करीब 32 गुना बढ़कर 6.3 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पहले 18,900 करोड़ रुपए था। अब वॉल्यूम के हिसाब से देश दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरर बना गया है।

कुल इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन पिछले साल के मुकाबले 2025-26 में करीब 15.8 गुना बढ़ा है। देश में कच्चे स्टील का उत्पादन 2014-15 में 81.7 मिलियन टन से बढ़कर 2025-26 में 170.0 मिलियन टन हो गया है। वहीं, वाहनों का उत्पादन 2014-15 के मुकाबले 2024-25 में 33 प्रतिशत बढ़कर 31.03



मिलियन यूनिट्स तक पहुंच गया है। इस दौरान यात्री और वाणिज्यिक वाहनों का उत्पादन 65 प्रतिशत बढ़ा है। दोपहिया वाहनों का उत्पादन 30 प्रतिशत और तिपहिया वाहनों का उत्पादन 71 प्रतिशत बढ़ा है। इसके अलावा, भारत का फार्मास्यूटिकल उद्योग वॉल्यूम के हिसाब से दुनिया में तीसरे और वैल्यू के हिसाब से 11वें स्थान पर है। पिछले पांच वर्षों में 9.2 प्रतिशत की औसत दर से बढ़ते हुए, 2025-26 में सालाना टर्नओवर 5,08,630 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। 2025-26 के दौरान फार्मास्यूटिकल निर्यात 2,62,697 करोड़ रुपए रहा है। मेडिकल डिवाइस का घरेलू उत्पादन 48.2 प्रतिशत बढ़ा है यह 2019-20 में करीब 28,000 करोड़ से बढ़कर 2024-25 में

एनएसई शेयरों में गिरावट, शुरुआती उत्साह के बाद निवेशकों ने की मुनाफा वसूली

विश्व केसरी■
मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के शेयरों में शुक्रवार को, लिस्टिंग के एक दिन बाद, गिरावट देखने को मिली। शेयर 0.56 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करता दिखा और अपने लिस्टिंग मूल्य से मामूली ऊपर बना रहा।

कारोबार के दौरान एनएसई के शेयर करीब 1.6 प्रतिशत फिसलकर 1,790 रुपए के इंट्राडे निचले स्तर तक पहुंच गया। बाद में खबर लिखे जाने तक यह 1,796 रुपए के आसपास कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद स्तर से 1.20 प्रतिशत कम था।

एनएसई के शेयर गुरुवार को अपने इश्यू प्रतिशत में लगभग 0.8 प्रतिशत की गिरावट का दबाव देखने को मिला। प्रीमियम पर सूचीबद्ध हुए थे। लिस्टिंग के दिन



शेयर ने कारोबार समाप्त होने तक करीब 1.8 5 प्रतिशत से अधिक उछला था, जिसके बाद प्राइस की तुलना में लगभग 0.8 प्रतिशत का दबाव देखने को मिला। अपेक्षाकृत शांत रही, लेकिन दिन के दौरान यह एनएसई का आईपीओ भारत के इतिहास का

दूसरा सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम रहा। इससे पहले वर्ष 2024 में हुंडई मोटर इंडिया का 27,870 करोड़ रुपए का आईपीओ सबसे बड़ा इश्यू रहा था। लिस्टिंग के बाद एनएसई का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) लगभग 4.49 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। इसके साथ ही कंपनी भारत की 10वां सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनी बन गई है और बाजार मूल्य के लिहाज से सन फार्मास्यूटिकल्स और टाइटन जैसी कंपनियों से आगे निकल गई है। बाजार पूंजीकरण के आधार पर एनएसई फिलहाल रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी और हिंदुस्तान यूनिटीवर जैसी कंपनियों के बाद स्थान रखती है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स को 153.58 करोड़ रुपए का कस्टम इयूटी नोटिस

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड को कस्टम अधिकारियों से 'कारण बताओ नोटिस' मिला है। यह नोटिस कुछ आयातित सामानों की मूल्यांकन योग्य मूल्य (मूल कीमत, इंश्योरेंस और भाड़ा) में रॉयल्टी पेमेंट को शामिल न करने के आरोप में 153.58 करोड़ रुपए की कस्टम ड्यूटी की वसूली के लिए भेजा गया है। यह जानकारी कंपनी की ओर से स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में दी गई।

डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) की जांच के बाद यह 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया गया है। इस जांच में आरोप लगाया गया है कि कुछ आयातित सामानों की मूल्यांकन योग्य मूल्य में रॉयल्टी पेमेंट को शामिल नहीं किया गया था।



22 सितंबर की तारीख वाला यह नोटिस और कंपनी को यह 24 सितंबर को मिला। नवी मुंबई के न्हावा शेवा पोर्ट स्थित कस्टम्स इसके अतिरिक्त, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स और कमिश्नर के ऑफिस से जारी किया गया था उसकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी कंपनी सैमसंग पर भी

जांच चल रही है। यह जांच आयात किए गए ओएलईडी ग्लास स्क्रीन पर 5 प्रतिशत की रियायती कस्टम ड्यूटी के कथित गलत दावों को लेकर हो रही है। डीआरआई अधिकारियों का मानना है कि रियायती दर आम बाजार में बिकने वाले प्रोडक्ट्स में इस्तेमाल होने वाले पुराने एलसीडी और एलईडी के लिए है।

रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, ओएलईडी पार्ट्स के मामले में डीआरआई का मानना है कि सैमसंग और एलजी दोनों को 15 प्रतिशत कस्टम ड्यूटी देनी चाहिए थी। वहीं, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने अपने ओएलईडी इंपोर्ट से जुड़े अधिकारियों के लिखित सवालों के जवाब भेज दिए हैं और अधिकारियों के अनुमान के मुताबिक कस्टम ड्यूटी के अंतर की रकम स्वेच्छा से जमा कर दी है।

केला या अनार किस फल में होता है ज्यादा आयरन और विटामिन?

केला और अनार, दोनों ही स्वादिष्ट और पोषक तत्वों से भरपूर फल माने जाते हैं. इसलिए इन्हें रोजाना के खाने में शामिल करने की सलाह दी जाती है. हालांकि, जब आयरन और विटामिन की बात आती है, तो अक्सर यह सवाल उठता है कि इन दोनों में से किसमें आयरन होता है? साथ ही, इनमें कौन-कौन से विटामिन पाए जाते हैं? आइए, इन दोनों फलों के पोषण संबंधी अंतर को जाने...

केले में कितना आयरन और कौन-कौन-से विटामिन होते हैं? केले को आयरन का मुख्य स्रोत नहीं माना जाता है. इनमें आयरन की मात्रा कम होती है. हालांकि, ये विटामिन B6 का अच्छा स्रोत हैं. इसके अलावा, इनमें विटामिन B, पोटैशियम, मैग्नीशियम, कार्बोहाइड्रेट और फाइबर जैसे पोषक तत्व भी होते हैं. केले में मौजूद कार्बोहाइड्रेट शरीर को ऊर्जा देने में मदद करते हैं, जबकि पोटैशियम एक ऐसा मिनरल है जो मांसपेशियों और नर्वस सिस्टम के सामान्य कामकाज के लिए जरूरी है. इसलिए, वर्कआउट या शारीरिक गतिविधि के बाद केला खाना एक सुविधाजनक विकल्प हो सकता है.

अनार में कितना आयरन होता है?

अनार को अक्सर आयरन का बेहतरीन स्रोत माना जाता है, लेकिन असल में इनमें आयरन की मात्रा बहुत ज्यादा नहीं होती है. न्यूट्रिशनल डेटा के अनुसार, अनार में केले की तुलना में थोड़ा ज्यादा आयरन हो सकता है, लेकिन दोनों के बीच का अंतर बहुत ज्यादा नहीं है. अनार से विटामिन विटामिन च, फोलेट और फाइबर जैसे पोषक तत्व मिलते हैं. इनमें कई तरह के पौधों से मिलने वाले एंटीऑक्सीडेंट कंपाउंड भी होते हैं. इनके दानों को सीधे खाने या सलाद में मिलाने से डाइट में विविधता आ सकती है.

किसमें ज्यादा आयरन होता है?

अगर सिर्फ आयरन की मात्रा की तुलना करें, तो अनार में केले से थोड़ा ज्यादा आयरन होता है. हालांकि आयरन की कमी को दूर करने के लिए इनमें से किसी भी फल को मुख्य स्रोत नहीं माना जाना चाहिए. शरीर की आयरन की जरूरतों को पूरा करने के लिए दालें, छोले, राजमा, सोया, तिल, हरी पत्तेदार सब्जियां, मीट और आयरन से भरपूर अन्य खाद्य पदार्थ ज्यादा महत्वपूर्ण हैं.

विटामिन में कौन है बेहतर?

दोनों फलों में अलग-अलग तरह के पोषक तत्व होते हैं. केले खास तौर पर विटामिन और पोटैशियम के लिए जाने जाते हैं, जबकि अनार से कई तरह के पोषक तत्व मिलते हैं, जिनमें विटामिन B और च के साथ-साथ फोलेट भी शामिल है.

भाद्रपद पूर्णिमा कब है? बेहद खास है तारीख, स्नान-दान, लक्ष्मी पूजा, पूर्णिमा पितरों का श्राद्ध

भाद्रपद पूर्णिमा का दिन स्नान, दान और लक्ष्मी पूजा के लिए महत्वपूर्ण है, वहीं पितरों के श्राद्ध के लिए भी विशेष है क्योंकि भाद्रपद पूर्णिमा के अगले दिन से पितृ पक्ष शुरू होगा. लेकिन पूर्णिमा तिथि वाले पितरों का श्राद्ध भाद्रपद पूर्णिमा पर होगा क्योंकि पूर्णिमा ति 27थि आश्विन माह के कृष्ण पक्ष में प्राप्त नहीं होगी. ऐसे में यह जानना महत्वपूर्ण है कि भाद्रपद पूर्णिमा आज 25 सितंबर को है या फिर कल 26 सितंबर को ?

भाद्रपद पूर्णिमा को सही तारीख जानने के लिए पंचांग की मदद लेते हैं. वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल 25 सितंबर शुक्रवार को रात में 11:06 बजे से भाद्रपद पूर्णिमा तिथि का प्रारंभ हो रहा है. यह तिथि 26 सितंबर शनिवार को रात 10:18 बजे खत्म होगी.

25 सितंबर को चंद्रोदय शाम को 05:27 पी एम पर चतुर्दशी तिथि में हो रहा है. ऐसे में 25 सितंबर को भाद्रपद पूर्णिमा का व्रत रखने का महत्व नहीं है. इस दिन भाद्रपद पूर्णिमा की उदयातिथि नहीं मिल रही है. 26 सितंबर को भाद्रपद पूर्णिमा की उदयातिथि प्राप्त हो रही है क्योंकि सूर्योदय 06:11 ए एम पर है, उस दिन चंद्रोदय शाम को 05:58 पी एम पर होगा. ऐसे में भाद्रपद पूर्णिमा 26 सितंबर शनिवार को है.

इस दिन ही भाद्रपद पूर्णिमा का व्रत रखा जाएगा और स्नान-दान भी इसी दिन किया जाएगा. सुबह में सत्य नारायण भगवान की पूजा होगी. प्रदोष काल में माता लक्ष्मी की पूजा होगी, वहीं रात में चंद्रोदय होने पर अर्घ्य दिया जाएगा. पूर्णिमा पर चंद्रमा की पूजा करने से चंद्र दोष मिटता है. 26 सितंबर को ही पूर्णिमा तिथि का श्राद्ध किया जाएगा. जिनके पितरों ने पूर्णिमा तिथि पर देहत्याग किया है, उनके लिए तर्पण, पिंडदान, श्राद्ध आदि शनिवार को होगा. आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से पितृ पक्ष लगेगा. पूर्णिमा स्नान और दान मुहूर्त ब्रह्म मुहूर्त 04:36 ए एम से 05:24 ए एम

भाद्रपद पूर्णिमा पर सत्यनारायण पूजा मुहूर्त: सुबह में 07:42 बजे से 09:12 बजे तक

अभिजीत मुहूर्त: 11:48 ए एम से दोपहर 12:36 पी एम तक लक्ष्मी पूजा का मुहूर्त: शाम 06:13 पी एम से चंद्रोदय समय: शाम 05:58 पी एम पर चंद्र अर्घ्य समय: शाम 7:30 बजे के बाद

भाद्रपद पूर्णिमा का राहुकाल 2026

भाद्रपद पूर्णिमा के दिन राहुकाल सुबह में ही है. राहुकाल का समय सुबह 09:12 ए एम से लेकर 10:42 ए एम तक है.

भाद्रपद पूर्णिमा का श्राद्ध समय जिन लोगो को अपने पितरों का श्राद्ध करना है, वे लोग दिन में 11:30 बजे से लेकर दोपहर 1:30 बजे तक पितरों के लिए तर्पण, पिंडदान, दान, श्राद्ध आदि कर लें.

भाद्रपद पूर्णिमा का महत्व भाद्रपद पूर्णिमा के दिन स्नान और दान करने से पाप मिटते हैं, पुण्य की प्राप्ति होती है.



भारत में सितंबर से नवंबर के बीच मौसम धीरे-धीरे बदलता है. बारिश के बाद की हरियाली कई जगहों की खूबसूरती बढ़ा देती है, और अक्टूबर-नवंबर में अलग-अलग इलाकों में मौसम सुहावना हो जाता है. यही वजह है कि घूमने-फिरने के लिए यह समय बहुत पसंद किया जाता है. अगर आप शरद ऋतु में भारत की अलग-अलग तरह की खूबसूरती का अनुभव करना चाहते हैं, तो आप इन 5 जगहों पर घूमने का प्लान बना सकते हैं...

1. कश्मीर

कश्मीर की घाटियां हर मौसम में खूबसूरत लगती हैं, लेकिन कई यात्री सितंबर और अक्टूबर के दौरान वहां के मौसम का खास तौर पर आनंद लेते हैं. आप अपनी यात्रा में श्रीनगर की डल झील, पहलगाम और गुलमार्ग का शामिल कर सकते हैं. पतझड़ में, पेड़ों के बदलते रंग घाटी के नजारे को और भी

शानदार बना देते हैं. नवंबर तक ऊंचाई वाले इलाकों में तापमान गिर सकता है, इसलिए मौसम के हिसाब से सही कपड़े साथ रखें.

2. शिलांग और मेघालय

मानसून की बारिश के बाद मेघालय की हरियाली और झरने मनमोहक होते हैं. शिलांग के मावलिनॉंग और आसपास के इलाकों की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद ले सकते हैं. चूंकि सितंबर में बारिश की संभावना रहती है, इसलिए यात्रा करने से पहले स्थानीय मौसम और सड़कों की स्थिति जरूर देख लें.

3. सिक्किम

सिक्किम में शानदार पहाड़, झीलें और खूबसूरत घाटियां हैं. सितंबर के बाद मौसम बदलने लगता है, और अक्टूबर-नवंबर में कई इलाकों में आसमान साफ रहने की अच्छी संभावना होती है. आप



अपनी यात्रा में गंगटोक के साथ-साथ पेलिंग या अन्य लोकप्रिय

4. राजस्थान

अगर आपको पहाड़ों के बजाय इतिहास और संस्कृति पसंद है, तो आप राजस्थान जा सकते हैं. जयपुर, जोधपुर, उदयपुर और जैसलमेर जैसे शहरों में किले, महल, चहल-पहल वाले बाजार और स्थानीय खाने-पीने की चीजें जैसी कई आकर्षक चीजें हैं. हालाँकि सितंबर में कुछ जगहों पर गर्मी हो सकती है, लेकिन अक्टूबर और नवंबर में यात्रा के लिए मौसम आम तौर पर काफी सुहावना हो जाता है.

5. केरल

मानसून के बाद केरल की हरियाली और बैकवाटर्स का अनुभव करना एक अनोखा आनंद है. आप अपनी यात्रा में एलेप्पी, कुमारकोम, मुन्नार और कोच्चि जैसी जगहों को शामिल कर सकते हैं. हालांकि, चूंकि कुछ इलाकों में

सितंबर में बारिश हो सकती है, इसलिए यात्रा की तारीखें तय करने से पहले मौसम का पूर्वानुमान देख लेना बेहतर है.

सितंबर से नवंबर के बीच घूमने के लिए बेस्ट हैं ये 5 जगहें

पुलाव और तहरी में क्या है फर्क? जानिए स्वाद, मसालों और बनाने के तरीके का अंतर



पुलाव और तहरी में क्या है फर्क? जानिए स्वाद, मसालों और बनाने के तरीके का अंतर

चावल से बनने वाले व्यंजनों में पुलाव और तहरी का नाम सबसे पहले लिया जाता है. पहली नजर में ये दोनों लगभग एक जैसे दिखाई देते हैं, इसलिए कई लोग इन्हें एक ही डिश समझ लेते हैं. हालांकि स्वाद, बनाने की विधि, मसालों और उत्पत्ति के आधार पर पुलाव और तहरी में काफी अंतर होता है. यदि आप भी इन दोनों के बीच का फर्क जानना चाहते हैं, तो आइए विस्तार से समझते हैं.

पुलाव एक हल्का और सुगंधित चावल का व्यंजन है, जिसकी जड़ें मध्य एशिया और मुगलई खानपान से जुड़ी मानी जाती हैं. इसे बनाने में बासमती चावल, साबुत मसाले, घी और सब्जियों या मांस का इस्तेमाल किया जाता है. पुलाव की खासियत यह है कि इसमें मसालों का प्रयोग सीमित मात्रा में किया जाता है, जिससे चावल का प्राकृतिक स्वाद और खुशबू बनी रहती है.

पुलाव में चावल के दाने अलग-अलग और खिले हुए दिखाई देते हैं. इसे अक्सर रायता, सलाद या किसी ठेवी वाली सब्जी के साथ परोसा जाता है.

जौहर : आत्मसम्मान की रक्षा के लिए वीरांगनाओं का गौरवशाली अग्नि स्नान



उर्मिला देवी 'उर्मि'

जौहर –आत्मसम्मान की रक्षा के लिए अग्नि में सामूहिक आत्मोत्सर्ग का गौरवशाली पवित्र कृत्य है। आत्म बलिदान की इस पराकाष्ठा को कायरता कहना पाप है। जो लोग नासमझी के कारण जौहर को? नारियों की कायरता कहते हैं, वे धधकती अग्नि में अपनी एक उंगली 5 मिनट के लिए रखकर देखें।

भारतीय वीरांगनाओं के अदम्य आत्मसम्मान , अटूट साहस और? अग्नि में सर्वोच्च आत्म बलिदान का महिमाशाली कृत्य है जौहर ,जो हर सच्चे हिंदुस्तानी को आत्म सम्मान के साथ गरिमा पूर्ण जीवन जीने के

लिए प्रेरित करता रहेगा।

जौहर यह इतिहास का केवल एक शब्द नहीं , भारतीय वीरांगनाओं द्वारा अपनी अस्मिता की रक्षा के लिए पूर्ण आत्म बल के साथ किया जाने वाला सामूहिक अग्नि स्नान का गौरवशाली कृत्य है जिसमें युद्ध काल में वीरांगनाएं अपने सतीत्व की रक्षा का अन्य कोई उपाय न दिखने पर अपनी पवित्र देह को अग्नि में भस्म कर लेती थीं।

जब निकुष्ट नृशंस मुगल आक्रमणकारियों द्वारा दुर्गों- किलों को अवातक चारों तरफ से घेर लेने के कारण राजाओं को अपनी पराजय निकट दिखाई देने लगती थी और स्त्रियों की अस्मिता पर संकट मंडराने लगता था , तब हमारी पूज्या वीरांगनाएं संसार के सामने यह उद्घोष करते हुए अपनी पवित्र देह को सामूहिक रूप से अग्नि में भस्म कर देती थी कि *भारतीय नारी का सम्मान किसी भी साम्राज्य की विजय से बड़ा है* ।?

जौहर के पश्चात राज्य के पुरुष अपनी माताओं , बहन -बेटियों की



ओर से निश्चित होकर युद्ध करते थे। जौहर के बाद बची हुई राख को वे अपने पूरे शरीर ?पर लेपेट कर परिवार की चिंता से मुक्त होकर देश हित में अपनी जान की बाजी लगाने के? लिए युद्ध भूमि में कूद पड़ते? थे ,। इतिहास में ऐसी घटनाओं का? उल्लेख ‘साका-जौहर’ के नाम से किया ?गया है।

आत्मबल एवं आत्मविश्वास से परिपूर्ण तथा युद्ध कला में भली भांति प्रशिक्षित वीरांगनाओं को भी युद्ध भूमि में इसलिए नहीं जाने दिया

जाता था कि निकुष्ट आक्रमणकारी सैनिक वीरांगनाओं के शवों (मृत शरीरों) के साथ भी अनैतिक आचरण (बलात्कार) करते थे किन्तु भारतीय वीरांगनाओं को यह कदापि स्वीकार्य नहीं था? की कोई नीच ?विधर्मी उनके मृत शरीर को भी स्पर्श करे , फिर जीवित शरीर? का तो कहना ?ही क्या..। हमारी पूर्वजा वीरांगनाएं चाकू ?छुरी से या विषपान से भी अपनी जीवन- लीला समाप्त कर? सकती? थीं किन्तु उन्हें कतई? मंजूर नहीं था कि दुर्दांत

हथियारे उनके मरे हुए शरीर को? भी? अपने पापकर्मों? हाथों से स्पर्श करें।

उन्होंने मृत्यु को चुना, पर अपमान स्वीकार नहीं किया।उन्होंने अग्नि को स्वीकार किया, पर पराधीनता की बेड़ियाँ स्वीकार नहीं कीं। उनके लिए *जीवन का मूल्य केवल जीवन नहीं था—गरिमा के साथ जीवन* था। जौहर की ज्वाला में केवल शरीर नहीं जले—उसमें भय जला, दासता जली और अपमान के सामने झुकने की मानसिकता जली।

यह हमारी वीरांगनाओं की उस अदम्य चेतना का प्रतीक है, जिसने आने वाली पीढ़ियों को सिखाया—‘सम्मान से बड़ा कुछ नहीं, स्वाभिमान से ऊँचा कुछ नहीं।’ जो लोग जौहर को रेप सरवाइव से जोड़कर देखते हैं उन्हें पहले यह अच्छी तरह समझना चाहिए कि बलात्कार पीड़ित महिला भी सम्मान की अधिकारी हैं। उसके जीवन और सम्मान पर केवल उसका अधिकार है। उस कालखंड की वीरांगनाएं तो

अपने मृत शरीर के बलात्कार की संभावनाओं को मिटाने के लिए ही स्वयं को अग्नि में भस्म कर लिया करती थीं। बलात्कार पीड़िता की पीड़ा को जौहर से जोड़ना?? न तो ऐतिहासिक रूप से उचित है और न ही मानवीय रूप से।

नादानों की टिप्पणियों से आघात उन्हें पहुंचता है जो लोग जौहर की गंभीरता को ,उसकी गरिमा को ही ऐसा कुछ किया जाना आवश्यक हो गया है जिससे भारत की महान परंपराओं के विरुद्ध कोई विषवमन करने के बारे में, अपशब्द बोलने के सामने सौच भी नहीं सके।और उतना ही आवश्यक यह भी है? कि? जौहर एवं इसके जैसी गौरवशाली? भारतीय परंपराओं का विवरण पाठशालाओं में पाठ्यक्रम का हिस्सा बने। आतताई? मुगल आक्रमणकारियों के नाम भी पाठ्य पुस्तकों से बाहर कर दिए जाएं तथा उनके स्मन पर भारत के प्रतापी वीर- वीरांगनाओं के चरित्र पाठ्यक्रम में सम्मिलित कर अनिवार्य रूप से पढ़ाए जाएं।

जौहर को सती प्रथा का समानार्थी भी नहीं समझना चाहिए। सती होना एक व्यक्तिगत निर्णय हुआ करता था , जिसकी परिस्थितियां भी भिन्न हुआ करती थीं। आज उसकी चर्चा को आवश्यकता नहीं है।

भारतीय इतिहास में? जौहर की दीर्घ परंपरा की जानकारी प्राप्त होती है । ऐसे बहुत जौहर हुए जिनका इतिहास में केवल नामोल्लेख मिलता है ,किंतु जिन बड़े जौहर घटनाक्रमों का विवरण प्राप्त होता है, उनमें से कुछ इस प्रकार हैं—(1) चित्तौड़ का प्रथम जौहर-सन्1303 ! अलाउद्दीन खिलजी की सेना के आक्रमण के सामने चित्तौड़ ने प्रतिरोध किया राजस्थान की ऐतिहासिक परंपरा इसे प्रथम साका और रानी पद्मिनी के जौहर के नाम से स्मरण ?करती है , जिसमें रानी पद्मिनी ने आत्मसम्मान की रक्षा के लिए लगभग 10000 वीरांगनाओं के साथ अग्नि की ज्वाला में प्रवेश कर अपने प्राणों की आहुति दे दी थी।

(2) रणथंभोर का जौहर – सन् 1301 ! चित्तौड़ के? जौहर से

पहले हम्मीर देव चौहान ने समर्पण के स्थान पर संघर्ष का मार्ग चुना। दुर्ग के पतन की घड़ी में वहां जौहर की परंपरा का स्पष्ट उल्लेख मिलता है। हम्मीर देव के मंत्री ने जौहर की व्यवस्था की। बलिदान करने वाली वीरांगनाओं की निश्चित संख्या की जानकारी नहीं है।? रणथंभोर जौहर का वर्णन अलाउद्दीन के दरबारी कवि अमीर खुसरो ने किया ,जो इसे फारसी भाषा के पाठ में वर्णित पहला जौहर कहता है।

(3) जैसलमेर का प्रथम जौहर-सन् 1294 -95 में जैसलमेर दुर्ग की घेराबंदी को भी इसी प्रचलित सूची में जोड़ा जाता है , जिसमें ?बलिदान देने वाली राजपूत भाटी वीरांगनाओं की अनुमानित संख्या 24000 बताई जाती है।

(4) जालौर का जौहर -सन् 1311 ! इसमें 1584 जौहर- अग्निियों का उल्लेख मिलता है जिनमें इतिहास प्रसिद्ध रानी जैतल दे के साथ वीरांगनाओं ने ?अग्नि स्नान किया।

मनोरंजन

डायरेक्टर इशिका के काम की दीवानी हुई अदा खान

बोलीं- मैं तो बस देखती ही रह गई

मुंबई। अभिनेत्री अदा खान साइकोलॉजिकल थ्रिलर वेब सीरीज 'द लिफ्ट' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने सीरीज को लेकर अपना अनुभव शेयर करते हुए बताया कि शूट के दौरान सभी एक्टर्स के बीच में बॉन्ड काफी अच्छा बन गया था।

हर दिन था नया अनुभव

अदा खान ने आईएनएस से कहा, “हर दिन हमारा एक नया अनुभव होता था। एक ताजगी का एहसास था और मैं खुद भी कुछ नया महसूस कर रही थी। काफी समय से मुझे ऐसा कुछ करने का मौका नहीं मिला था। इस शो ने मुझे अलग ही खुशी दी और मुझे इस पर काम करके बहुत मजा आया।”

“मैं कह सकती हूं कि मैं उनके काम से बहुत ज्यादा इम्प्रेस थी, या कहूं तो मंत्रमुग्ध थी। पूरे शूट के दौरान मैं बस उनके काम को देखती रह गई।”

— अदा खान

प्रतीक सहजपाल ने की मदद

फिर अदा खान ने सीरीज में अभिनेता प्रतीक सहजपाल के साथ काम करने को लेकर भी बात की। उन्होंने माना कि वह खुद इंद्रोवर्ट हैं और जल्दी दोस्ती नहीं कर पातीं लेकिन प्रतीक ने उन्हें टीम के साथ घुलने-मिलने में मदद की। उन्होंने कहा, “प्रतीक ऐसा इंसान है जो खुद ही माहौल को हल्का कर देता है। वह बहुत ही चिल्ड-आउट इंसान हैं। आप उसके साथ बातें करते रह सकते हैं और मस्ती कर सकते हैं। मुझे लगता है कि वह उन गिने-चुने लोगों में से एक है जिसके साथ मुझे खुलने में ज्यादा समय नहीं लगा।”

किरदारों में कई परतें

अदा खान ने बताया कि वह शूट के दौरान निर्देशक इशिका के काम से भी काफी प्रभावित रहीं थी। उनके कहा, “मैं कह सकती हूं कि मैं उनके काम से बहुत ज्यादा इम्प्रेस थी, या कहूं तो मंत्रमुग्ध थी। पूरे शूट के दौरान मैं बस उनके काम को देखती रह गई।”

छोटी जगह में बड़ी बॉन्डिंग

अदा खान ने बताया कि लिफ्ट जैसी छोटी जगह में सुबह से लेकर पैकअप तक लंबे समय तक साथ रहने से एक्टर्स को बावलीच करने, रिलेक्स करने और बॉन्डिंग करने का खुब मौका मिला, भले ही उनके सीन खत्म हो चुके हों। उन्होंने कहा कि इससे कास्ट के बीच “एक बिल्कुल अलग तरह की बॉन्डिंग बनी।”

आसिफ की सोच पर भड़कीं गौहर खान, बोलीं- आदमी की पहचान मूँख से नहीं, सोच से होती है

विश्व केसरी ■

मुंबई। लोकप्रिय रिलिटी शो 'बिग बॉस 20' के हालिया एपिसोड में ने घर के अंदर तीखी बहस छेड़ दी है और सोशल मीडिया पर भारी विवाद छोड़ दिया। शुक्रवार को अभिनेत्री गौहर खान ने हालिया एपिसोड को देखने के बाद कंटेस्टेंट आसिफ खान और यंग डीएस को घेरा। साथ ही, कंटेस्टेंट काजी तौकीर को दूसरी गैंग की तरफ से घेरे जाने पर प्रतिक्रिया दी।

अभिनेत्री गौहर खान ने जिसमें कंटेस्टेंट आसिफ खान पर एक नोट शेयर किया, कटाक्ष करते हुए लिखा, ‘दोस्त मेरा एक सवाल है कि आसिफ का तो एक्टिंग करियर बहुत अच्छा चल रहा है ना? तो उसे ऐसी छोटी सोच और बेहद बचकाना हरकत दिखाने के लिए शो में नहीं आना चाहिए था।’

अभिनेत्री ने अप्रत्यक्ष तरीके से रिति तिवारी पर कटाक्ष करते हुए लिखा, ‘जब वो लड़की उदित को इतने घटिया तरीके से बुरा-भला कह रही थी, तो वो ऐसे एन्जॉय कर रहा था जैसे वो सब उसी के विचार हों। ये देखकर बहुत बुरा लगा।’

अभिनेत्री गौहर खान ने जिसमें कंटेस्टेंट आसिफ खान पर एक नोट शेयर किया, कटाक्ष करते हुए लिखा, ‘दोस्त मेरा एक सवाल है कि आसिफ का तो एक्टिंग करियर बहुत अच्छा चल रहा है ना? तो उसे ऐसी छोटी सोच और बेहद बचकाना हरकत दिखाने के लिए शो में नहीं आना चाहिए था।’

अभिनेत्री ने अप्रत्यक्ष तरीके से रिति तिवारी पर कटाक्ष करते हुए लिखा, ‘जब वो लड़की उदित को इतने घटिया तरीके से बुरा-भला कह रही थी, तो वो ऐसे एन्जॉय कर रहा था जैसे वो सब उसी के विचार हों। ये देखकर बहुत बुरा लगा।’

अभिनेत्री गौहर खान ने जिसमें कंटेस्टेंट आसिफ खान पर एक नोट शेयर किया, कटाक्ष करते हुए लिखा, ‘दोस्त मेरा एक सवाल है कि आसिफ का तो एक्टिंग करियर बहुत अच्छा चल रहा है ना? तो उसे ऐसी छोटी सोच और बेहद बचकाना हरकत दिखाने के लिए शो में नहीं आना चाहिए था।’

अभिनेत्री ने अप्रत्यक्ष तरीके से रिति तिवारी पर कटाक्ष करते हुए लिखा, ‘जब वो लड़की उदित को इतने घटिया तरीके से बुरा-भला कह रही थी, तो वो ऐसे एन्जॉय कर रहा था जैसे वो सब उसी के विचार हों। ये देखकर बहुत बुरा लगा।’

दृश्यम की स्टारकास्ट के साथ धमाकेदार होगी कपिल शर्मा शो की वापसी

विश्व केसरी ■

मुंबई। कॉमेडियन कपिल शर्मा नेटफ्लिक्स पर 'द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो' के पांचवे सीजन के साथ वापसी करने जा रहे हैं। शो की शुरुआत ब्राइम थ्रिलर फिल्म 'दृश्यम: द कन्क्लूजन' की स्टारकास्ट के साथ होगी।

पांचवे सीजन के प्रीमियर में अजय देवगन, श्रिया सरन, इशिता दत्ता, मृणाल जाधव और जयदीप अहलावत के साथ डायरेक्टर अभिषेक पाठक, कपिल शर्मा के साथ हंसी-मजाक और खुलकर बातचीत करते नजर आएंगे।

यह एपिसोड 'दृश्यम' हिंदी फ्रेंचाइजी की तीसरी और आखिरी फिल्म की रिलीज से पहले कपिल शर्मा के कॉमेडी शो में अजय देवगन की वापसी का भी मौका होगा। इसमें जयदीप अहलावत, कृष्णा अभिषेक और किक्कु शारदा की जोड़ी के साथ टुमके लगाते आ रहा है। इस बार भी कपिल शर्मा के देवगन की मिमिक्री करके हंसी का किक्कु शारदा, अर्चना पून सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू की कॉमेडी टोली नजर आएगी। नए एपिसोड हर शनिवार रात 8 बजे नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होंगे।

ब्राइम थ्रिलर फिल्म 'दृश्यम: द कन्क्लूजन' की बात करें तो इसमें एक बार फिर अजय देवगन विजय सलगांवकर के रोल में लौट रहे हैं। अभिषेक पाठक के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में तब्बू, श्रिया सरन, इशिता दत्ता, मृणाल जाधव, रजत कपूर, प्रकाश राज और जयदीप अहलावत भी हैं।

'दृश्यम 3: द कंक्लूजन' दृश्यम फ्रेंचाइजी की तीसरी और अंतिम कड़ी है, जो विजय सलगांवकर (हिंदी) के परिवार और पुलिस के बीच के सस्पेंस और माइंड गेम के आखिरी अध्याय को समेटती है। यह फिल्म पिछले अनसुलझे रहस्यों, परिवार की सुरक्षा और पुलिस की अंतिम कोशिशों के इर्द-गिर्द घुमेगी।

पिछली फिल्मों के विपरीत यह फिल्म किसी मलयालम वर्जन की रीमेक नहीं है, बल्कि इसकी एक मौलिक (ओरिजिनल) कहानी है जो सीरीज का अंत करेगी। इस बार विजय सलगांवकर के सामने पुलिस और कानून की तरफ से पहले से कहीं अधिक खतरनाक और नए फुलके अंदाज की हॉरर-कॉमेडी है, जिसमें कुल 40 एपिसोड और अलग-अलग भूतों की कहानियां दिखाई गई हैं।

अभिनेत्री गौहर खान ने जिसमें कंटेस्टेंट आसिफ खान पर एक नोट शेयर किया, कटाक्ष करते हुए लिखा, ‘दोस्त मेरा एक सवाल है कि आसिफ का तो एक्टिंग करियर बहुत अच्छा चल रहा है ना? तो उसे ऐसी छोटी सोच और बेहद बचकाना हरकत दिखाने के लिए शो में नहीं आना चाहिए था।’

अभिनेत्री ने अप्रत्यक्ष तरीके से रिति तिवारी पर कटाक्ष करते हुए लिखा, ‘जब वो लड़की उदित को इतने घटिया तरीके से बुरा-भला कह रही थी, तो वो ऐसे एन्जॉय कर रहा था जैसे वो सब उसी के विचार हों। ये देखकर बहुत बुरा लगा।’

अभिनेत्री गौहर खान ने जिसमें कंटेस्टेंट आसिफ खान पर एक नोट शेयर किया, कटाक्ष करते हुए लिखा, ‘दोस्त मेरा एक सवाल है कि आसिफ का तो एक्टिंग करियर बहुत अच्छा चल रहा है ना? तो उसे ऐसी छोटी सोच और बेहद बचकाना हरकत दिखाने के लिए शो में नहीं आना चाहिए था।’

अभिनेत्री ने अप्रत्यक्ष तरीके से रिति तिवारी पर कटाक्ष करते हुए लिखा, ‘जब वो लड़की उदित को इतने घटिया तरीके से बुरा-भला कह रही थी, तो वो ऐसे एन्जॉय कर रहा था जैसे वो सब उसी के विचार हों। ये देखकर बहुत बुरा लगा।’

अभिनेत्री गौहर खान ने जिसमें कंटेस्टेंट आसिफ खान पर एक नोट शेयर किया, कटाक्ष करते हुए लिखा, ‘दोस्त मेरा एक सवाल है कि आसिफ का तो एक्टिंग करियर बहुत अच्छा चल रहा है ना? तो उसे ऐसी छोटी सोच और बेहद बचकाना हरकत दिखाने के लिए शो में नहीं आना चाहिए था।’

अभिनेत्री ने अप्रत्यक्ष तरीके से रिति तिवारी पर कटाक्ष करते हुए लिखा, ‘जब वो लड़की उदित को इतने घटिया तरीके से बुरा-भला कह रही थी, तो वो ऐसे एन्जॉय कर रहा था जैसे वो सब उसी के विचार हों। ये देखकर बहुत बुरा लगा।’

ओटीटी पर काम कर खुश हैं आशा नेगी, बोलीं- अब प्रोजेक्ट्स के बीच जी पाती हूं अपनी जिंदगी

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री आशा नेगी वेब सीरीज 'अली बाबा और 40 भूत' में अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह बना रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि इस समय वह अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर काम करने की आजादी का लुत्फ उठा रही हैं।

आईएनएस के साथ बातचीत में अभिनेत्री ने अपने टीवी सफर को याद करते हुए कहा कि अब उन्हें ऐसा काम करने में मजा आ रहा है जो उन्हें प्रोजेक्ट्स के बीच थोड़ा खुद के लिए जीने का मौका देता है और फिर बिल्कुल अलग किरदारों में पर्दे पर लौटने का मौका देता है।

अभिनेत्री ने कहा, 'मैं एक एक्टर हूँ और बस एक्टिंग करना चाहती हूँ। अच्छे प्रोजेक्ट्स करना चाहती हूँ, चाहे वो ओटीटी हो, फिल्म हो या फिर टेलीविजन। फिलहाल मैं बस आजाद रहना चाहती हूँ और इस समय मैं ज्यादा ओटीटी इसलिए कर रही हूँ क्योंकि यह एक-

से जी पाते हैं। उन्होंने कहा, 'फिर आप थोड़ी अपनी जिंदगी भी जीते हैं क्योंकि मुझे याद है कि टेलीविजन पर काम करते हुए मेरी अपनी कोई जिंदगी ही नहीं थी। हालांकि, ओटीटी में काम करने के बाद आप थोड़ा अपनी जिंदगी जीते हैं, फिर आप दूसरे प्रोजेक्ट पर जाते हैं और आप एक बिल्कुल अलग किरदार निभा रहे होते हैं।'।

इस सीरीज में आशा नेगी ने 'अलीशा निगम' नाम की एक घोट्ट हंटर का किरदार निभाया है, जो अपने लापता पुरातत्त्वविद पिता को ढूँढने अपने होमटाउन जाती है। इसमें उनके साथ विशाल वशिष्ठ (बाबाबुल उपाध्याय के रूप में) और रमनदीप यादव (किन्नू के रूप में) मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह सीरीज हरके-फुलके अंदाज की हॉरर-कॉमेडी है, जिसमें कुल 40 एपिसोड और अलग-अलग भूतों की कहानियां दिखाई गई हैं।

अभिनेत्री गौहर खान ने जिसमें कंटेस्टेंट आसिफ खान पर एक नोट शेयर किया, कटाक्ष करते हुए लिखा, ‘दोस्त मेरा एक सवाल है कि आसिफ का तो एक्टिंग करियर बहुत अच्छा चल रहा है ना? तो उसे ऐसी छोटी सोच और बेहद बचकाना हरकत दिखाने के लिए शो में नहीं आना चाहिए था।’

अभिनेत्री ने अप्रत्यक्ष तरीके से रिति तिवारी पर कटाक्ष करते हुए लिखा, ‘जब वो लड़की उदित को इतने घटिया तरीके से बुरा-भला कह रही थी, तो वो ऐसे एन्जॉय कर रहा था जैसे वो सब उसी के विचार हों। ये देखकर बहुत बुरा लगा।’

अभिनेत्री गौहर खान ने जिसमें कंटेस्टेंट आसिफ खान पर एक नोट शेयर किया, कटाक्ष करते हुए लिखा, ‘दोस्त मेरा एक सवाल है कि आसिफ का तो एक्टिंग करियर बहुत अच्छा चल रहा है ना? तो उसे ऐसी छोटी सोच और बेहद बचकाना हरकत दिखाने के लिए शो में नहीं आना चाहिए था।’

अभिनेत्री ने अप्रत्यक्ष तरीके से रिति तिवारी पर कटाक्ष करते हुए लिखा, ‘जब वो लड़की उदित को इतने घटिया तरीके से बुरा-भला कह रही थी, तो वो ऐसे एन्जॉय कर रहा था जैसे वो सब उसी के विचार हों। ये देखकर बहुत बुरा लगा।’

‘महाकाव्य श्री रामायण कथा’ पर पब्लिक रिव्यू, दर्शक बोले- नई पीढ़ी को जरूर देखनी चाहिए फिल्म

विश्व केसरी ■

मुंबई। मुंबई में रिलीज के मौके पर 'महाकाव्य श्री रामायण कथा-श्री राम की' को देखने पहुंचे दर्शकों ने फिल्म को लेकर अपनी-अपनी राय शेयर की। इस फिल्म को लेकर रिलीज से पहले भी काफी चर्चा थी। खासकर अंजलि अरोड़ा के माता सीता के किरदार को लेकर सोशल मीडिया पर अलग-अलग तरह की बातें सामने आई थीं। अब फिल्म देखने के बाद पब्लिक रिएक्शन सामने आए हैं।

पब्लिक में कुछ दर्शक इसकी कहानी, कलाकारों की परफॉर्मेंस, ग्राफिक्स और साउंड की तारीफ करते नजर आए। कई दर्शकों ने इसे परिवार और खास तौर पर नई पीढ़ी के लिए देखने लायक फिल्म बताया।

मीडिया से बात करते हुए एक दर्शक ने डायरेक्टर अभिषेक सिंह और पूरी टीम की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'निर्देशक ने फिल्म बनाने में काफी मेहनत की है और ऐसी फिल्मों की जरूरत है, जो धर्म और हमारी परंपराओं से जुड़ी कहानियों को बड़े पर्दे तक लेकर आए। फिल्म देखकर मुझे काफी खुशी हुई और मुझे यह अच्छी कहानी बताया। उन्होंने कहा, 'हर किसी को कम से कम एक बार यह फिल्म जरूर देखनी चाहिए। फिल्म के सभी कलाकारों ने अपने-अपने किरदारों को अच्छी तरह निभाया है। फिल्म की एक खास बात यह है



अच्छी फिल्म बनाई है और इसे देखकर मुझे काफी आनंद आया। फिल्म ग्राफिक्स और साउंड का काम अच्छा रहा और दोनों चीजों ने कहानी को पर्दे पर दिखाने में मदद की। मेरे नजरिए से फिल्म सुपरहिट है।'

एक अन्य दर्शक ने फिल्म को अपनी भावनाओं से जुड़ी हुई लगती। उन्होंने कहा, 'हर किसी को कम से कम एक बार यह फिल्म जरूर देखनी चाहिए। फिल्म के सभी कलाकारों ने अपने-अपने किरदारों को अच्छी तरह निभाया है। फिल्म की एक खास बात यह है

कि इसमें युवा भी जुड़े हुए हैं। मेरा मानना है कि रामायण जैसे विषय को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए युवाओं की भागीदारी अहम है।'

एक और दर्शक ने नई पीढ़ी के लिए ऐसी फिल्मों को जरूरी बताया। उन्होंने कहा, 'आज के समय में युवाओं के लिए ऐसी कहानियां सामने आनी चाहिए, जिनसे उन्हें धर्म और परंपराओं के बारे में जानकारी मिल सके। फिल्म की कहानी शुरुआत से आखिर तक जुड़ी हुई लगती है और निर्देशक ने पूरी कहानी को पकड़कर रखा है।'

‘डोरोथी’ की रिलीज पर भावुक हुए डायरेक्टर बोले, दर्शकों के भरोसे पर बनाई है यह फिल्म

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेता कार्तिक सुब्बाराज ने तमिल भाषा की फिल्म 'डोरोथी' शुक्रवार को रिलीज हो गई। निर्देशक ने बताया कि इस फिल्म ने उन्हें फिल्ममेकर और आर्टिस्ट के तौर पर बदल दिया है।

निर्देशक ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि यह फिल्म उनकी अब तक की सबसे इमोशनल कहानी है। उन्होंने लिखा, 'आज डोरोथी सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। 10वीं फिल्म होने के बावजूद भी मैं फिल्म को लेकर उतना ही उत्साहित और नर्वस हूँ, जितना पहली फिल्म 'फिन्ना' को लेकर था। इस फिल्म को बनाते हुए जो दिन मैंने बिताए हैं, उन्होंने मुझे एक इंसान, फिल्ममेकर और एक आर्टिस्ट के तौर पर बदल दिया है।' निर्देशक ने बताया कि इस फिल्म की कहानी 90

के दशक की कई सच्ची घटनाओं पर आधारित है। उन्होंने लिखा, 'मेरी यह फिल्म अब तक की सबसे सच्चाई के करीब और इमोशनल कहानियों में से एक है।

यह कहानी 90 के दशक की कई सच्ची घटनाओं पर आधारित है और जब मैंने इस कहानी को बड़े पर्दे पर बताने की जरूरत महसूस की, तो कई लोगों ने मुझसे अक्सर एक ही सवाल पूछा था कि भरोसे पर आप ये फिल्म बनाना चाहते हैं? मेरा जवाब 'था' और 'है' - 'मेरा भरोसा दर्शकों पर' और हां वो दिन आ गया है जब हम, 'डोरोथी' की पूरी टीम, बेसब्री से दर्शकों का रिएक्शन देखने के लिए तैयार हैं, ठीक वैसे ही जैसे एक बच्चा अपनी पहली पेंटिंग अपने माता-पिता को दिखाता है और हां 'डोरोथी' अब बारी आपकी है।'

‘लव एंड वॉर’ में आलिया भट्ट का ग्लैमरस अवतार

विश्व केसरी ■

मुंबई। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आने वाली है, लेकिन इस बार दोनों का अंदाज काफी अलग दिखाई देने वाला है। संजय लीला भंसाली की आने वाली फिल्म 'लव एंड वॉर' को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही काफी उत्सुकता है। हाल ही में फिल्म से रणबीर कपूर का पहला लुक सामने आया था और अब मेकर्स ने आलिया भट्ट के किरदार की पहली झलक भी शेयर कर दी है। पोस्टर में आलिया बेहद ग्लैमरस अंदाज में नजर आ रही हैं और उनका लुक पुराने दौर के कैबरे डांस की यादलाता है।

भंसाली प्रोडक्शंस ने इंस्टाग्राम पर आलिया भट्ट का पोस्टर जारी किया। इस पोस्टर में आलिया को वाइन रेड कलर की आउटफिट में दिखाया गया है। उन्होंने क्रॉड ब्लाउज और फ्लोइंग स्कर्ट पहनी हुई है। उनके आउटफिट में फेडर्स भी लगे हुए हैं, जो उनके पूरे लुक कैबरे डांसर वाला अंदाज दे रहे हैं। आलिया पोस्टर में बैठी हुई नजर आ रही हैं और उनके पीछे रेड कलर के बड़े पर्दे दिखाई दे रहे हैं। इसके साथ ही पीछे जगमगाती लाइट्स भी हैं, जिससे पूरा सेटअप डांस शो जैसा लग रहा है।

पोस्टर में आलिया का अंदाज 70 के दशक की मशहूर कैबरे डांसर हेलन की याद दिलाता है। उस दौर में हेलन अपने खास डांस नंबर और अलग अंदाज के लिए काफी मशहूर थीं। आलिया के पोस्टर के साथ भंसाली



प्रोडक्शंस ने कैप्शन में लिखा, 'आग भी, दिलों की जान भी। संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' 21 जनवरी 2027 को रिलीज होगी।'

वहीं आलिया ने भी इस पोस्टर को शेयर करते हुए लिखा, 'रीयूनाइटड'। आलिया का फर्स्ट लुक रणबीर कपूर के पोस्टर के सामने आने के एक दिन बाद जारी किया गया है। संजय लीला भंसाली ने फिल्म से रणबीर कपूर के दो पोस्टर जारी किए थे, जिसमें वह एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में उन्हें कार चलाते हुए दिखाया गया। इस दौरान उनका हाथ खून से लथपथ है और टिशर्ट पर गोली के निशान हैं। मेकर्स ने रणबीर के पोस्टर के साथ लिखा, 'वो रुतबा, रुबाव और वो जुनून'।

संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में डॉ. जयशंकर ने कई देशों के समकक्षों से की मुलाकात, अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

विश्व केसरी■

संयुक्त राष्ट्र। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के हाई-लेवल सेशन के दौरान एस्टोनिया, घाना, मालदीव, बारबाडोस और अन्य देशों के अपने समकक्षों से मुलाकात की। इस दौरान द्विपक्षीय संबंधों और कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, 'यूएनजीए के 81वें सत्र के दौरान एस्टोनिया के विदेश मंत्री मार्गस त्साहकना से मिलकर खुशी हुई। हमने यूक्रेन में चल रहे संघर्ष और उसके असर पर बातचीत की। साथ ही बहुपक्षीय सहयोग को लेकर भी चर्चा हुई।'

सत्र के दौरान जयशंकर ने घाना के विदेश मंत्री से भी मुलाकात की। उन्होंने एक अ-7य पोस्ट में लिखा, 'संयुक्त राष्ट्र में घाना के विदेश मंत्री सैमुअल



ओकुडजेतो अबलाकवा से मिलकर खुशी हुई। हमने दोनों देशों के रिश्तों की और मजबूत करने पर चर्चा की। इसके अलावा मौजूदा क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी

बातचीत हुई। उम्मीद है कि जल्द ही फिर मुलाकात होगी।'

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने मालदीव की विदेश मंत्री इरथिथाम आदम से मुलाकात

की जानकारी साझा करते हुए लिखा, 'यूएनजीए के दौरान मालदीव के विदेश मंत्री से मिलकर खुशी हुई। हमने दोनों देशों के आपसी रिश्तों की समीक्षा की और बहुपक्षीय मंचों पर हमारे सहयोग को लेकर भी चर्चा की।'

एक अन्य पोस्ट में जयशंर ने बारबाडोस के विदेश मंत्री क्रिस्टोफर पीटर सिंकलर के साथ मुलाकात की फोटो पोस्ट कर संक्षिप्त बातचीत की जानकारी साझा की। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में जयशंकर ने इराक के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री फुअद हुसैन से भी मुलाकात की।

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में इराक के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री फुअद हुसैन से मिलकर बेहद खुशी हुई। हमने पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रमों पर अपने विचार साझा किए। साथ ही, हमारे आर्थिक और ऊर्जा संबंधों पर भी चर्चा की।'

ग्रीन कार्ड सिस्टम को बदल सकता है यूएस का नया बिल, भारतीय प्रोफेशनल्स पर होगा बड़ा असर

विश्व केसरी■

वॉशिंगटन। अमेरिका के एक रिपब्लिकन सीनेटर ने ऐसा बिल पेश किया है, जो नौकरों के आधार पर मिलने वाले ग्रीन कार्ड की मौजूदा व्यवस्था में बड़ा बदलाव कर सकता है। अगर यह बिल कानून बनता है, तो अमेरिका में स्थायी निवास यानी ग्रीन कार्ड का लंबे समय से इंतजार कर रहे भारतीय प्रोफेशनल्स पर इसका बड़ा असर पड़ सकता है।

अलबामा के सीनेटर टॉमी टबरविले ने 'अमेरिकन्स फर्स्ट इमिग्रेशन एक्ट' नामक बिल पेश किया है। इसमें नौकरों के आधार पर ग्रीन कार्ड देने की मौजूदा कैटेगरी को हटाकर पॉइंट्स पर आधारित सिस्टम लाने का प्रस्ताव है। बिल के पूरे टेक्स्ट के मुताबिक, नई व्यवस्था लागू होने पर रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड के लिए पहले से लंबित कई याचिकाएं भी अमान्य



हो सकती हैं।

इन याचिकाओं के आधार पर ग्रीन कार्ड के लिए अमेरिका के अंदर से स्टेट्स बदलने या विदेश से इमिग्रेंट वीजा लेने के आवेदन 'खारिज, नामंजूर या अमान्य' किए जा सकेंगे।

जिन लोगों की याचिकाएं नई व्यवस्था लागू होने की तारीख से पहले ही मंजूर हो चुकी होंगी, उन्हें मौजूदा कैटेगरी के तहत तब तक वीजा मिल सकेगा, जब तक उस

वित्त वर्ष के लिए तय सालाना वीजा कोटा खत्म नहीं हो जाता। इसके बाद उस कैटेगरी के तहत कोई और वीजा जारी नहीं किया जाएगा। इस प्रावधान का खास तौर पर भारतीय आवेदकों पर बड़ा असर पड़ सकता है क्योंकि बहुत से भारतीयों की रोजगार आधारित याचिकाएं मंजूर हो चुकी हैं लेकिन वे लंबे ग्रीन कार्ड बैकलॉग की वजह से अब भी अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबर

तूफान 'इजुआन' ने जापान में मचाई तबाही, मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हुई

विश्व केसरी■

टोक्यो। पूर्वी जापान के कांटो इलाके में एक बड़े तूफान की वजह से हुई भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है जबकि तीन लोग अब भी लापता हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, मारे गए लोगों में से सात की मौत चिबा प्रान्त में हुई, जो टोक्यो के पूर्व में है। वहीं, राजधानी के दक्षिण-पश्चिम में स्थित कानागावा प्रान्त में चार लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। सरकारी प्रसारक एनएचके के मुताबिक, हाल में जिस पीड़ित का शव मिला, वह 70 साल से ज्यादा उम्र की एक महिला थी। कानागावा के योकोसुका में भूस्खलन के बाद उन्हें लापता बताया गया था। समाचार एजेंसी सी?न्हुआ के मुताबिक, पुलिस और दमकलकर्मी अब भी लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। तूफान 'इजुआन' सोमवार को जापान के पूर्वी प्रशांत तट के करीब पहुंचा था। इसकी वजह से कांटो इलाके और इजू द्वीप समूह में रिकॉर्ड बारिश हुई। भारी बारिश के कारण जगह-जगह भूस्खलन और नदियों में बाढ़ आ गई। टोक्यो के आसपास के इलाकों में भारी नुकसान हुआ, जिसमें खासतौर पर चिबा प्रांत सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। एनएचके के मुताबिक, गुरुवार दोपहर तक चिबा और कानागावा में करीब 1,000 इमारतें या तो पूरी तरह नष्ट हो गई, क्षतिग्रस्त हुई या उनमें पानी भर गया।



गुजरात: भारतमाला एक्सप्रेसवे पर खड़े डंपर से एसयूवी की टक्कर, चार की मौत

विश्व केसरी■

सूरत। शुक्रवार को गुजरात के सूरत जिले के कामरेज के पास भारतमाला एक्सप्रेसवे पर एक एसयूवी की टक्कर में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना कामरेज इलाके में तापी ओवरब्रिज के पास हुई, जब महाराष्ट्र से गुजरात की ओर आ रही एसयूवी एक्सप्रेसवे पर रुके हुए डंपर के पिछले हिस्से से टकरा गई। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, कार में सवार चारों लोगों की मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, डंपर में हवा का दबाव बिगड़ गया था, जिसके बाद चालक ने वाहन को सड़क पर रोक दिया था। पीछे से आ रही एसयूवी ने फिर खड़े हुए डंपर से टक्कर मार दी। टक्कर से कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कार में सवार सभी लोग एक ही परिवार के सदस्य थे, और बताया जा रहा है कि वे मुंबई से पाटन जिले के शंखेश्वर मंदिर के दर्शन के लिए जा रहे थे। मृतकों की पहचान राजीव जैन, जयंती दोषी, प्रवीण जैन और संजय खेमचंद के रूप में हुई है। दुर्घटना के बाद एक्सप्रेसवे पर यातायात अस्थायी रूप से बाधित हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही कामरेज पुलिस के जवान मौके पर पहुंचे और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया, जबकि यातायात सुचारु रूप से चलाने के लिए क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटा दिया गया। पुलिस टक्कर के कारणों की जांच कर रही है, जिसमें तकनीकी खराबी की सूचना मिलने के बाद डंपर को एक्सप्रेसवे पर किस तरह खड़ा किया गया था।



संयुक्त राष्ट्र महासभा: नेपाल ने भारत-चीन के साथ 'हिमालयन वलाइमेट रेजिलिएंस मैकेनिज्म' बनाने का रखा प्रस्ताव

विश्व केसरी■

काठमांडू। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र को संबोधित करते हुए नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने हिमालयी क्षेत्र में जलवायु से जुड़े खतरों से निपटने के लिए क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने के मकसद से नेपाल, भारत और चीन के नेतृत्व में 'हिमालयन क्लाइमेट रेजिलिएंस मैकेनिज्म' बनाने का प्रस्ताव रखा है।

शाह का यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है, जब 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ ने नेपाल के पहाड़ी इलाकों में कई बस्तियों को बहा दिया था। बाढ़ की भयावहता को देखते हुए कई लोगों ने इसे 'माउंटेन सुनामी' या 'हिमालयन सुनामी' तक बताया।

नेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी के मुताबिक, गुरुवार शाम तक इस बाढ़ में 1,453 लोगों की मौत हो चुकी थी जबकि 5,550 लोग अब भी लापता हैं। लापता लोगों में 636 विदेशी



नागरिक भी शामिल हैं। विशेषज्ञों ने इस आपदा को जलवायु परिवर्तन से जुड़ा बताया है।

शाह ने कहा कि नेपाल, भारत और चीन की यह साझा व्यवस्था सैटेलाइट डेटा और तकनीकी जानकारी साझा करने, खतरनाक ग्लेशियल झीलों पर नजर रखने और क्षेत्रीय स्तर पर समय रहते चेतावनी देने वाले सिस्टम को मजबूत करने पर काम करेगा। उन्होंने कहा, 'आइए, खतरनाक ग्लेशियर झीलों पर नजर रखें। मिलकर चेतावनी देने वाले सिस्टम को मजबूत करें।'

और जब कोई आपदा आए, तो सीमाओं के पार भी आपसी तालमेल से मदद पहुंचाएं। 'शाह ने कहा कि हिमालय को ऐसी जगह बनना चाहिए, जहां देश एक-दूसरे से अलग-अलग जानकारी रखने के बजाय अंतरराष्ट्रीय सहयोग के जरिए मिलकर काम करें।

उन्होंने कहा कि हिमालय को बंटी हुई जानकारी की सीमा बनाने के बजाय अंतरराष्ट्रीय सहयोग की प्रयोगशाला बनने दें। नेपाल की ओर से जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए उठाए जा रहे।

नशे के हॉट स्पॉट पर कसेगा शिकंजा, स्कूल-कॉलेज के 500 मीटर दायरे में लागू होगा 'ड्रग फ्री जोन'

विश्व केसरी■

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार पर शिकंजा कसने के लिए हॉट स्पॉट की नियमित निगरानी और सघन कार्रवाई की जाएगी। स्कूल-कॉलेजों के आसपास 500 मीटर के दायरे को सख्त 'ड्रग फ्री जोन' के रूप में घोषित कर प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा।

मुख्य सचिव एसपी गोयल ने शुक्रवार को नारकोटिक्स कंट्रोल एवं समन्वय तंत्र (एनकोड) की राज्य स्तरीय समिति की तृतीय बैठक में अधिकारियों को ये निर्देश दिए। बैठक में प्रदेश में मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध व्यापार पर नियंत्रण, नशा मुक्ति एवं जागरूकता अभियान, जहां मादक पदार्थों के निस्तारण और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय करने को कहा। साथ ही मादक पदार्थों के परिवहन, तस्करी और अवैध व्यापार के खिलाफ सघन



गठित जिला स्तरीय समितियों की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाएं और चिन्हित हॉट स्पॉट की लगातार निगरानी की जाए। इन क्षेत्रों की संवेदनशीलता कम करने के लिए स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने प्रदेश के स्कूलों और कॉलेजों में नशा मुक्ति एवं जागरूकता के लिए विशेष अभियान नियमित रूप से संचालित करने को कहा। साथ ही मादक पदार्थों के परिवहन, तस्करी और अवैध व्यापार के खिलाफ सघन

कार्रवाई करते हुए अधिकतम बरामदगी और गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि कमिश्नरेट और जनपद अपने-अपने क्षेत्रों में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के स्रोत, नेटवर्क और वितरण तंत्र को चिन्हित कर प्रभावी कार्रवाई करें। प्री-कर्स रसायनों, एसिटिक एनहाइड्राइड, नियंत्रित पदार्थों और नशीली दवाओं के दुरुपयोग व अवैध डायवर्जन पर भी कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।

उत्तर प्रदेश की 8 सहकारी चीनी मिलों को मिला उत्कृष्ट दक्षता पुरस्कार

विश्व केसरी■

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शिखर पर पहुंचे गन्ना व चीनी उद्योग ने नई सफलता अर्जित की है। राष्ट्रीय सहकारी शक्कर कारखाना संघ लि. (एनएफसीएसएफ) नई दिल्ली की ओर से डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'राष्ट्रीय दक्षता पुरस्कार समारोह' में उत्तर प्रदेश की 8 सहकारी चीनी मिलों को सम्मानित किया गया।

संघ की ओर से राष्ट्रीय स्तर पर देश की सहकारी चीनी मिलों को गन्ना विकास, तकनीकी दक्षता, मानकों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए समग्र रूप से सर्वश्रेष्ठ सहकारी चीनी मिल का प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला। सरजू सहकारी की चीनी मिलों की कार्यक्षमता एवं दक्षता में



सुधार के साथ-साथ वृद्धि हो सके। वर्ष 2024-25 के लिए घोषित पुरस्कारों में प्रदेश की द किसान सहकारी चीनी मिल, स्नेह रोड, नजीबाबाद (बिजनौर) को सभी मिल्स लिमिटेड, बागपत को वित्तीय प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया है। इसी प्रकार वर्ष 2025-26 पुरस्कार मिला। सरजू सहकारी की चीनी मिल, बेलरायां (लखीमपुर खीरी) को गन्ना विकास, दि

किसान सहकारी चीनी मिल, गजरोला (अमरोहा) को चीनी परता (शुगर रिकवरी) के सुधार एवं बागपत को-ऑपरेटिव शुगर मिल्स लिमिटेड, बागपत को वित्तीय प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया है। इसी प्रकार वर्ष 2025-26 पुरस्कार मिला। सरजू सहकारी की चीनी मिल, बेलरायां (लखीमपुर खीरी) को गन्ना विकास, दि

महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से सशक्त हो रहा समाज: रूप कुमारी

विश्व केसरी■

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रूप कुमारी चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से लगातार समाज सशक्त हो रहा है और आंगन मिलन सेवा अभियान' में आंगन, मिलन और सेवा का सुंदर समन्वय देखने को मिला।



भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रूप कुमारी चौधरी मध्य प्रदेश के प्रवास पर हैं और उन्होंने शुक्रवार को भोपाल के गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के बागसेवनिया स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 735, अमराई में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित 'आंगन मिलन सेवा' अभियान के शुभारंभ मौके

पर कहा कि 'आंगन मिलन सेवा अभियान' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के सेवा, समर्पण और सामाजिक योगदान को सम्मान देने का अवसर है। इस क्रमिक 735, अमराई में सेवा संकल्प अभियान के नाम में ही इसकी भावना निहित है, इसमें आंगन भी है, मिलन भी है और सेवा भी है।

उन्होंने आगे कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के विकास, पोषण और संस्कार का महत्वपूर्ण केंद्र हैं, कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ बच्चों और परिवारों के बीच सेवा का कार्य कर रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं की भागीदारी समाज के प्रत्येक क्षेत्र में निरंतर बढ़ी है।

जम्मू-कश्मीर : नियंत्रण रेखा के समीप सैन्य तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे सेनाध्यक्ष

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था और सेना की तैयारियों का जायजा लेने के लिए सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने चिनार कोर के अग्रिम इलाकों का दौरा किया है। उन्होंने नियंत्रण रेखा और अंदरूनी इलाकों में सुरक्षा की स्थिति की समीक्षा की और सैनिकों से बातचीत भी की।

सेनाध्यक्ष ने तंगधार में 'ऑपरेशन दृष्टि 2026' का भी जायजा लिया है। सेनाध्यक्ष का यह दौरा 'जय से विजय' की उस भावना को सामने लाता है, जिसमें अभियानागत सतर्कता के साथ हर योद्धा के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया है। उत्तरी कमान के तहत आने वाली चिनार कोर के



क्षेत्रों में पहुंचे सेनाध्यक्ष को स्थानीय कमांडरों ने मौजूदा सुरक्षा माहौल से अवगत कराया। यहां सेना प्रमुख को अभियानगत तैयारियों और क्षमताओं को विकसित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी बताया गया।

दो। उन्हें नियंत्रण रेखा पर मजबूत सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के उपायों और अंदरूनी इलाकों में आतंकवाद विरोधी अभियानों की तैयारियों के बारे में भी बताया गया।

अभियान क्षेत्रों में सैनिकों से बातचीत के दौरान सेनाध्यक्ष ने सभी सैन्य कर्मियों की उच्च स्तर की सतर्कता की सराहना की। उन्होंने भारतीय सेना को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने वाले पांच बिंदुओं के मार्गदर्शक ढांचे 'विजय' पर जोर दिया। इसका उद्देश्य भारतीय सेना को ऐसी भविष्य के लिए तैयार सेना में बदलना है, जो कम समय में सभी प्रकार के अभियानों के लिए प्रतिक्रिया देने में सक्षम हो। सेनाध्यक्ष ने शांति और स्थिरता बनाए रखने में भारतीय सेना, नागरिक प्रशासन, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की भी सराहना की।

मनप्रीत कौर ने भारत की झोली में डाला एक और मेडल



विश्व केसरी ■
नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारत की अनुभवी एथलीट मनप्रीत कौर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं के शॉट पुट फाइनल में ब्रॉन्ज मेडल जीता। शुक्रवार को नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में हुए मुकाबले में मनप्रीत ने 17.17 मीटर दूर गोला फेंककर तीसरा स्थान हासिल किया और भारत की झोली में एक और मेडल डाला। मनप्रीत ने अपने

चौथे श्रो में यह दूरी हासिल की और चीन की सोंग जियायुआन (गोल्ड) और झांग लिनरू (सिल्वर) के बाद तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में शामिल एक अन्य भारतीय, कृष्णा जयशंकर मेनन ने भी शानदार प्रदर्शन किया। इस युवा खिलाड़ी ने 16.57 मीटर की दूरी तक गोला फेंककर पांचवां स्थान हासिल किया। मनप्रीत एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप की पूर्व ब्रॉन्ज

मेडलिस्ट हैं। उन्होंने 2023 एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 17.00 मीटर के श्रो के साथ तीसरा स्थान हासिल किया था। वह हाल ही में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का हिस्सा थीं, जहां वह बहुत कम अंतर से मेडल से चूक गईं और 17.49 मीटर के श्रो के साथ चौथे स्थान पर रही थीं। उन्होंने 2016 ओलंपिक गेम्स में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया था और वह 23वें स्थान पर रही थीं।

मनप्रीत ने एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2017 में गोल्ड मेडल जीता था। हालांकि, प्रतिबंधित पदार्थों के लिए टेस्ट पॉजिटिव आने के कारण उन पर चार साल का प्रतिबंध लगा दिया गया और उनसे उनका गोल्ड मेडल भी वापस ले लिया गया। उन्होंने 2022 में वापसी की और 18.06 मीटर तक गोला फेंककर नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा। मनप्रीत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में हिस्सा लिया और 11वें स्थान पर रहीं। वहीं, पिछले एशियन गेम्स में वह पांचवें स्थान पर रही थीं। 2026 में मनप्रीत ने नेशनल इंटर-स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 17.75 मीटर के श्रो के साथ जीत हासिल करके घरेलू स्तर पर शानदार फॉर्म दिखाई थी। यह प्रदर्शन एशियन गेम्स के लिए क्वालिफिकेशन स्टैंडर्ड (16.25 मीटर) से बेहतर था। कड़े अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में मनप्रीत का प्रदर्शन उनकी निरंतरता और बड़े चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता को दर्शाता है। मनप्रीत एशियन गेम्स में शॉट पुट मेडल जीतने वाली भारत की तीसरी महिला खिलाड़ी हैं। उनसे पहले, बारबरा वेबस्टर (1951) और किरण बालियान (2022) ने भारत के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीते थे।

50 मीटर राइफल 3पी टीम सिल्वर के बाद ऐश्वर्य नीरज व्यक्तिगत मेडल से चूके



विश्व केसरी ■
नागोया। भारतीय राइफल शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार शुक्रवार को यहां ऐंजी प्रोफ. जनरल शूटिंग गैलरी में पुरुषों के 50 मीटर 3-पोजीशन इवेंट के फाइनल में मेडल से चूक गए। वे क्रमशः पांचवें और आठवें स्थान पर रहे। नीरज का फाइनल ज्यादा मुश्किल साबित हुआ और वह 299 के स्कोर के साथ आठ फाइनलिस्ट में सबसे आखिर में रहे। ऐश्वर्य 327.6 के साथ पांचवें स्थान पर रहे, जबकि नीरज 299.0 के साथ आठवें स्थान पर रहे। चीन के युकुन लियू ने 360.5 के गेम्स-रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड जीता, जबकि झांग चांगहोंग ने 360.2 के साथ सिल्वर जीता।

इस्लाम सतपायेव ने 348.3 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। ऐश्वर्य शुरुआती स्टेज में रेस में बने रहे, प्रोन सीरीज के बाद छठे स्थान पर रहे, फिर दूसरी नीलिंग सीरीज के बाद 205.3 के साथ पांचवें स्थान पर पहुंचे और आखिर में ओवरऑल पांचवें स्थान पर रहे। नीरज का फाइनल ज्यादा मुश्किल साबित हुआ और वह 299 के स्कोर के साथ आठ फाइनलिस्ट में सबसे आखिर में रहे। ऐश्वर्य हांगझोक में हुए पिछले एशियन गेम्स में भारत के सबसे सफल शूटर्स में से एक थे।

उन्होंने चार पदक जीते थे। उन्होंने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल और 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन टीम इवेंट्स में गोल्ड और 10 मीटर एयर राइफल में व्यक्तिगत ब्रॉन्ज और 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन में सिल्वर मेडल जीता था। इससे पहले, ऐश्वर्य, नीरज और रुद्राक्ष की तिकड़ी ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन टीम फाइनल में सिल्वर मेडल जीता, जिसमें उन्होंने कुल 1762-94 का स्कोर करके दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि चीन (1766-95) ने गोल्ड और साउथ

कोरिया (1751-87) ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में, सुरुक्ष और कमलजीत ने रिकॉर्ड-तोड़ परफॉर्मेंस देते हुए गोल्ड मेडल जीता। फाइनल में दोनों ने मिलकर 484.6 का एशियन रिकॉर्ड स्कोर बनाया। यह 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत का पहला एशियन गेम्स गोल्ड मेडल था, जिससे हांगझोक 2023 में सरबजोत सिंह और दिव्या टीएस के जीते सिल्वर मेडल में सुधार हुआ।

नेपाल ने अफगानिस्तान को 16 गेंद पहले 5 विकेट से हराया



विश्व केसरी ■
निशिन। एशियन गेम्स 2026 में शुक्रवार को कोरोगी स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए ग्रुप ए के मुकाबले में नेपाल क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया है। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम की शुरुआत खराब रही और टॉप-3 बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। पारी की शुरुआत करने आए मोहम्मद अकमर 2 रन और हसन ईसाखिल बिना खाता खोले आउट हो गए। करीम जन्नत 9 रन बनाकर आउट हो गए। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए फैसल शिलोजादा और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए नजबुल्ला जादरान ने टीम को संभाला। दोनों ने 30-30 रन की पारी खेली और टीम को 20

ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 102 रन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए नांगेयालिया खरोटी ने भी नाबाद 17 रन बनाए। नेपाल की तरफ से ललित राजवंशी ने 3 और कुशल भुटेल ने 4 विकेट लिए। 103 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी नेपाल की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 12 के स्कोर पर 2 और 31 के स्कोर पर 3 विकेट गंवा दिए थे। लेकिन संदीप जोरा के 35 गेंदों पर बनाए 34 रन और पूर्व कप्तान रोहित पौडेल के 32 गेंदों पर बनाए नाबाद 33 रनों की बदौलत टीम ने 17.2 ओवर में 5 विकेट पर 103 रन बनाकर मैच 5 विकेट से जीत लिया। कप्तान दीपेंद्र सिंह ऐरी ने भी 15 रन बनाए। नेपाल का अगला मैच शनिवार को जापान से होगा। इस मैच में जीत की स्थिति में नेपाल ग्रुप में शीर्ष पर रहते हुए क्वांटर फाइनल में जाएगा। नेपाल और अफगानिस्तान के बीच यह पांचवां टी20 मैच था। पांच मैचों में नेपाल की यह दूसरी जीत थी। नेपाल ने अफगानिस्तान को पहली बार 2014 में चटगांव में हराया था।

राजू, थेन्नारासु, रामराज और मनु की चौकड़ी ने देश को दिलाया रजत

विश्व केसरी ■
नागोया। माचेट्टीरा पूर्वम्मा राजू, विशाल थेन्नारासु, विथ्या रामराज और थेक्किनालिल मनु की भारतीय चौकड़ी ने नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में हुए कड़े मुकाबले वाले फाइनल में 4×400 मीटर में 3:14.46 का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया और देश की झोली में सिल्वर मेडल डाला।



भारतीय रिले टीम की इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी है। पीएमओ ने एक्स पर पीएम मोदी के हवाले से लिखा, 'हमारी मिक्स्ड 4×400 मीटर रिले टीम का शानदार प्रदर्शन। मनु टीएस, पूर्वम्मा एमआर, विशाल टीके और विथ्या रामराज को एशियन गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने पर बधाई। उनकी गति, तालमेल और पक्के इरादे ने रेस को रोमांचक बना दिया और भारतीय एथलेटिक्स के लिए गर्व का पल बना। उम्मीद है कि वे और भी ऊंचाइयों को छूते रहेंगे।

प्रतियोगिता में बहरीन ने 3:12.87 के गेम्स रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण जीता, जबकि वियतनाम 3:14.54 में रेस पूरी करके तीसरे नंबर पर रहा और ब्रॉन्ज मेडल जीता। जापान 3:15.52 के साथ चौथे स्थान पर रहा। भारतीय दल ने 4×400 मीटर इवेंट में शानदार प्रदर्शन का दौर बरकरार रखा। भारतीय दल ने

एशियन गेम्स जकार्ता 2018 में इस इवेंट में गोल्ड और हांगझोक एशियन गेम्स 2023 में सिल्वर जीता था। विशाल ने इससे पहले दक्षिण कोरिया के गुमी में 2025 एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मिक्स्ड 4×400 मीटर रिले में गोल्ड और पुरुषों की 4×400 मीटर रिले में सिल्वर जीता था, जहां वह व्यक्तिगत 400 मीटर में

विजय दहिया बने दिल्ली की सीनियर पुरुष टीम के हेड कोच

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज विजय दहिया को 2026/27 घरेलू सीजन के लिए एक बार फिर दिल्ली की सीनियर पुरुष क्रिकेट टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया है। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के बचपन के कोच और द्रोणाचार्य अवॉर्ड विजेता राजकुमार शर्मा को 'स्टेट मेंटर' नियुक्त किया गया है। वहीं, सुनीता शर्मा को महिला टीमों के लिए इसी जिम्मेदारी की भूमिका सौंपी गई है। दिल्ली और जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) द्वारा शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, पुरुष और महिला टीमों की चयन समिति और कोचों के बारे में ये फैसले क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) द्वारा सभी सिफारिशों सौंपे जाने के लिए गए। आईपीएल 2022 की विजेता टीम गुजरात टाइटंस के साथ सहायक कोच रहे दहिया ने ट्रॉफी को 2007/08 में रणजी दौड़ जीताई थी और 2012/13, 2014/15 और 2015/16 सीजन में भी इसी भूमिका में काम किया था। भारत के लिए दो टेस्ट और 10 वनडे मैच खेलने वाले

दहिया अब पूर्व भारतीय ऑफ-स्पिनर और चयनकर्ता सरनदीप सिंह की जगह लेंगे, जो पिछले दो सीजन से इस भूमिका में थे और अब सीएसी का हिस्सा हैं। दहिया के साथ सहायक कोच के तौर पर क्षितिज शर्मा और कुलदीप रावत होंगे, जबकि संजीव शर्मा और भारत के पूर्व तेज गेंदबाज परविंदर अवाना बॉलिंग कोच के तौर पर काम करेंगे। दिल्ली अपनी रणजी ट्रॉफी की शुरुआत 11 अक्टूबर को कल्याणी में बंगाल के खिलाफ करेगी। दिल्ली के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी केपी भास्कर और भारत की पूर्व खिलाड़ी रीमा मल्होत्रा एक आधिकारिक बयान के अनुसार, पुरुष और महिला टीमों की चयन समिति और कोचों के बारे में ये फैसले क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) द्वारा सभी सिफारिशों सौंपे जाने के लिए गए। आईपीएल 2022 की विजेता टीम गुजरात टाइटंस के साथ सहायक कोच रहे दहिया ने ट्रॉफी को 2007/08 में रणजी दौड़ जीताई थी और 2012/13, 2014/15 और 2015/16 सीजन में भी इसी भूमिका में काम किया था। भारत के लिए दो टेस्ट और 10 वनडे मैच खेलने वाले

शूटिंग में देश को गोल्ड और सिल्वर दिलाने वाले निशानेबाज खुश, कहा- अभी और मेडल आएंगे

विश्व केसरी ■
नागोया। एशियन गेम्स 2026 में शुक्रवार का दिन भारतीय शूटिंग के लिए यादगार रहा है। भारत को शूटिंग में एक गोल्ड और एक सिल्वर मेडल मिले हैं। सुरुक्ष इंंदर सिंह और कमलजीत ने एशियन गेम्स में 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। दोनों ने फाइनल में 484.6 का एशियन रिकॉर्ड स्कोर बनाया। वहीं, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, नीरज कुमार और रुद्राक्ष पाटिल की भारतीय शूटिंग टीम ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम फाइनल में सिल्वर मेडल जीता। पदक जीतने के बाद शूटर काफी खुश नजर आए और भविष्य में इस खेल में और भी पदक आने की संभावना बताई। शूटर सुरुक्ष सिंह ने आईएनएस से कहा, 'मुझे लगता है कि भारत को सिर्फ एक गोल्ड नहीं, बल्कि कई गोल्ड चाहिए, और इंडिया जरूर जीतेगा। मेरे दिमाग में यही चल रहा था कि मुझे अपना



100 प्रतिशत देना है और किसी भी कोमल पर इंडिया के लिए गोल्ड जीतना है। सुरुक्ष के साथ गोल्ड जीतने वाली मिक्स्ड टीम का हिस्सा रहे

शूटर कमलजीत ने कहा, 'मुझे उम्मीद थी कि मैं मेडल जीतूंगा, क्योंकि खाली हाथ वापस जाना ऐसा लगता है जैसे आप अभी-अभी आए हों, खेले हों और चले गए हों।

ऐसा तो हर कोई करता है। मुझे एशियन गेम्स में मेडल चाहिए था। मुझे पता था कि मुझे अच्छा परफॉर्म करना होगा। यह बहुत अच्छा है कि शूटिंग में पहला गोल्ड मेडल घर

लाए हैं। और भी मेडल आएंगे। पुरुषों के 50 मीटर 3 पोजीशन टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने वाले शूटर नीरज कुमार ने कहा, 'अच्छा लग रहा है। हमने टीम सिल्वर जीता। कहीं न कहीं व्यक्तिगत मेडल की भी उम्मीद थी। लेकिन, मुझे टीम मेडल से ही संतोष करना होगा। हर दिन एक नया दिन होता है और कुछ भी हो सकता है। फिर भी, हम खुश हैं। सिल्वर मेडल जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने कहा, 'यह बहुत अच्छा लग रहा है कि हमने टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। मुझे व्यक्तिगत मेडल जीतने की भी उम्मीद थी, लेकिन बदकिस्मती से ऐसा नहीं हुआ। मुझे इसका थोड़ा दुख है। भविष्य में मैं और मेहनत करूंगा और देश के लिए व्यक्तिगत मेडल जीतूंगा। ऐश्वर्य और नीरज के पास व्यक्तिगत इवेंट में पदक जीतने का मौका था, लेकिन दोनों निशानेबाज इसमें सफल नहीं रहे।

डिफेंडिंग चैंपियन सात्विक-चिराग पुरुष डबल्स के पहले ही राउंड में बाहर

विश्व केसरी ■
आइची। डिफेंडिंग चैंपियन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेटी शुक्रवार को एशियन गेम्स 2026 में पुरुष डबल्स बैडमिंटन इवेंट के पहले ही राउंड में थाईलैंड के पीराचाई सुखफुन और पक्कापोन तीरात्सकुल से हारकर बाहर हो गए।



दुनिया की नंबर 5 भारतीय जोड़ी इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्मेजियम में दुनिया की नंबर 36 थाई जोड़ी से 21-12, 19-21 और 14-21 से हार गई, जिससे उनका टाइटल डिफेंस निराशाजनक तरीके से खत्म हो गया। पिछले महीने चाइना मास्टर्स का खिताब जीतने के बाद सात्विक और चिराग काफी मोमेंटम के साथ एशियन गेम्स में उतरे थे। उन्होंने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए चीन के ही जिंटिंग और रेन शियांग्यू को 70 मिनट के फाइनल में 11-21, 21-13 और 21-17 से हराया। सात्विक और चिराग थाई जोड़ी के खिलाफ शुरुआत में पूरे

नियंत्रण में दिखे और पहला गेम 21-12 से जीत लिया। लेकिन सुखफुन और तीरात्सकुल ने धीरे-धीरे अपनी लय पकड़ ली और दूसरे गेम में भारतीयों को और मेहनत करने पर मजबूर कर दिया। थाई जोड़ी ने 17-13 से चार पॉइंट की बढ़त बना ली थी, जिसके बाद सात्विक और चिराग ने वापसी करते हुए अंतर को 18-19 कर दिया। हालांकि, यह वापसी कमजोर रही, क्योंकि थाई जोड़ी ने निर्णायक गेम के लिए मजबूर कर दिया। सुखफुन और तीरात्सकुल ने तीसरे गेम में भी अपना मोमेंटम बनाए रखा और जल्दी ही नियंत्रण बना लिया। सात्विक और चिराग

को जवाब देने में मुश्किल हुई, जबकि थाई जोड़ी ने निर्णायक गेम में 21-14 से यादगार जीत हासिल की। यह हार सात्विक और चिराग के पुरुष टीम इवेंट में भारत के ब्रॉन्ज मेडल जीतने में अहम भूमिका निधाने के कुछ ही दिनों बाद हुई है। चीन के खिलाफ सेमीफाइनल में, भारतीय जोड़ी ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन लियान्ग वेई केंग और वांग चांग के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया और चीनी जोड़ी को 21-11, 22-20 से हराया। सेमीफाइनल में हार के बाद भारत को आधिकार ब्रॉन्ज मेडल से ही संतोष करना पड़ा।

चंद्रयान से गगनयान तक : आईआईटी में इसरो अध्यक्ष ने सुनाई अंतरिक्ष के सफर की कहानी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। कभी भारत को अपने रॉकेट प्रक्षेपण के लिए दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से उपकरण जुटाने पड़ते थे। आज वही भारत दूसरे देशों के उपग्रहों को व्यावसायिक आधार पर अंतरिक्ष में भेज रहा है। इसरो के अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने आईआईटी दिल्ली में भारत के अंतरिक्ष सफर की यह बातें बताईं।

उन्होंने बताया कि कभी जिस क्रायोजेनिक तकनीक को साझा करने से इनकार कर दिया गया था, उसे भारत ने अपने दम पर विकसित कर लिया। अब देश की नजरें चांद पर मानव मिशन, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयां हासिल करने पर हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन ने आईआईटी दिल्ली में भारत के अंतरिक्ष सफर और भविष्य की योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। यहां व्याख्यान का विषय था, 'भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम: चुनौतियां और आगे की राह'। इस दौरान उन्होंने भारत की शुरुआती चुनौतियों से लेकर चंद्रयान-3 की सफलता, अंतरिक्ष में उपग्रहों की डॉकिंग और मानव अंतरिक्ष उड़ान की तैयारियों तक की कहानी साझा की।



डॉ. नारायणन ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 1962 से जोड़ते हुए बताया कि उस समय देश खाद्य सुरक्षा और साक्षरता जैसी बुनियादी चुनौतियों से जुड़ा रहा था। नवंबर 1963 में थुंवा से भारत का पहला रॉकेट प्रक्षेपित किया गया। उस समय रॉकेट को तैयार करने में दुनिया के विभिन्न हिस्सों से जुटाए गए उपकरणों का इस्तेमाल किया गया था। इसके बाद भारत ने अंतरिक्ष तकनीक के क्षेत्र में लगातार अपनी क्षमता बढ़ाई। आज देश अपने दम पर उपग्रह तैयार करने और उन्हें प्रक्षेपित करने के साथ-साथ दूसरे देशों के उपग्रहों को भी व्यावसायिक रूप से अंतरिक्ष में भेज रहा है। यह बदलाव भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता की लंबी यात्रा को दर्शाता है। दुनिया ने भारत को क्रायोजेनिक तकनीक नहीं दी,

विश्व केसरी

नई दिल्ली। कभी भारत को अपने रॉकेट प्रक्षेपण के लिए दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से उपकरण जुटाने पड़ते थे। आज वही भारत दूसरे देशों के उपग्रहों को व्यावसायिक आधार पर अंतरिक्ष में भेज रहा है। इसरो के अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने आईआईटी दिल्ली में भारत के अंतरिक्ष सफर की यह बातें बताईं।

उन्होंने बताया कि कभी जिस क्रायोजेनिक तकनीक को साझा करने से इनकार कर दिया गया था, उसे भारत ने अपने दम पर विकसित कर लिया। अब देश की नजरें चांद पर मानव मिशन, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयां हासिल करने पर हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन ने आईआईटी दिल्ली में भारत के अंतरिक्ष सफर और भविष्य की योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। यहां व्याख्यान का विषय था, 'भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम: चुनौतियां और आगे की राह'। इस दौरान उन्होंने भारत की शुरुआती चुनौतियों से लेकर चंद्रयान-3 की सफलता, अंतरिक्ष में उपग्रहों की डॉकिंग और मानव अंतरिक्ष उड़ान की तैयारियों तक की कहानी साझा की।



डॉ. नारायणन ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 1962 से जोड़ते हुए बताया कि उस समय देश खाद्य सुरक्षा और साक्षरता जैसी बुनियादी चुनौतियों से जुड़ा रहा था। नवंबर 1963 में थुंवा से भारत का पहला रॉकेट प्रक्षेपित किया गया। उस समय रॉकेट को तैयार करने में दुनिया के विभिन्न हिस्सों से जुटाए गए उपकरणों का इस्तेमाल किया गया था। इसके बाद भारत ने अंतरिक्ष तकनीक के क्षेत्र में लगातार अपनी क्षमता बढ़ाई। आज देश अपने दम पर उपग्रह तैयार करने और उन्हें प्रक्षेपित करने के साथ-साथ दूसरे देशों के उपग्रहों को भी व्यावसायिक रूप से अंतरिक्ष में भेज रहा है। यह बदलाव भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता की लंबी यात्रा को दर्शाता है। दुनिया ने भारत को क्रायोजेनिक तकनीक नहीं दी,

ने हमें यह तकनीक देने से इनकार कर दिया, तो हमने इसे खुद विकसित करने का फैसला किया। आज मैं आपको बता सकता हूँ कि हमने पूरी तरह अपने दम पर तीन क्रायोजेनिक प्रणोदन प्रणालियां विकसित की हैं। उन्होंने चंद्रयान-3 की सफलता को भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम का ऐतिहासिक अध्याय बताया। 23 अगस्त 2023 को भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग की। इस उपलब्धि के साथ भारत चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश बना और दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के निकट उतरने वाला पहला देश बना।

उन्होंने आगे कहा, '23 अगस्त 2023 भारत के लिए ऐतिहासिक दिन था। चंद्रमा पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग करने वाले पहले तीन देशों के बाद भारत चौथा देश बना और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला देश बना।' चंद्रयान-3 की सफलता ने भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण क्षमता को दुनिया के सामने मजबूती से रखा। डॉ. नारायणन ने बताया कि हालिया अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि भारत अंतरिक्ष में दो यात्रों को सफलतापूर्वक जोड़ने की क्षमता हासिल करने वाला दुनिया का चौथा देश बना है।

‘मेक इन इंडिया’ को बढ़ावा: ऑडी इंडिया ने नई कॉम्पैक्ट लगजरी एसयूवी की शुरु की स्थानीय असेंबली

विश्व केसरी

नई दिल्ली। जर्मनी की लक्जरी कार निर्माता कंपनी ऑडी इंडिया ने शुक्रवार को घोषणा की कि उसकी नई कॉम्पैक्ट लक्जरी एसयूवी ऑडी क्यू3 का स्थानीय स्तर पर उत्पादन शुरू हो गया है। कंपनी इस बिल्कुल नई मॉडल की असेंबली महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर स्थित एसएवीडब्ल्यूआईपीएल संयंत्र में कर रही है।

ऑडी इंडिया के एक बयान के अनुसार, नई ऑडी क्यू3 को भारतीय बाजार में 16 अक्टूबर, 2026 को लॉन्च किया जाएगा। यह एसयूवी 2.0-लीटर पेट्रोल इंजन से लैस होगी और इसमें ऑडी की लोकप्रिय क्वाट्रो ऑल-व्हील ड्राइव तकनीक भी मिलेगी।

ऑडी इंडिया ने कहा कि नई पीढ़ी की क्यू3 में कॉम्पैक्ट लक्जरी एसयूवी की व्यावहारिकता और दमदार प्रदर्शन का संतुलन देखने को मिलेगा। कंपनी के मुताबिक, इसमें अपने सेगमेंट के कई नए और उन्नत फीचर्स तथा तकनीकों को शामिल किया गया है, जो आधुनिक लक्जरी वाहन खरीदारों को आकर्षित करेंगे।

कंपनी ने जानकारी दी कि



ग्राहक नई ऑडी क्यू3 की बुकिंग ऑडी इंडिया की वेबसाइट, मायऑडी कनेक्ट ऐप या देशभर के ऑडी डीलरशिप के माध्यम से कर सकते हैं।

स्कॉडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पीयूष अरोड़ा ने कहा कि नई ऑडी क्यू3 के उत्पादन की शुरुआत भारत में समूह के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह छत्रपति संभाजीनगर संयंत्र की मजबूत

ऐसे समझें अपनी हीमोग्लोबिन रिपोर्ट- ये सिर्फ एक नंबर नहीं, सेहत का बड़ा संकेत है

विश्व केसरी

नई दिल्ली। हीमोग्लोबिन यानी एचबी रिपोर्ट में दर्ज एक संख्या भले ही छोटी लगे, लेकिन यह हमारे स्वास्थ्य के बारे में महत्वपूर्ण संकेत देती है। हीमोग्लोबिन लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाने वाला प्रोटीन है, जो शरीर के अलग-अलग हिस्सों तक ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है। जब शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर सामान्य से कम हो जाता है, तो इसे एनीमिया कहा जाता है।

एनीमिया में थकान, कमजोरी, चक्कर आना, सांस फूलना, सिरदर्द और काम करने में जल्दी थक जाने जैसी परेशानियां हो सकती हैं। इसलिए अपनी एचबी रिपोर्ट को समझना और जरूरत पड़ने पर चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि एनीमिया का स्तर हर उम्र और वर्ग में एक जैसा नहीं होता।

बच्चों, महिलाओं, गर्भवती महिलाओं और पुरुषों के लिए हीमोग्लोबिन की सीमा अलग-अलग हो सकती है। 6 से 59 महीने के बच्चों में एचबी का स्तर 10 से 10.9 ग्राम/डेसीलीटर होने

थक जाने जैसी परेशानियां हो सकती हैं। इसलिए अपनी एचबी रिपोर्ट को समझना और जरूरत पड़ने पर चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि एनीमिया का स्तर हर उम्र और वर्ग में एक जैसा नहीं होता।

बच्चों, महिलाओं, गर्भवती महिलाओं और पुरुषों के लिए हीमोग्लोबिन की सीमा अलग-अलग हो सकती है। 6 से 59 महीने के बच्चों में एचबी का स्तर 10 से 10.9 ग्राम/डेसीलीटर होने

विश्व केसरी

नई दिल्ली। बच्चों की सेहत को लेकर माता-पिता अक्सर छोटी-छोटी बातों पर भी ध्यान देते हैं, लेकिन आंखों से जुड़े कुछ संकेत ऐसे होते हैं जिन्हें सामान्य रूप से छोटे बच्चों को प्रभावित करती है और ज्यादातर मांमले तीन साल से कम उम्र के बच्चों में देखे जाते हैं। बीमारी की समय पर पहचान और इलाज होने पर कुछ संकेत दूर हो सकते हैं।



विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्रीय कार्यालय ने रेटिनोब्लास्टोमा यानी बच्चों में होने वाले आंख के कैंसर को लेकर

लोगों को आगाह किया है।

रेटिनोब्लास्टोमा एक दुर्लभ लेकिन गंभीर प्रकार का कैंसर है, जो आंख के पीछे मौजूद रेटिना में विकसित होता है। यह बीमारी मुख्य रूप से छोटे बच्चों को प्रभावित करती है और ज्यादातर मांमले तीन साल से कम उम्र के बच्चों में देखे जाते हैं। बीमारी की समय पर पहचान और इलाज होने पर कुछ संकेत दूर हो सकते हैं।

देशों में ठीक होने की दर 95 प्रतिशत से अधिक बताई गई है। यही वजह है कि इसके शुरुआती संकेतों को पहचानना बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है।

दवा की पर्ची पर हिंदी को तरजीह दें डॉक्टर, मरीज से मातृभाषा में करें संवाद : ब्रजेश पाठक

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने चिकित्सकों से अपील की है कि वे मरीजों को लिखी जाने वाली दवाओं और जांचों के नाम हिंदी अथवा देवनागरी लिपि में लिखें, ताकि मरीज को यह स्पष्ट रूप से पता हो कि उसे कौन सी दवा दी जा रही है। उन्होंने चिकित्सकों से मरीजों के साथ उनकी मातृभाषा और स्थानीय बोलियों में संवाद करने का भी आग्रह किया है।

ब्रजेश पाठक ने चिकित्सक समुदाय के नाम जारी अपील में कहा कि वह उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री के रूप में ही नहीं, बल्कि एक हिंदी प्रेमी भारतीय के नाते डॉक्टरों से यह आग्रह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह व्यक्तिगत स्तर पर उन दवाओं को प्रार्थमिकता देंगे, जिनके नाम हिंदी में लिखे होंगे। उन्होंने कहा कि चिकित्सा व्यवस्था में लोकभाषाओं का इस्तेमाल बढ़ने से मरीज डॉक्टर की सलाह और उपचार को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे। इससे मरीज और चिकित्सक के बीच विश्वास भी मजबूत होगा।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र, लोकभाषा और लोकभावना से मजबूत होता है। राष्ट्रीय एकता भी हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के सशक्त होने से मजबूत होगी। उन्होंने चिकित्सकों से आग्रह किया कि यदि वे भोजपुरी, अवधी और अन्य मातृभाषाओं में मरीजों से संवाद करेंगे तो उनकी बात मरीजों को अधिक सहजता से समझ आएगी।

DR. PRAJWAL SONI
M.B.B.S., M.D.
Obstetrics & Gynaecologist
colposcopist
Laparoscopic Surgeon & Infertility Specialist

Soni Multispeciality Hospital and Maternity Home



Mo. 9827189170
9200668168

📍 Bade Urla, Raipur Road, Abhanpur (C.G.)
📍 Amapara, Pitalband Road, Rajim, Garhwapada (C.G.)
✉️ drprajwalsoni@gmail.com

📞 911677722
📞 7509007388

कृषि हो या निर्माण क्वालिटी और मजबूती हमारी पहचान - वीनस मरीनरी

पावर वीडर, पैलेट मशीन, वाफ कटर, आरा चक्की, टोली, कंटीक मिक्सर, वाटर टेकर, बेटरी स्पेयर, स्पेयर

निर्माण कार्य, कृषि कार्य, ग्रामीण क्षेत्र, उद्योग एवं प्रोसेसिंग, सिंचाई एवं बागवानी, किसानों हेतु उपयुक्त

निर्माता व विक्रेता:

वीनस मशीनरी

एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजू में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)
फ़ोन : 0771-3149312, मो. : 9343500569, 9516906000

Diwali Special Offer

विकास बोनस (अप्रैल 2027)

लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक

एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी

सस्ते दामों में उपलब्ध

पुराना एसी लाईये, नया ले जाईये

बजाज फाईनेस की सुविधा उपलब्ध

गौंदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401



RAIPUR SMART BUSINESS

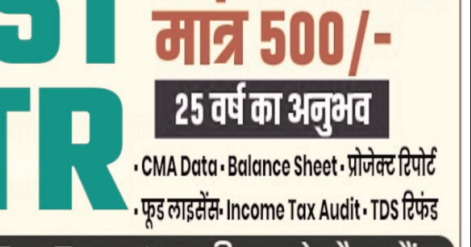
GST फाइल बनवाएं
मात्र 500/-
25 वर्ष का अनुभव

• CMA Data • Balance Sheet • प्रोजेक्ट रिपोर्ट
• फूड लाइसेंस • Income Tax Audit • TDS रिफंड

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।

संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants
C-74, सेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर

WhatsApp पर बनवाएं **9300755544, 8878655544**



Discover the new meaning of pleasure

Noorjaha Prime

DINING • BUFFET • ROOFTOP • LIVE BARBEQUE KITCHEN

📍 City Kotwali Road, Baijnathpara. Raipur.
📞 83700 09993

:H.O.:
• Madarsa Road
Baijnathpara, Raipur.
Mobile: 83700 09994

:OUTLETS:
• Marine Drive,
Telibandha, Raipur
Mo: 83570 09997



मैलबेड़ा में बारिश के चलते गरीब आदिवासी का मकान ढह गया

गृहस्थी का पूरा सामान मलबे में दब गया

विश्व केसरी■
बकावंड (अर्जुन कुमार झा)। विकासखंड बकावंड के अंतर्गत ग्राम मैलबेड़ा के जानी पारा में लगातार 3 दिन से हो रही मूसलाधार बारिश ने एक गरीब आदिवासी परिवार का आशियाना छीन लिया। जानी पारा निवासी प्रकाश नेताम का कच्चा मकान बीती रात करीब 3 बजे भरभराकर ढह गया।

जानकारी के अनुसार पिछले 3 दिनों से क्षेत्र में लगातार बारिश हो रही है। कच्ची दीवारें पानी में भीगकर कमजोर हो गई थीं। रात करीब 3 बजे अचानक दीवारों में दरार आई और पूरा मकान टीन शेड सहित जमीन पर आ गया। हादसे के वक्त परिवार अंदर सो रहा था, दीवार गिरने की आवाज सुनकर परिजनों ने जैसे-तैसे बाहर भागकर जान बचाई। इस हादसे में



परिवार की रोजी-रोटी का सहारा बाइक भी मलबे में दबकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घर के अंदर

रखा अनाज, कपड़े, बर्तन, बिस्तर, टीवी की डिश सब मलबे में दब गए। सुबह ली गई तस्वीर में

मकान का नामोनिशान नहीं बचा, चारों तरफ सिर्फ मलबा ही मलबा दिख रहा है। पीड़ित परिवार अब

पड़ोसियों के सहारे रहने को मजबूर है। ग्रामीण बुधराम नेताम, नरसिंग कश्यप, महेश नेताम, बंसी कश्यप, सोमरा नाग, दया राम, कश्यप लखमू कश्यप, ओर सरपंच जोगेंद्र भारती पंच फगनी नेताम, पंच कमल कश्यप, मनोर सिंग कश्यप, कोटवार पीलूराम बघेल पटेल जयसिंह बेसरा उपसरपंच मनसिंग ने जिला प्रशासन और तहसीलदार करपावंड से मांग की है कि तत्काल राजस्व टीम मैलबेड़ा भेजकर नुकसान का पंचनामा बनाया जाए और प्रकाश नेताम को मुआवजा राशि, बाइक क्षतिपूर्ति राशि दी जाए।

पीड़ित परिवार से फोन पर घटना की जानकारी लेते हुए किसान संघ के अध्यक्ष नीलकुमार बघेल ने भी दुख जताते हुए कहा हम पीड़ित परिवार के साथ हैं प्रशासन से मांग करेंगे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर भाजपा मंडल चारामा ने किया माल्यार्पण

विश्व केसरी■
चारामा (संदीप मेश्राम)।एकात्म मानववाद एवं अंत्योदय के प्रणेता, महान राष्ट्रवादी चिंतक एवं जनसंघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी मंडल चारामा द्वारा नगर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक में उनकी प्रतिमा पर श्रद्धापूर्वक माल्यार्पण किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन मंडल अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश साहू जी के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के राष्ट्र एवं समाज के प्रति योगदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों और विचारों को आत्मसात करने का



संकल्प लिया। इस अवसर पर मंडल महामंत्री संतोष नाहर, जिला सोशल मीडिया सह-प्रमुख अंकित जैन, मंडल मंत्री परमेश्वर यादव, युवा मोर्चा मंडल महामंत्री रुपेश देवांगन एवं प्रियेश सेन, स्वपन बोस, अमृत सिन्हा वासु साहू टीकम ताराम , अंकित शर्मा करण निर्मलकर तथा चंदन यादव सहित

भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यकर्ताओं ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का ‘अंत्योदय’ का विचार समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के कल्याण और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास की प्रेरणा देता है। उनके विचार एवं आदर्श सदैव राष्ट्रसेवा के लिए मार्गदर्शन प्रदान करते रहेंगे।

वर्ल्ड स्कूल गेम के चयन में मनोज साहू ने निभाई निर्णायक भूमिका



कांकेर। ब्राजील में आगामी दिसंबर माह में आयोजित होने वाले वर्ल्ड स्कूल गेम के लिए भारतीय कुश्ती दल के चयन ट्रायल में कांकेर जिले के किशनपुरी के व्यायाम शिक्षक मनोज साहू ने निर्णायक की महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर जिले का नाम रोशन किया है। चयन ट्रायल के दौरान उन्होंने अपनी निर्णय क्षमता, आत्मविश्वास, मेहनत, लगन और खेल के प्रति समर्पण का परिचय देते हुए भारतीय दल के चयन की प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता निभाई।

नारी शक्ति वंदन-अभिनंदन कार्यक्रम में कौशिल्या साय हुई शामिल

विश्व केसरी■
अंतागढ़ (डम्पी खान)। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला स्तरीय नारी शक्ति वंदन-अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि श्रीमती कौशल्या विष्णुदेव साय ने महिलाओं से बिना संकोच आगे आने और अपनी प्रतिभा व कला को पहचान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में महिला हितग्राहियों, मितानिनों और स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने कुर्सी दौड़, मटका फोड़, मेहंदी सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साह से हिस्सा लिया। उल्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान कुपोषण और बाल विवाह मुक्त समाज बनाने का संकल्प दिलाया गया वहीं, कौशल्या विष्णुदेव साय



ने गांधी ग्राम कुलगांव का भ्रमण कर महिला स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों का जायजा लिया। उन्होंने बंद पड़ी दोना-पतल, मसाला, रागी प्रोसेसिंग, हथकरघा, मशरूम और मछली पालन

जैसी गतिविधियों को दोबारा शुरू कराने की पहल की। उक्त कार्यक्रम में अंतागढ़ मंडल से भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष चंद्रकला कौशल नेतृत्व में मोर्चा की सदस्य भी शामिल हुई।

वर्षों से बंद पड़ा अंतागढ़ का आबकारी कार्यालय, जीर्णोद्धार और पुनः संचालन की मांग

नए कलेक्टर के आने से क्षेत्रवासियों को जगी उम्मीद

विश्व केसरी■
अंतागढ़ (डम्पी खान)। क्षेत्र में आबकारी विभाग से जुड़ी महत्वपूर्ण प्रशासनिक व्यवस्था लंबे समय से उपेक्षा का शिकार है। अंतागढ़ में स्थित ब्रिटिश कालीन आबकारी कार्यालय वर्षों से बंद पड़ा है। वर्तमान में विभागीय कामकाज का संचालन दूसरे क्षेत्र से किया जा रहा है। ऐसे में स्थानीय लोगों को आबकारी विभाग से संबंधित कार्यों के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ब्रिटिश कालीन भवन हो रहा जर्जर – अंतागढ़ का आबकारी कार्यालय ऐतिहासिक महत्व रखने वाला बताया जाता है। ब्रिटिश काल से संचालित इस कार्यालय की क्षेत्र

में अपनी अलग पहचान रही है। कभी जहां विभागीय गतिविधियों का संचालन होता था, आज वही भवन लंबे समय से बंद पड़ा है। नियमित साफ-सफाई, देखरेख और रखरखाव के अभाव में भवन की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐतिहासिक महत्व की इस शासकीय संपत्ति के संरक्षण की दिशा में भी अब तक अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया है।

दूसरे क्षेत्र से संचालित हो रहा विभागीय कामकाज – स्थानीय लोगों के अनुसार, अंतागढ़



में आबकारी कार्यालय बंद होने के कारण विभागीय कामकाज का संचालन दूसरे क्षेत्र से किया जा रहा है। इससे क्षेत्र के नागरिकों को विभाग से जुड़े कार्यों के लिए अन्यत्र जाना पड़ता है।

लोगों का कहना है कि अंतागढ़ एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यहां आबकारी कार्यालय का संचालन

होने से प्रशासनिक व्यवस्था अधिक सुचारु हो सकती है। साथ ही विभागीय अधिकारियों की नियमित मौजूदगी से क्षेत्र में आबकारी संबंधी गतिविधियों की निगरानी भी प्रभावी तरीके से की जा सकेगी।

कई बार कराया गया अवगत, फिर भी कार्रवाई का इंतजार – क्षेत्रवासियों का कहना है



कि बंद पड़े आबकारी कार्यालय को पुनः अंतागढ़ में संचालित करने की मांग को लेकर शासन-प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों को कई बार अवगत कराया जा चुका है। इसके बावजूद कार्यालय शुरू करने अथवा भवन के जीर्णोद्धार को लेकर अब तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है।

स्थानीय लोगों का तर्क है कि यदि वर्षों से बंद पड़े भवन की मरम्मत कराकर वहां से विभागीय कामकाज दोबारा शुरू किया जाए, तो इससे शासकीय संसाधन का बेहतर उपयोग होगा और क्षेत्रवासियों को भी सुविधा मिलेगी।

नए कलेक्टर से जगी उम्मीद– जिले में नए कलेक्टर कुंदन कुमार के पदभार संभालने के बाद क्षेत्रवासियों को वर्षों से बंद पड़े आबकारी कार्यालय के पुनः संचालन को लेकर उम्मीद जगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन की सक्रियता को देखते हुए उम्मीद है कि कलेक्टर इस मामले का सज्ञान लेकर कार्यालय

भवन की स्थिति का निरीक्षण कराएंगे और आवश्यक पहल करेंगे।

क्षेत्रवासियों की मांग है कि प्रशासन मौके का निरीक्षण कराकर भवन की वास्तविक स्थिति का तकनीकी आकलन करे। भवन उपयोग योग्य होने पर आवश्यक मरम्मत और जीर्णोद्धार कराकर अंतागढ़ में ही आबकारी कार्यालय का संचालन शुरू कराया जाए।

ऐतिहासिक भवन के संरक्षण की भी मांग – स्थानीय लोगों का कहना है कि यह केवल वर्षों से बंद पड़ा एक शासकीय कार्यालय नहीं है, बल्कि क्षेत्र के पुराने प्रशासनिक इतिहास से जुड़ा भवन व कार्यालय भी है। इसलिए

इसकी उपेक्षा करने के बजाय इसके संरक्षण की दिशा में पहल की जानी चाहिए।

यदि भवन तकनीकी रूप से उपयोग योग्य है तो जीर्णोद्धार के बाद इसे पुनः विभागीय कार्यालय के रूप में उपयोग किया जा सकता है। वहीं, यदि भवन अत्यधिक जर्जर हो चुका है तो तकनीकी परीक्षण के आधार पर उसके संबंध में उचित निर्णय लिया जाना चाहिए। अब क्षेत्रवासियों की नजर इस बात पर है कि वर्षों से बंद पड़े अंतागढ़ के आबकारी कार्यालय को लेकर जिला प्रशासन कब पहल करता है और लंबे समय से चली आ रही कार्यालय के पुनः संचालन की मांग पर क्या कार्रवाई होती है।

चारामा में भालू का आतंक दहशत में नगरवासी

आत्मानंद स्कूल से बाजारपारा तक रातभर विचरण, गणेश पंडाल में भी घुसा वन्यप्राणी

विश्व केसरी■
चारामा (संदीप मेश्राम)। नगर में इन दिनों एक भालू की लगातार मौजूदगी से लोगों में भय और दहशत का माहौल बना हुआ है। बीती पूरी रात भालू को नगर के अलग-अलग इलाकों में विचरण करते हुए देखा गया। सबसे पहले भालू को स्वामी आत्मानंद स्कूल के आसपास देखा गया। इसके बाद वह वार्ड क्रमांक 09 के बाजारपारा स्थित स्कूल के सामने लगे गणेश पंडाल में भी पहुंच गया। वहीं सदर बाजार की सड़क पर भी भालू को घूमते हुए देखे जाने की सूचना सामने आई है।

भालू की लगातार नगर के आबादी वाले क्षेत्रों में मौजूदगी से स्थानीय लोगों में डर का माहौल है। विशेषकर रात के समय घर से बाहर निकलने वाले लोगों और सुबह की सैर पर जाने वाले नागरिकों में चिंता बनी हुई है। लोगों को आशंका है कि भालू किसी भी समय रिहायशी इलाके में पहुंच सकता है।

बावया जा रहा है कि भालू को बिजली विभाग के पास महेश भिजवानी जी के घर के आसपास



भी देखा गया है। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची हुई है और वन्यप्राणी को सुरक्षित पकड़ने के लिए आवश्यक तैयारी कर रही है।

लगातार बारिश भी बनी चुनौती– बीती पूरी रात चारामा नगर में तेज बारिश होती रही। खराब मौसम और लगातार वर्षा के बावजूद वन विभाग की टीम मौके पर डटी हुई है। टीम द्वारा भालू की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है तथा उसे सुरक्षित तरीके से पकड़कर जंगल की ओर ले जाने की तैयारी की जा रही है। नगरवासियों से

अपील की जा रही है कि भालू दिखाई देने पर उसके करीब जाने, भीड़ लगाने या उसे उकसाने का प्रयास न करें। विशेषकर रात और सुबह के समय लोग सावधानी बरतें तथा बच्चों को अकेले बाहर न भेजें। नगर में लगातार भालू के विचरण की घटनाओं को देखते हुए अब लोगों की निगाहें वन विभाग की कार्रवाई पर टिकी हैं। नागरिकों की मांग है कि वन विभाग भालू को जल्द से जल्द सुरक्षित पकड़कर नगर से दूर जंगल क्षेत्र में छोड़े, ताकि किसी अप्रिय घटना की आशंका को टाला जा सके।

दाऊ तालाब के सौंदर्यीकरण को लेकर कलेक्टर कुंदन कुमार ने दिखाई रुचि

विश्व केसरी■
अंतागढ़ (डम्पी खान)। नगर के बीचों-बीच स्थित वर्षों पुराना दाऊ तालाब इन दिनों अपने अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है। कभी स्थानीय लोगों के लिए निस्तारी, नहाने और दैनिक जरूरतों का महत्वपूर्ण साधन रहा यह तालाब समय के साथ अपनी उपयोगिता और रैनिक दोनों खोता जा रहा है। तालाब की वर्तमान स्थिति को देखते हुए नगरवासियों द्वारा लंबे समय से इसके सौंदर्यीकरण और संरक्षण की मांग की जाती रही है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है।



अब जनप्रतिनिधियों की सक्रियता पर नजर

कलेक्टर की रुचि के बाद नगरवासियों में उम्मीद तो जगी है, लेकिन अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि इस दिशा में आगे कितनी तेजी से काम होता है। वर्षों पुरानी मांग अब सिर्फ चर्चा और घोषणा तक सीमित रहती है या वास्तव में धरातल पर उतरती है, इस पर सभी की नजर है।

स्थानीय लोगों की नजर अब प्रशासन के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर भी है। यदि जनप्रतिनिधि और प्रशासन मिलकर इस मुद्दे को प्राथमिकता देते हैं तो दाऊ तालाब को नया जीवन मिल सकता है। वहीं, यदि पहले की तरह यह मामला भी केवल चुनावी वादों और आश्वासनों तक सीमित

रहा तो नगरवासियों की वर्षों पुरानी उम्मीद एक बार फिर अधूरी रह जाएगी। फिलहाल कलेक्टर कुंदन कुमार की रुचि ने दाऊ तालाब के सौंदर्यीकरण की वर्षों पुरानी मांग को लेकर नगरवासियों में नई उम्मीद जरूर जगाई है। अब जरूरत इस बात की है कि चुनावी घोषणा पत्रों में शामिल होने वाले इस मुद्दे को घोषणाओं से आगे ले जाकर वास्तविक कार्ययोजना में बदला जाए और दाऊ तालाब के संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण का काम धरातल पर शुरू किया जाए। अब देखना होगा कि वर्षों से उपेक्षित दाऊ तालाब तस्वीर बदलती है या फिर यह मांग एक बार फिर अगले चुनाव तक इंतजार करती रह जाती है।

नगरवासियों का कहना है कि वर्षों से चली आ रही इस प्रक्रिया के कारण दाऊ तालाब आज भी विकास की बाट जोह रहा है। चुनाव के समय किए जाने वाले वादों और घोषणाओं को यदि वास्तव में धरातल पर उतारा जाता तो अब तक तालाब की तस्वीर काफी हद तक बदल चुकी होती।

कलेक्टर के निरीक्षण से जगी नई उम्मीद – हाल ही में कलेक्टर कुंदन कुमार के अंतागढ़ प्रवास के दौरान दाऊ तालाब के सौंदर्यीकरण को लेकर रुचि दिखाई गई। प्रशासनिक स्तर पर तालाब के विकास को लेकर दिखाई गई इस दिलचस्पी की जानकारी नगरवासियों तक पहुंचने के बाद लोगों में एक बार फिर उम्मीद जगी है कि अब इस पुराने तालाब की तस्वीर बदल सकती है।

नगरवासियों को उम्मीद है कि यदि प्रशासन की ओर से पहल करते हुए तालाब के विकास के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की जाती है, तो वर्षों से लंबित मांग को धरातल पर उतारा जा सकता है। इससे न केवल तालाब का अस्तित्व बचाया जा सकेगा, बल्कि नगर को एक सुंदर और उपयोगी सार्वजनिक स्थल भी मिल सकेगा।

सौंदर्यीकरण से लौट सकती है तालाब की रौनक – दाऊ तालाब का वर्वस्थित सौंदर्यीकरण होने से नगर की खूबसूरती में भी इजाफा हो सकता है। तालाब के आसपास हरियाली, आकर्षक प्रकाश व्यवस्था, पैदल चलने के लिए पाथवे, बेंठे की जगह और स्वच्छ वातावरण विकसित किया जाए तो यह स्थान लोगों के लिए सुबह-शाम घूमने और समय बिताने का बेहतरीन स्थल बन सकता है।